शुभ लाभ DAILY

ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पकड़ने में केंद्रीय खुफिया एजेंसियां विफल रहीं : जी परमेश्वर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 06 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-277

ड्रग्स के लिए मणिपुर को आग में झोंक रहा अमेरिकी एजेंट स्टीफन कॉर्नी

राहुल गांधी के हैं स्टीफन कॉर्नी से गहरे कनेक्शन!

भारत में मोदी सरकार को अस्थिर करने के लिए आतंकी गतिविधियों को हवा देने, अवैध हथियारों की सप्लाई और ड्रग्स का गोरखधंधा फैलाने में लगे अमेरिकी एजेंट डैनियल स्टीफन कॉर्नी के कांग्रेस नेता राहुल गांधी से नजदीकी संबंधों का खुलासा हुआ है। अफीम की खेती और ड्रग्स के धंधे पर चोट पहुंचने के बाद अमेरिकी एजेंट स्टीफन कॉर्नी और अमेरिकी डीप स्टेट ने मणिपुर को आग में झोंकने का काम किया। राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और कुछ पिट्ठू नेताओं ने स्टीफन कॉर्नी जैसे लोगों का साथ दिया। ईसाईयत फैलाने के बहाने अमेरिकी एजेंट देशभर में अराजकता का माहौल सृजित करने में लगे हुए हैं।

ड्रग्स से लेकर हथियार सप्लाई तक में कॉर्नी सक्रिय

खुफिया एजेंसियां कहती हैं कि दक्षिण एशिया में उग्रवाद और उग्रवादी गतिविधियों का समन्वय करने वाले संचालकों में डैनियल स्टीफन कॉर्नी का नाम प्रमुख है। क्या आपने कभी उसका नाम सुना है? तो सुन लें। डैनियल स्टीफन कॉर्नी वह शख्स है अमेरिकी षडयंत्रकारियों और स्थानीय नेताओं के साथ मिल कर बांग्लादेश, भारत, नेपाल और म्यांमार सहित दक्षिण एशिया के अन्य देशों को निशाना बना रहा है। इस कृत्य के लिए पश्चिमी ईसाई मिशनरियों और पूंजीपतियों द्वारा भारी फंडिंग की जा रही है। ज्यादातर अमेरिकी बैपटिस्ट चर्चों द्वारा इसे समर्थन मिल रहा है, जो कुकी समुदाय सहित विभिन्न जातीय समूहों को संरक्षण और धन देने के खतरनाक एजेंडे पर काम कर रहे हैं। बांग्लादेश में चटगांव हिल ट्रैक्ट्स, मणिपुर और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों और म्यांमार में रखाइन राज्य के कुछ हिस्सों को काटकर एक अलग ईसाई राज्य स्थापित करने का कुचक्र इसी खतरनाक साजिश का हिस्सा है।

शुभ-लाभ चिंता

कॉर्नी के खिलाफ कार्रवाई में सरकार नाकारा साबित

डैनियल स्टीफन कॉर्नी का नाम हाल ही में खुफिया एजेंसियों के रडार पर आया है। स्टीफन कॉर्नी एक तेलुगु महिला से शादी करने के बाद 15 साल के लिए आंध्र प्रदेश में बस गया। उसने पर्यटक वीजा के साथ भारत में प्रवेश किया और स्थानीय अधिकारियों को चकमा देकर भारत में रहता रहा।

▶10 पर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कांग्रेस पर करारा हमला

ड्रग्स के धन से चुनाव लड़ना चाहती है कांग्रेस

मुंबई, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर करारा प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा, हाल ही में दिल्ली में हजारों करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है। कांग्रेस के एक नेता पर इसका सरगना होने का संदेह है। कांग्रेस युवाओं को नशे की ओर धकेलकर ड्रग्स से मिलने वाले पैसे से चुनाव लड़ना चाहती है। हमें ऐसे एजेंडों से सावधान रहना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने पोहरादेवी में जगदंबा माता मंदिर में पूजा-अर्चना की। पीएम मोदी ने संत सेवालाल महाराज और पोहरादेवी में संत रामराव महाराज की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और बंजारा विरासत म्यूजियम का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम मोदी ने यहां एक रैली को संबोधित किया। बंजारा समाज को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उसे मोदी पूजता है। पीएम मोदी ने कांग्रेस को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर शहरी नक्सलियों का राज है। उन्हें लगता है कि अगर हम सब एक हो गए तो देश को बांटने का उनका एजेंडा फेल हो जाएगा। हर कोई देख सकता है कि कांग्रेस उन लोगों के साथ कितनी

निकटता से खड़ी है, जो भारत के लिए अच्छे इरादे नहीं रखते।

बंजारा समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज नवरात्रि में मुझे माता जगदम्बा के मंदिर में उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। मैंने संत सेवालाल महाराज और संत रामराव महाराज की समाधि पर जाकर उनका आशीर्वाद भी लिया है। मैं इन दोनों महान संतों को शीश झुकाकर नमन करता हूं। आज महान योद्धा और गोंडवाना की रानी दुर्गावती जी की जन्म जयंती भी है। पिछले वर्ष देश ने उनकी 500वीं जयंती मनाई थी, मैं रानी दुर्गावती को भी नमन करता हूं। नवरात्रि के पवित्र समय में मुझे अभी पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी करने का अवसर मिला है। देश के साढ़े नौ करोड़ किसानों के खातों में आज 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक ट्रांसफर किए गए हैं। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की डबल इंजन की सरकार तो यहां महाराष्ट्र के किसानों को डबल फायदा पहुंचा रही है।

▶10 पर

कांग्रेस ने उत्तर भारत को ड्रग्स का केंद्र बना दिया: शाह

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता की सरगनाई में चलने वाले अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश होने के बाद सियासी गलियारे में बवाल मचा हुआ है। दिल्ली पुलिस के ऑपरेशन में लगभग 5,600 करोड़ रुपए मूल्य की कोकीन और हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की बरामदगी हुई थी। पुलिस ने इस मामले में सरगना तुषार गोयल को गिरफ्तार किया, जो कांग्रेस का पूर्व नेता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर कड़ा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलने का काम कर रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जब मोदी सरकार नशामुक्त भारत के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, तब कांग्रेस के एक प्रमुख नेता का 5,600 करोड़ की ड्रग्स खेप में शामिल होना बेहद खतरनाक और शर्मनाक है। शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में धकेल रही है, जबकि मोदी सरकार उन्हें खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है। शाह ने कांग्रेस के नेताओं पर अपने राजनीतिक रसूख का

▶10 पर

एक अगस्त के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर फिर लगी मुहर

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का वर्गीकरण उचित

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण के भीतर वर्गीकरण को लेकर हाल ही में दिए गए फैसले पर पुनर्विचार करने से साफ मना कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में दाखिल की गई याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इस फैसले पर दोबारा विचार करने को लेकर कोई मजबूत दलील नहीं रखी गई है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की 7 सदस्यीय न्यायिक पीठ ने इस याचिका को खारिज किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उसे फैसले में कोई गलती नहीं दिखाई पड़ती है। ऐसे में यह याचिकाएं रद्द की जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त 2024 को अपने फैसले में कहा था कि एससी-एसटी को दिए जाने वाले आरक्षण के भीतर ऐसी जातियों को ज्यादा तरजीह दी जानी चाहिए, जो आर्थिक एवं सामाजिक रूप से अत्यधिक पिछड़े हुए हैं। आरक्षण में आरक्षण देने के दौरान जातियों को सूची से अंदर-बाहर करने का निर्णय तुष्टिकरण के तहत नहीं लिया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीशचंद्र शर्मा शामिल थे। इस 7 सदस्यीय संविधान पीठ ने 1 अगस्त 2024 को निर्णय दिया था, जिसमें केवल एक जज जस्टिस बेला त्रिवेदी ने अपनी असहमति दर्ज कराई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा स्पष्ट कहा है कि अनुसूचित जाति के उपवर्गीकरण से जुड़े मामले में उसके आदेश में कोई गलती नहीं है। लिहाजा, राज्यों को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को उपवर्गीकृत करने की अनुमति दिए जाने का फैसला कायम रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को उपवर्गीकृत करने की अनुमति दी थी ताकि सरकारी नौकरियों और शिक्षा में उनके बीच वंचित समूहों को तरजीह दी जा सके।

▶10 पर

ईरान के भारत स्थित राजदूत इराज इलाही ने कहा

तनाव कम करने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है भारत

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। इज़राइल और हिजबुल्ला के बीच शुरू हुए संघर्ष में ईरान भी शामिल हो गया है। इससे पश्चिम एशिया में तनाव चरम सीमा पर पहुंच गया है और इसके व्यापक युद्ध में बदलने का खतरा पैदा हो गया है। ईरान के राजदूत इराज इलाही का कहना है कि एक बड़ी ताकत और ग्लोबल साउथ की आवाज होने के नाते भारत तनाव को कम करने में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। भारत में ईरान के राजदूत इलाही ने तनाव कम करने के लिए दूसरे देशों से संपर्क साधने के सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि रूस और चीन के साथ तो ईरान सीधे संपर्क में है, लेकिन भारत के साथ नहीं। लेकिन उन्होंने कहा कि ईरान ने भारत के साथ-साथ प्रभाव रखने वाले अन्य देशों को भी आमंत्रित किया है कि वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए

▶10 पर

पाकिस्तान जाने से पहले विदेश मंत्री जयशंकर का महत्वपूर्ण बयान

कश्मीर मसला यूएन ले जाने के खिलाफ थे सरदार पटेल

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर एससीओ बैठक में शामिल होने के लिए 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान दौरे पर रहेंगे। किसी भी भारतीय मंत्री का यह बीते नौ साल में पहला पाकिस्तान दौरा होगा। इस मसले पर विदेश मंत्री ने कहा, यह एससीओ बैठक एक बहुपक्षीय कार्यक्रम है और मैं भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा के लिए नहीं जा रहा हूं। मैं सिर्फ शंघाई सहयोग संगठन के अच्छे सदस्य के तौर पर वहां जा रहा हूं। चूंकि मैं एक सभ्य और विनम्र व्यक्ति हूं तो मैं उसी के अनुसार व्यवहार करूंगा।

आईसी सेंटर फॉर गवर्नेंस द्वारा प्रशासन पर आयोजित सरदार पटेल व्याख्यान में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्व गृह मंत्री सरदार

कांग्रेस ने सरदार पटेल की राय बेसाख्ता ठुकरा दी थी

पटेल की पाकिस्तान नीति की सराहना की। उन्होंने कहा, सरदार पटेल संयुक्त राष्ट्र में जाने के खिलाफ थे। उन्होंने जूनागढ़, हैदराबाद के मामले में भी इसका विरोध किया था। वह इस बात को लेकर बहुत साफ थे कि भारत को अपने मुद्दे को अन्य शक्तियों के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। हम सभी के लिए दुख की बात है कि उनकी सावधानी को नजरअंदाज कर दिया गया। जो जम्मू और कश्मीर प्रश्न के रूप में शुरू हुआ था, उसे सुविधाजनक रूप से भारत और पाकिस्तान प्रश्न में बदल दिया गया। मामले को संयुक्त राष्ट्र में ले जाने की उनकी अनिच्छा इस विश्वास से आई कि पाकिस्तान से सीधे निपटना बेहतर था, बजाय इसके कि पाकिस्तान को हेरफेर करने की अनुमति दी जाए। किसी भी अन्य पड़ोसी की तरह, भारत पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध रखना चाहता है, लेकिन सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज करके नहीं।

▶10 पर

तिरुपति में सीएम नायडू ने किया वेंगाम्बा सेंट्रलाइज्ड किचन का उद्घाटन

अमरावती, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने श्रीवारी वर्षिका ब्रह्मोत्सवम के मौके पर तिरुमाला के तिरुमाला देवस्थानम में वेंगाम्बा सेंट्रलाइज्ड किचन का उद्घाटन किया। तिरुपति मंदिर पिछले कुछ दिनों से विवादों में है। मंदिर के प्रसाद में इस्तेमाल की जाने वाली घी में पशु चर्बी की पुष्टि होने के बाद से ही मंदिर विवादों के घेरे में आ गया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने जांच के लिए एक नई स्वतंत्र एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,030/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,950/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32°

न्यूनतम : 21°

जम्मू कश्मीर के शांतिपूर्ण विधानसभा चुनाव को लेकर लोग खुश

कश्मीर के लोगों के साथ हो रही सुरक्षा बलों की तारीफ

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनावों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीन चरणों में वोट डाले गए। राहत की बात ये रही कि चुनाव के तीनों चरण शांतिपूर्वक बीते। इसके लिए कश्मीर के लोगों के साथ सुरक्षाबलों की तारीफ करनी होगी, जिन्होंने चुनावी माहौल के दौरान आतंकवाद पर लगाम कसने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। जम्मू में भी जहां पिछले कुछ समय से आतंकी वारदातों में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी, सुरक्षा बलों की चौकसी के चलते कई आतंकियों को मुठभेड़ों में मार गिराया गया, वहीं घाटी में भी शांति रही। सैन्य सूत्रों का कहना है कि सुरक्षा बलों की इस कामयाबी के पीछे बड़ी वजह आतंकियों के नेटवर्क में बड़ी सेंध है। आतंकवादी कम्युनिकेशन के लिए जिस अभेद्य चीनी तकनीक का इस्तेमाल कर रहे थे, सुरक्षा बलों ने उसका भी तोड़ निकाला और जिसके बाद लगातार कई मुठभेड़ों में आतंकियों को ठिकाने लगा दिया।

आतंकियों की मददगार चीनी तकनीक सेना ने फेल की

आतंकी नेटवर्क में सुरक्षाबलों ने लगाई कामयाब सेंध

कश्मीर घाटी में तैनात सेना के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सेना लंबे समय से आतंकवादियों ग्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले चीन के बनाए अल्ट्रा हैंडसेट को एनक्रिप्टेड करने की कोशिश कर रही थी और काफी हद तक सेना को इसे क्रेक करने में कामयाबी भी मिली है। इस बार आतंकी आम वॉकी टॉकी या सेलफोन का इस्तेमाल नहीं कर रहे थे। बल्कि वे कम्युनिकेशन के लिए चीन के बने अल्ट्रा हैंडसेट का यूज कर रहे हैं, जो इन्क्रिप्टेड हैं और उसका तोड़ अभी तक सिक्योरिटी एजेंसियों के पास नहीं था। लेकिन अब काफी हद तक सुरक्षा बलों को इसका कोड क्रेक करने में कामयाबी हासिल हुई है। उन्होंने बताया कि हाल ही में जो कई आतंकी अलग-अलग मुठभेड़ों में मार गिराए गए हैं, उसकी सफलता के पीछे यही सबसे बड़ी वजह है। सुरक्षा बलों ने आंतकियों का पूरा नेटवर्क ध्वस्त कर दिया है।

पाकिस्तान चीन के साथ मिलकर अपनी फौज के साथ-साथ आतंकी संगठन को भी नई-नई तकनीक मुहैया करवा उन्हें भारत में घुसपैठ करवा रहा था। हाल के कुछ दिनों में जम्मू में हुए आतंकी हमले के बाद जो कम्युनिकेशन सेट मिले, वे न सिर्फ इनक्रिप्टेड थे

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

युवाचार्य महेंद्रऋषि का 58वां जन्मोत्सव तप त्याग व जप द्वारा मनाया गया

आचार्य आनंदऋषि की अनमोल शिष्य रत्न माला के एक चमकते मोती है युवाचार्य महेंद्रऋषि: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में युवाचार्य महेंद्रऋषि के 58वें जन्मोत्सव पर डॉ. वरुणमुनि ने उनका गुणगान करते हुए कहा कि युवाचार्य श्री का जन्म चाकण गांव में हुआ। जिन्हें मात्र 7 वर्ष की उम्र में गुरु आनंद का सानिध्य पाकर वैराग्य के बीज अंकुरित हुए। आचार्य श्री आनन्दऋषि महाराज की शरण में आपने सेवा, ज्ञानार्जन, सभी कलाओं का ज्ञान अर्जित किया। 15 वर्ष की अल्प आयु में आचार्य आनंदऋषि ने आपश्री को पुणे में संयम पथ अंगीकार कराया। आप बाल मंजु भटेवरा से मुनि महेन्द्रऋषि बने। गुरु आज्ञा ही सर्वोपरि है इस संकल्प के साथ

आपश्री जी की संयमी जीवन की यात्रा आरम्भ हुई। गुरु आनंद का स्वप्न था कि उनका सुयोग्य शिष्य महेंद्रऋषि महान पंडित तथा शास्त्रों का ज्ञाता बनकर संस्कृत, प्राकृत का अध्यापन संत सतियों को कराए। उस स्वप्न को साकार होते आज हम सब देख रहे है। आपने गुरुदेव की अपार कृपा से संस्कृत प्राकृत, हिंदी, मराठी, अंग्रेजी, गुजराती जैसी भाषाओं पर प्रभुत्व पाया। अनेक पदवियों को सुशोभित किया। श्रमण संघ के युवाचार्य पद पर सुशोभित महेंद्रऋषिजी का व्यक्तित्व ऐसा गरिमामय और महिमामय है जो उन्हें अन्य साधकों से अलग करता है। आप आचार्य श्री आनंदऋषि की अनमोल शिष्य रत्न माला के एक चमकते मोती है। ऐसे युवाचार्य भगवन को पाकर श्रमण संघ धन्य है। आपकी प्रभावशाली प्रवचन शैली धर्मनिष्ठ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने वाली है। रुपेशमुनि ने गुर आरती व बीज मंत्र के साथ जप करवाया। अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, ज्ञानचंद लोढ़ा, शांतिलाल चाणोदिया, किशोरकुमार दलाल, पारस भलगट, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, नमित कोठारी, किरणराज पुनमिया, प्यारेलाल टपरावत, अशोक बागरेचा, प्रवीण बंब, उगमराज लुणावत, विनोद कुमार डांगी, सायरबाई लोढ़ा, रेखा पोखरना, रेखा श्रीश्रीमाल व अन्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत नशामुक्ति दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह का पंचम दिवस नशामुक्ति दिवस वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में जिनशासन प्रभाविका महासती चैतन्यश्रीजी के सानिध्य में आयोजित हुआ। अणुव्रत समिति अध्यक्ष देवराज रायसोनी के नेतृत्व में टीम द्वारा मंगलाचरण गीतिका की प्रस्तुति दी गई। मदनराज रायसोनी ने अणुव्रत एवं अणुव्रत नियमों की संक्षिप्त जानकारी दी। साध्वी चैतन्यश्रीजी ने प्रेरणा पाथेय देते हुए कहा कि द्वारका नगरी के विनाश का कारण मदिरा नशा था। जो नशा करेगा उसकी शान धुल जायेगी। जो दोस्त नशा प्रयास करने को कहता है, वह दोस्त नहीं दुश्मन होता हैं। नशा ट्राइ (प्रयास) करने की कोशिश करता हैं उसकी पूरी जिंदगी रोना बन जाती हैं। कहानी के माध्यम से नशा मुक्त रहने की प्रेरणा दी। आचार्यश्री महाश्रमण जी के सरल स्वभाव, हसमुख चेहरा, तेरापंथ धर्म संघ की तेज प्रभावना कि प्रशंसा की। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, सेंट्रल के मंत्री महेंद्र मुणोत ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया एवं समिति निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल ने सभी के प्रति आभार माना। इस अवसर पर उपाध्यक्षा शांति सकलेचा, मंत्री हरकचंद ओस्तवाल, सहमंत्री प्रवीण बोहरा, संगठन मंत्री निर्मल पोकरण, समिति से वीणा पोरवाल, सुमित्रा बरडिया, मीना रायसोनी, कविता जैन सहित स्थानकवासी संघ के पदाधिकारीगण एवं श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ एफआईआर

सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देकर फंसे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वतंत्रता सेनानी वीडी सावरकर के खिलाफ बयान देकर कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव मुश्किलों में फंस गए हैं। दरअसल बजरंग दल के एक कार्यकर्ता ने शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता तेजस गौड़ा ने कहा कि 'स्वास्थ्य मंत्री को सार्वजनिक रूप से अपनी भाषा के प्रति अधिक सतर्क रहना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्री के रूप में वे एक जिम्मेदार पद पर हैं और जब भी वे मीडिया को संबोधित करते हैं या सार्वजनिक रूप से बोलते हैं, तो उन्हें सावधान रहना चाहिए। वीर सावरकर के बारे में उनका हालिया बयान अनुचित था। तेजस गौड़ा ने कहा कि 'दिनेश गुंडू राव ने अपने हालिया बयान में दावा किया था कि सावरकर ब्राह्मण होने के बावजूद गोमांस खाते थे। मैं दिनेश गुंडू राव से पूछना चाहता हूं- क्या आपके पास इस बात का कोई सबूत है कि सावरकर ने गोमांस खाया था? बजरंग दल कार्यकर्ता ने आगे कहा कि मैं सीधे पूछता हूं, क्या वीर सावरकर आपके (दिनेश गुंडू राव) सपनों में आए और उन्होंने ये स्वीकार किया? गौड़ा ने मंत्री को सावरकर पर खुली चर्चा के लिए चुनौती भी दे डाली। उन्होंने कहा मैं गुंडू राव को इस मामले पर सार्वजनिक चर्चा के लिए एक तिथि, स्थान और समय निर्धारित करने की चुनौती देता हूं। हम सावरकर के बारे में इस तरह के झूठे आरोपों और अफवाहों को फैलने देने के बजाय इस पर खुलकर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। मैं आपसे अपने काम और लोगों के स्वास्थ्य पर ध्यान देने का आग्रह करता हूं। बीती 2 अक्टूबर को, एक किताब के लॉन्च के दौरान, दिनेश गुंडू राव ने कहा, 'सावरकर गोहत्या के विरोधी नहीं थे। वे चितपावन ब्राह्मण थे, लेकिन मांसाहारी थे। इस अर्थ में, वे आधुनिकतावादी थे। जबकि उनकी सोच कुछ मायनों में कट्टरपंथी थी, वे आधुनिक भी थे। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि वे गोमांस खाते थे, लेकिन निश्चित रूप से, एक ब्राह्मण के रूप में, उन्होंने मांस खाया और खुले तौर पर इसकी वकालत की।

राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल द्वारा राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन किया गया। केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त प्रमोद कुमार अग्रवाल एवं सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त आरती अग्रवाल श्रीनिवास एवं विशेष अतिथि डॉ. सुनील तरुण द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं पद्मश्री बाबु के प्रार्थना गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

संतोष कुमार मोहंती ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। सुधेन्दु मुकेश ने गृह मंत्री के संदेश को पढकर सुनाया। सुप्रसिद्ध कवि डॉ. सुनील तरुण ने अपने विशेष अतिथि भाषण में कहा कि हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाएं बहुत ही समृद्ध भाषाएं हैं, जो अपनी भाषा का सम्मान नहीं करते, दुनिया उनका सम्मान नहीं करती। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों

ने भी कविता पाठ किया। पद्मश्री बाबु ने राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत की। तदुपरांत प्रमोद कुमार अग्रवाल, आरती अग्रवाल श्रीनिवास एवं विशेष अतिथि डॉ. सुनील तरुण के करकमलों से बृंदावन पत्रिका के 33वें अंक का विमोचन किया गया तथा सभी विजेताओं में रो-लिंग शील्ड का वितरण किया गया। केंद्रीय कर एवं सीमा शुल्क के आयुक्तगण के करकमलों द्वारा हिंदी प्रतियोगिओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

उसके बाद सीमा शुल्क, बेंगलूरु अंचल की मुख्य आयुक्त आरती अग्रवाल श्रीनिवास ने अपने भाषण में राजभाषा के प्रसार के लिए सभी अधिकारियों को अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। अध्यक्षीय भाषण में केंद्रीय कर, बेंगलूरु अंचल के प्रधान मुख्य आयुक्त प्रमोद कुमार अग्रवाल ने सभी को हिंदी पखवाड़ा समारोह की बधाई देते हुए कहा कि हिंदी जन-जन की नहीं बल्कि हमारे मन की भाषा है।

उन्होंने सभी विजेताओं को बधाई दी। साबील, सहायक आयुक्त, केंद्रीय कर, दक्षिण आयुक्तालय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। मंच संचालन केंद्रीय कर, प्रधान मुख्य आयुक्त कार्यालय, बेंगलूरु के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी वाई. सुब्रह्मण्यम द्वारा किया गया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशानुसार तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के तत्वावधान में राउंड ईयर ह्यूमैनिटी थीम रक्तदान 2024 के अंतर्गत एवं अभातेयुप के गौरवशाली 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में डोबासपेट स्थित ग्रीन शेफ होम अप्लायंस में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से की गई। तुमकुरु से आयी बेल्ली ब्लड बैंक के सहयोग से कुल 16 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। ब्लड बैंक ने परिषद परिवार को सम्मानित करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने सभी रक्त दानदाताओं का आभार जताया। शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में परिषद परिवार से राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी, चेतन मांडोत का अथक श्रम नियोजित हुआ।

सभी भवों में नर का भव श्रेष्ठ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी ने फरमाया कि इस संसार में मनुष्य एक सर्वश्रेष्ठ प्राणी हैं। जिस प्रकार नरों में चक्रवर्ती, देवताओं में इन्द्र, व्रतों में शान्ति का व्रत, पर्वतों में सुमेरु पर्वत, पशुओं में सिंह श्रेष्ठ होता है। उसी प्रकार सभी भवों में नर का भव प्रधान व श्रेष्ठ होता है। मनुष्य का परम सौभाग्य है कि वह परमात्मा पद को प्राप्त करने की साधना भी कर सकता है। देवलोक के देवता भी इस भव को प्राप्त करने की सदैव कामना करते हैं। मनुष्य का जन्म एक मंदिर की सीढ़ी की भांति होता है। सीढ़ी से ऊपर-नीचे जाने की तरह मनुष्य राम भी बन सकता हैं और रावण भी बन सकता है। इसलिये मानव जीवन की महत्ता को समझते हुए इंसान की धर्मसाधना करते हुए अनमोल मानव जीवन को सार्थक बनाना चाहिये। धर्म सभा का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

बलात्कार के मामले में भाजपा विधायक मुनिरत्ना को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां की एक अदालत ने शनिवार को कर्नाटक के आर.आर. नगर निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक एन. मुनिरत्ना नायडू को बलात्कार और हनी ट्रैपिंग मामले में गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने विधायक मुनिरत्ना को शनिवार को अदालत के समक्ष पेश किया, क्योंकि उनकी पुलिस हिरासत समाप्त हो गई थी। मुनिरत्ना को 19 अक्टूबर तक बेंगलूरु के केंद्रीय कारागार में रखा जाएगा। मुनिरत्ना के वकील ने अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें बेंगलूरु केंद्रीय कारागार में घर का बना खाना खाने की अनुमति दी जाए। अदालत ने वकील को इस संबंध में जेल अधिकारियों से संपर्क करने का निर्देश दिया। रामनगर जिले की कग्गलीपुरा पुलिस ने एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत के बाद गुरुवार को मुनिरत्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में दावा किया कि मुनिरत्ना उसे मुत्यालनगरा में अपने स्वामित्व वाले गोदाम में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। शिकायतकर्ता ने यह भी कहा कि उसने इस कृत्य को रिकॉर्ड किया और उसे धमकी दी कि अगर मामला सामने आया, तो उसके साथ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता ने दावा किया कि उसे अलग-अलग निजी रिसॉर्ट्स में

लोगों को हनीट्रैप में फंसाने के लिए मजबूर किया गया। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा भाजपा विधायक ने मुझे हनी ट्रैप करने के लिए मजबूर किया। उसने यह काम करवाने के लिए मुझे जान से मारने की धमकी दी थी। कग्गलीपुरा पुलिस ने 18 सितंबर को आपराधिक मामला दर्ज किया था। कर्नाटक कांग्रेस के नेता डी.के. सुरेश ने आरोप लगाया कि मुनिरत्ना अपने विरोधियों को एचआईवी संक्रमित करने की कोशिश कर रहे थे और सरकार को इस मामले की जांच करनी चाहिए। सुरेश ने कहा मुनिरत्ना के नेतृत्व में लोगों का एक नेटवर्क दुश्मनों को एचआईवी संक्रमित करने की साजिश कर रहा था। सरकार को उन सभी लोगों की जांच करनी चाहिए जो इस नेटवर्क का हिस्सा हैं। बलात्कार, हनी-ट्रैपिंग और अन्य अपराधों सहित मुनिरत्ना नायडू के खिलाफ आर-ोपों की जांच कर रही एसआईटी ने पिछले शनिवार को उनके आवास और शहर भर में 15 अन्य स्थानों पर छापेमारी की। टीम बलात्कार और हनी-ट्रैपिंग मामले से संबंधित दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य सामग्रियों की जांच कर रही है। एसआईटी को फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के विश-ेषज्ञों का समर्थन प्राप्त है, साथ ही पुलिस अधीक्षक (एसपी) सौम्या लता भी मुनिरत्ना के व्यालिकावल आवास पर तलाशी और निरीक्षण में भाग ले रही हैं। सूत्रों के अनुसार, छापेमारी पीड़िता द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर की गई, जिसने आर-ोप लगाया कि मुनिरत्ना ने यौन उत्पीड़न की फुटेज रिकॉर्ड की और इसका इस्तेमाल आईएएस और आईपीएस अधिकारियों सहित राजनेताओं और लोक सेवकों को ब्लैकमेल करने के लिए किया। विधायक को शुरू में जान से मारने की धमकी देने और दलित समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 24 सितंबर की रात को बेंगलूरु सेंट्रल जेल से सीआईडी कार्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। हालांकि, भाजपा विधायक ने सभी आरोपों से इनकार करते हुए दावा किया है कि ये सभी आरोप झूठे हैं।

कई मंत्रियों द्वारा कुर्सियों पर तौलिया डालने की कोशिश: पी. राजीव

हिल रही मुख्यमंत्री की कुर्सी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश महासचिव पी. राजीव ने दावा किया है कि कांग्रेस के कई मंत्रियों द्वारा कुर्सियों पर तौलिया डालने की कोशिश की जा रही है, जिससे सीएम सिद्धरामैया की कुर्सी हिल रही है।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस मौके पर जिन मंत्रियों को राज्य के विकास पर जोर देना चाहिए, उन्होंने नेता मिलन कार्यक्रम (नेता संचालित कार्यक्रम) रखा है। सतीश जारकीहोली ने मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। एमबी पाटिल, डॉ. परमेश्वर, एच.सी. महादेवप्पा कुर्सी पर तौलिया डालने की कोशिश कर रहे हैं, यह सब इस बात का संकेत है कि

कांग्रेस में कभी भी कोई बदलाव हो सकता है। यह इस राज्य के लोगों का दुर्भाग्य है कि विकास पूरी तरह से ठप हो गया है। मंत्री अपनी आकांक्षाएं व्यक्त करने और इसके लिए साजिश रचने में लगे हुए हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि राज्य में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। कर्नाटक के सभी ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों ने ग्राम पंचायत बंद कर दी है और फ्रीडम पार्क में धरने पर बैठे हैं। प्रियांक खड़गे अपने विभाग को संभालने में पूरी तरह से फेल हो गए हैं।

प्रियांक खड़गे ने आपने विभाग में इस हद तक अराजकता फैला दी है कि ग्राम पंचायत बंद कर दिया और अधिकारियों ने फ्रीडम पार्क में धरना दिया। इन अधिकारियों की मांग पर्याप्त एवं वैज्ञानिक है। आपको उन्हें तुरंत जवाब देना होगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा उनकी मांग पूरी करने की मांग करेगी। प्रियांक खड़गे को बड़े नेताओं पर टिप्पणी करने के अलावा अपना विभाग संभालना नहीं आता। शिक्षकों को तीन माह से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि आंगनबाडी पदाधिकारियों को वेतन नहीं मिला है। गृहलक्ष्मी योजना के तहत भी लोगों को पैसा नहीं मिल रहा है। मीडिया जब भी पूछती है तो यही कहते हैं कि पैसा आज-कल में जारी होगा। मंत्री को सीएम की कुर्सी पर गमछा छोड़ने के बजाय राज्य व जिले का दौरा कर विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सभी हड़ताली अधिकारियों की मांगों को पूरा करने और जनता के लिए काम करने की मांग की।

भारतीय पासपोर्ट रखने वाले पाक नागरिकों को

पकड़ने में केंद्रीय खुफिया एजेंसियां विफल रहीं : जी परमेश्वर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में भारतीय पासपोर्ट रखने वाले पाकिस्तानी नागरिकों की ट्रैकिंग पर टिप्पणी करते हुए कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि यह केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की विफलता है।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए, परमेश्वर ने कहा कर्नाटक पुलिस ने पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में पता चलने के तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। हमारी पुलिस कुशल है और हम अन्य लोगों को भी ढूंढ लेंगे। गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा अगर पाकिस्तानी नागरिकों सहित विदेशी नागरिक बेंगलूरु में बस जाते हैं और पासपोर्ट प्राप्त कर लेते हैं, तो इसका मतलब है कि केंद्रीय खुफिया एजेंसियां किसी बिंदु पर विफल रही हैं। बेंगलूरु पुलिस ने 29 सितंबर को बेंगलूरु के बाहरी इलाके में दो महिलाओं सहित कराची और लाहौर के पाकिस्तानी शहरों से आए चार पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। उनकी जानकारी के आधार पर, एजेंसियों ने बेंगलूरु के पीन्या इलाके में बसे तीन और पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया। वे भारतीय पासपोर्ट प्राप्त करने में कामयाब रहे थे और बेंगलूरु में हिंदुओं की पहचान ले ली थी। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पाकिस्तान के कराची निवासी राशिद अली सिद्दकी उर्फ शंकर शर्मा, पाकिस्तान के लाहौर निवासी आयशा उर्फ आशा रानी, लाहौर निवासी हनीफ मोहम्मद उर्फ रामबाबू शर्मा और पाकिस्तान के लाहौर निवासी रुबीना उर्फ रानी शर्मा, सैयद तारिक, उनकी पत्नी अनिला तारिक और उनकी 13 वर्षीय बेटी के रूप में हुई है। कर्नाटक पुलिस ने नेटवर्क की जांच के लिए चार विशेष टीमें बनाई हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 468 और 471 के तहत मामला दर्ज किया है। उनके खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम, 1967 की धारा 12(1)(बी), 12, 1ए (बी), 12 (2) के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। 29 सितंबर को जिगनी पुलिस को अनघा लेआउट के पास राजापुरा गांव में रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में सूचना मिली थी। फर्जी दस्तावेज देकर पासपोर्ट हासिल करने के मामले में चेन्नई पुलिस ने उनके दो रिश्तेदारों को गिरफ्तार किया है। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले को लेकर भाजपा द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की योजना पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार को सलाह देनी चाहिए, वे राजनीति करना पसंद कर रहे हैं। परमेश्वर ने कहा मुडा मामले को अदालत ने जांच के लिए भेज दिया है। इसका इस्तेमाल राजनीति के लिए किया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच शुरू कर दी है और समन जारी कर रहा है। इसका इस्तेमाल भी राजनीति करने के लिए किया गया है। सरकार कुशल है और उचित जवाब दिया जाएगा। परमेश्वर ने पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच हुई बैठक पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इस घटनाक्रम को महत्व देने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्री सतीश की बेटी लोकसभा सदस्य हैं। वह उनके क्वार्टर के बारे में बात करने के लिए नई दिल्ली गए थे। उस दौरान उन्होंने खड़गे से उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए मुलाकात की थी क्योंकि खड़गे जम्मू-कश्मीर चुनाव रैली में बेहोश हो गए थे।

किसानों को अतिरिक्त गौ भूमि करें आवंटित: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि यदि मवेशियों की संख्या के अनुसार आरक्षित भूमि के अलावा अतिरिक्त गौ भूमि है, तो इसे किसान लाभार्थियों को आवंटित किया जा सकता है।

उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए तहसीलदार, कलेक्टर्स और राजस्व विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की और कहा कि सर्वे के मुताबिक जिले में कितने मवेशी हैं और उनके लिए कितनी जमीन की जरूरत है, अगर ज्यादा जमीन है तो कलेक्टर्स इसकी जानकारी लें। इसे चिन्हित कर किसानों को वितरित करने की कार्रवाई करें।

सिर्फ गाय होने के कारण किसानों का आवेदन खारिज नहीं किया जाना चाहिए।

अगर हम ऐसा करेंगे तो हमें कोर्ट में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। सभी तालुकों के तहसीलदारों को अपने पास मौजूद मवेशियों की संख्या को ध्यान में रखना चाहिए और भूमि की उपलब्धता की पहचान करनी चाहिए। जो भूमि वन भूमि नहीं है, उसे पात्र आवेदकों को आवंटित करने के लिए, ग्राम लेखाकारों को स्थल सर्वेक्षण करना चाहिए और भूमि पर फिर से खेती करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

जब बागर हुकुम समिति के समक्ष आवेदन की समीक्षा की जा रही हो तो मानचित्र या की आवश्यकता के बारे में चिंता न करें। उन्होंने इसे लेकर पहले से ही सावधान रहने की सलाह दी।

आवेदनों को अधिक समय तक लंबित रखना ठीक नहीं है। ऑनलाइन सेवा के तहत समय सीमा के अंदर सभी चीजों का निपटारा होना चाहिए। उन्होंने कटुतापूर्वक कहा कि बैठ कर लोगों के आने और सलाम करने का इंतजार करना अच्छा नहीं है। बागड़ हुकुम खेती भूमि के आवंटन के लिए समितियों की बैठक आयोजित की जाए। कृष्णा बायरे गौड़ा ने सुझाव दिया कि विधायकों से चर्चा कर 15 दिनों के भीतर समितियों की बैठक करें और विधायकों को समझाएं कि जनता की मांग बढ़ी है। इसके अलावा कुडलगी तालुक में गरीब लोग भी अधिक हैं। लेकिन वहां आवेदनों का निस्तारण काफी धीमी गति से होता है। मंत्री ने चेतावनी दी कि इसे गंभीरता से लेना होगा।

अवैध रेत खनन मामले में 23 नावें जब्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खनन एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को मेंगलूरु तालुक में एक अवैध रेत खनन स्थल पर छापा मारा और रेत तथा खनन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 23 नावें जब्त कीं, जिनकी अनुमानित कीमत 46 लाख रुपये है। मेंगलूरु तालुक के सहायक आयुक्त हर्षवर्धन के अनुसार, नावों के मालिकों के पास वैध कागजात और दस्तावेज नहीं थे, और क्षेत्र में रहने वाले कई लोगों ने वलाचिल, मारीपल्ला और पुडु सहित स्थानों पर नेत्रावती नदी में संसाधनों के अत्यधिक दोहन की शिकायत की थी। नावों को पुलिस स्टेशन के करीब अड्यार कट्टे में पार्क किया गया है। आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने कहा कि मेंगलूरु तालुक के भीतर गुरुपुर नदी पर कुछ और स्थान हैं जिन्हें अवैध रेत खनन हॉटस्पॉट बताया गया है।

मंत्री की पत्नी ने भाजपा के सांप्रदायिक हमलों को लेकर महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव की पत्नी तबस्सुम राव ने शुक्रवार शाम को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कर्नाटक ट्विटर अकाउंट द्वारा की गई अपमानजनक और सांप्रदायिक टिप्पणियों के संबंध में कर्नाटक राज्य महिला आयोग में शिकायत दर्ज कराई। यह शिकायत भाजपा कर्नाटक के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कन्नड़ में पोस्ट किए गए एक ट्वीट के बाद की गई, जिसमें तबस्सुम राव को उनके पति द्वारा दिए गए एक बयान के जवाब में निशाना बनाया गया था।

दिनेश गुंडू राव ने दावा किया था कि हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने शायद गोमांस खाया था। उनकी टिप्पणी से भाजपा समर्थकों में आक्रोश फैल गया, जो जल्द ही तबस्सुम राव के खिलाफ सांप्रदायिक हमलों में बदल गया। महिला आयोग को लिखे अपने पत्र में, तबस्सुम ने लगातार उत्पीड़न पर अपनी पीड़ा व्यक्त की।

उन्होंने कहा स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव की पत्नी के रूप में, मुझे सिर्फ मेरी शादी और मेरे मुस्लिम धर्म के कारण अनुचित हमलों और सांप्रदायिक संदर्भों का सामना करना पड़ा है। मुझे यह निंदनीय लगता है कि मेरे निजी जीवन और समुदाय को राजनीतिक क्षेत्र में घसीटा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ उनके अपमानजनक टिप्पणियों के लिए मानहानि का मुकदमा दायर किया था, लेकिन उन्होंने दुख जताया कि इस तरह के लक्षित हमले तब से आम बात हो गई है। तबस्सुम ने लिखा दुर्भाग्य से, यह एक आम बात हो गई है, भाजपा नेता और उनके सोशल मीडिया हैंडल मुझे बार-बार निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आयोग से भाजपा के राज्य पदाधिकारियों और सोशल मीडिया टीम के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया, जिन्होंने उन्हें बदनाम करने, सांप्रदायिक संदर्भ देने और राजनेताओं के परिवार के सदस्यों को राजनीतिक बहस में घसीटने का आरोप लगाया है। तबस्सुम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए एक्स को टैग किया और भाजपा की चालों पर निशाना साधा। भाजपा की कायरता पूरी तरह से सामने आ गई है। वे मेरे पति का सामना नहीं कर सकते, इसलिए वे मुझे अपनी तुच्छ बहसों में घसीटते हैं। यह शर्मनाक है कि वे परिवार के उन सदस्यों को निशाना बनाते हैं जो राजनीति में भी नहीं हैं। वे सस्ती चालों का सहारा लेने के बजाय वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना कब सीखेंगे? यह विवाद तब शुरू हुआ जब दिनेश गुंडू राव ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि चितपावन ब्राह्मण सावरकर गोहत्या के खिलाफ नहीं थे। दिनेश ने दावा किया कि सावरकर मांस खाते थे और सुझाव दिया कि हिंदुत्व विचारक ने शायद गोमांस भी खाया होगा, जो राजनीतिक बहस का केंद्र रहा है। मंत्री ने कहा सावरकर, एक चितपावन ब्राह्मण थे, मांस खाते थे। वे मांसाहारी थे और गोहत्या के खिलाफ नहीं थे। कुछ लोग कहते हैं कि वे गोमांस भी खाते थे। उन्होंने खुलेआम मांसाहार का प्रचार किया, जिस पर भाजपा समर्थकों ने तीखी आलोचना की।

यह पहली बार नहीं है जब तबस्सुम को निशाना बनाया गया है। सितंबर में, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा दिनेश गुंडू राव के अंतरधार्मिक विवाह के बारे में की गई प्रथम दृष्टया अपमानजनक टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई थी। यतनाल ने मंत्री को उनकी पत्नी के मुस्लिम धर्म के कारण आधा पाकिस्तानी कहा था। उच्च न्यायालय ने यतनाल को उनकी टिप्पणी के लिए फटकार लगाते हुए कहा, सिर्फ इसलिए कि किसी की पत्नी मुस्लिम है, क्या आप उसे आधा पाकिस्तानी कह सकते हैं? यह बात करने का तरीका नहीं है। यह सही नहीं है।

मुडा घोटाला मामला

लोकायुक्त अधिकारियों ने 14 भूखंडों का मौके पर किया निरीक्षण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से संबंधित मामले की जांच कर रहे लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार शाम को विजयनगर के तीसरे और चौथे चरण में मुडा द्वारा सीएम की पत्नी बी एम पार्वती को आवंटित 14 वैकल्पिक स्थलों का मौके पर निरीक्षण किया। वे इस उद्देश्य के लिए याचिकाकर्ता और आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को अपने साथ ले गए। इस बीच, पार्वती के अनुरोध के बाद मुडा आयुक्त ए एन रघुनंदन ने मंगलवार को भूखंड वापस लेने का आदेश पारित किया। अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार कार्यालय की उप-रजिस्ट्रार वी रुक्मिणी ने प्रक्रिया पूरी की और गुरुवार को मुडा को दस्तावेज जारी किए। अपील में पार्वती ने कहा कि मैसूरु तालुक के केसारे गांव में सर्वे नंबर 464 पर उनकी 3.16 एकड़ जमीन का कथित तौर पर अधिग्रहण किए बिना इस्तेमाल करने के लिए उन्हें ये जमीनें मुआवजे के तौर पर आवंटित की गई थीं। लोकायुक्त पुलिस सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ 27 सितंबर को दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। 25 सितंबर को, निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने मैसूरु में अधिकार क्षेत्र वाले लोकायुक्त पुलिस को स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया।

कर्नाटक भाजपा में कोई गुटबाजी नहीं सभी एकजुट हैं: नलिन कुमार कटील

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा नेताओं के बीच झगड़े के दावों को खारिज करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने कहा कि भाजपा में कोई गुटबाजी नहीं है और सभी लोग कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए पार्टी को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं, जो राज्य में भ्रष्टाचार और घोटालों में डूबी हुई है। उन्होंने शनिवार को मेंगलूरु में मीडियाकर्मियों से कहा भाजपा एक राष्ट्रीय पार्टी है। पार्टी के नेता अपने विचार व्यक्त करते हैं। किसी भी राजनीतिक पार्टी में मतभेद होना आम बात है। हालांकि, हम सभी एकजुट हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता मतभेदों को सुलझा लेंगे। जरूरत पड़ने पर खुले तौर पर असहमति जताने वाले नेताओं के खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और घोटालों में लिप्त होने का आरोप लगाया। मुडा और वाल्मीकि निगम घोटाले हैं, जिनकी ईडी भी जांच कर रही है। संविधान की बात करने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को मुडा

घोटाले के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के डेढ़ साल बाद भी कांग्रेस ने राज्य में विकास की अनदेखी की है। विकास शून्य है और कानून व्यवस्था पूरी तरह से विफल हो गई है। राज्य दिवालियापन की ओर बढ़ रहा है। यहां तक कि गारंटी योजनाओं का वादा भी लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रहा है। गृह लक्ष्मी के तहत लाभ पिछले चार महीनों से महिलाओं तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा कि युवा निधि के तहत वित्तीय सहायता भी लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने कहा कांग्रेस ने पहले भाजपा पर 40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार होने का आरोप लगाया था। लेकिन अब कांग्रेस सरकार 80 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार बन गई है। मुख्यमंत्री ने दशहरा नदहब्बा को भी नहीं बख्शा और अपने भव्य मंच का इस्तेमाल राजनीतिक संदेश देने के लिए किया। राज्य में कांग्रेस नफरत की राजनीति में लगी हुई है और हिंदुओं पर हमले बढ़ रहे हैं। कटील ने कहा कि भाजपा कर्नाटक विधान परिषद के दक्षिण कन्नड़ और उडुपी स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी उपचुनाव जीतेगी। कोटा श्रीनिवास पुजारी पिछले 16 वर्षों से इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा पार्टी ने विधान परिषद में ग्राम पंचायत और अन्य स्थानीय निकायों की आवाज उठाने के लिए एक युवा को मैदान में उतारा है। एमएलसी उपचुनाव के लिए टिकटों की घोषणा से पहले कटील के नाम की चर्चा होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं टिकट का आकांक्षी नहीं था। पार्टी ने मुझे राज्य अध्यक्ष पद के साथ-साथ तीन बार दक्षिण कन्नड़ लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा मैं सिर्फ पार्टी को मजबूत करने और एमएलसी सीट को बरकरार रखने के लिए रणनीति बनाने में लगा हूं, जिसे भाजपा पिछले कई सालों से जीतती आ रही है। मैं एक साधारण पार्टी कार्यकर्ता हूं और पार्टी की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध हूं।

त्योहारी सीजन के लिए केएसआरटीसी चलाएगी दो हजार विशेष बसें

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु दशहरा से पहले, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम ने यात्रियों की संख्या में संभावित वृद्धि से निपटने के लिए विशेष व्यवस्था की है। अंतर-राज्यीय और राज्य से बाहर के मार्गों पर 2,000 से अधिक अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। 9 से 12 अक्टूबर तक, विशेष बसें केम्पेगौड़ा बस स्टेशन और मैसूरु रोड और शांतिनगर जैसे प्रमुख टर्मिनलों से चलेंगी। 13 से 14 अक्टूबर तक बेंगलूरु के लिए विशेष वापसी सेवाएं उपलब्ध होंगी। गंतव्यों में धर्मस्थल, कुक्के सुब्रमण्य, श्रृंगेरी, होरानाडु जैसे प्रमुख तीर्थ और पर्यटन स्थल और शिवमोग्गा, मेंगलूरु, हुब्बल्ली, बेलगावी और अन्य शहर शामिल हैं। केएसआरटीसी हैदराबाद, चेन्नई, ऊटी, कोडाईकनाल और पंजिम सहित पड़ोसी राज्यों के शहरों में भी अपनी सेवाओं का विस्तार करेगा। 3 से 15 अक्टूबर तक, केएसआरटीसी बेंगलूरु और मैसूरु के बीच विशेष रूप से 260 बसें चलाएगा। 400 से अधिक बसें मैसूरु को चामुंडी हिल्स, केआरएस डैम/वृंदावन गार्डन, श्रीरंगपटना और नंजनगुड जैसे आस-पास के पर्यटन और तीर्थ स्थलों से जोड़ेंगी। केएसआरटीसी एक दिवसीय विशेष पैकेज टूर शुरू कर रहा है, जिसमें मैसूरु के पास लोकप्रिय पर्यटक और तीर्थस्थल शामिल होंगे। गिरिदर्शिनी पैकेज में बांदीपुर, गोपालस्वामी हिल्स, बी.आर. हिल्स, नंजनगुड और चामुंडी हिल्स शामिल होंगे। किराया वयस्कों के लिए 400 और बच्चों के लिए 250 है। जलदर्शिनी पैकेज में स्वर्ण मंदिर (बाइलाकुप्पे), दुबारे वन, निसरगधाम, राजा की सीट, हरंगी जलाशय और केआरएस पर रुकना शामिल है। किराया वयस्कों के लिए 450 और बच्चों के लिए 300 है। देवदर्शिनी पैकेज में नंजनगुड, मुदुकुथोर, तालकड, सोमनाथपुरा और श्रीरंगपटना शामिल होंगे। किराया वयस्कों के लिए 300 और बच्चों के लिए 200 है। ये यात्राएं 3 से 15 अक्टूबर तक मैसूरु से प्रतिदिन चलेंगी।

विपक्ष के झूठे आरोपों के आधार पर इस्तीफा नहीं देंगे: सीएम सिद्धरामैया

जी टी देवेगौड़ा ने केवल सच बताया

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को दोहराया कि वह विपक्षी दलों के झूठे आरोपों के आधार पर अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि वह राज्य के लोगों के सामने वास्तविक स्थिति पेश करेंगे। सिद्धरामैया ने यहां संवाददाताओं से कहा अगर विपक्षी दल झूठे आरोपों के आधार पर (मेरा) इस्तीफा मांगते हैं, तो क्या मुझे इस्तीफा दे देना चाहिए? हम झूठे आरोपों का जवाब देंगे। हम लोगों को सच्चाई बताएंगे। मुडा साइट आवंटन मामले के प्रकाश में आने के बाद कांग्रेस के भीतर दलित और अनुसूचित जनजाति के नेताओं की बैठक में व्यस्त राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि लोग अनावश्यक रूप से अटकलें लगा रहे हैं। मंत्री चर्चा करेंगे लेकिन क्या आपको अटकलें लगानी चाहिए? लोग अटकलें तब लगाते हैं जब राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलते हैं या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एन एस बोसराजू किसी मंत्री से मिलते हैं। सिद्धरामैया ने आश्चर्य जताते हुए कहा अतीत में भी ऐसी बैठकें हुई हैं और अब भी हो रही हैं, लेकिन ऐसी अटकलों को बल क्यों मिल रहा है? मैसूरु में दशहरा समारोह के उद्घाटन के दौरान जेडीएस के वरिष्ठ विधायक जी टी देवेगौड़ा द्वारा उनका समर्थन किए जाने पर, सीएम ने कहा कि उन्होंने केवल सच बताया है। उन्होंने पूछा जी टी देवेगौड़ा जेडीएस की कोर कमेटी के अध्यक्ष हैं और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के सदस्यों में से एक हैं। उन्होंने केवल सच कहा। इसमें गलत क्या है? 25 सितंबर को एक विशेष अदालत द्वारा लोकायुक्त पुलिस को मुडा साइट आवंटन मामले में उनके खिलाफ जांच करने का आदेश दिए जाने के बाद विपक्षी दलों की ओर से सिद्धरामैया पर अपने पद से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ रहा है। तदनुसार, लोकायुक्त पुलिस ने 27 सितंबर को सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू (जिनसे मल्लिकार्जुन स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

विशेष अदालत का यह आदेश उच्च न्यायालय द्वारा सिद्धरामैया के खिलाफ जांच करने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी को बरकरार रखने के एक दिन बाद आया है। ईडी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के बराबर प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) भी दर्ज की है। यह मामला मुडा द्वारा उनकी पत्नी को 14 भूखंड आवंटित करने में कथित अनियमितताओं के मामले में दर्ज किया गया है। मुडा ने मंगलवार को सिद्धरामैया की पत्नी को आवंटित 14 भूखंडों को वापस लेने का फैसला किया। मुडा के आयुक्त ए एन रघुनंदन ने कहा कि मुडा ने इन भूखंडों की बिक्री विलेख को रद्द करने का आदेश दिया है। इससे पहले देवेगौड़ा, जो जेडी(एस) कोर कमेटी के प्रमुख हैं और जिन्होंने दशहरा कार्यक्रम में सिद्धरामैया के साथ मंच साझा किया था, ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और उनके इस्तीफे की मांग करने वालों पर निशाना साधा। देवेगौड़ा ने जेडी(एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर कटाक्ष करते हुए कहा राज्य और केंद्र के लोग, मंत्री बनने के बाद (केंद्र में) अपनी जिम्मेदारी और सम्मान को समझे बिना, उनके (सिद्धरामैया) अच्छे कामों को दरकिनार करके हर रोज उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। देवेगौड़ा ने कहा क्या कुमारस्वामी, जिन्होंने (मांड्या लोकसभा चुनाव में) दो लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की है, इस्तीफा देने के लिए कहे जाने पर इस्तीफा देंगे? सिद्धरामैया 136 विधायकों के समर्थन से जीते हैं और मुख्यमंत्री बने हैं। उनसे इस्तीफा देने के लिए कहा जा रहा है, क्या उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए? मुझे बताएं कि कौन सा कानून उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहता है या उन्हें जेल में डालने के लिए कहता है। उन्होंने कहा कि वे सिद्धरामैया के बारे में इसलिए बोल रहे हैं क्योंकि वे उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को सिर्फ इसलिए इस्तीफा देना पड़ता है क्योंकि उस पर एफआईआर दर्ज हो गई है, तो कांग्रेस, भाजपा या जेडी(एस) से कोई नहीं आएगा। क्या राज्यपाल ने सिद्धरामैया से इस्तीफा मांगा है या उन्हें जेल में डाला है?

भद्रा अभयारण्य में हाथी शिविर की स्थापना जल्द: वन मंत्री

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण मंत्री ईश्वर बी खंड्रे ने घोषणा की है कि हासन, चिक्कमगलूर और शिवमोग्गा क्षेत्रों में जंगली हाथियों के आतंक को नियंत्रित करने के लिए भद्रा अभयारण्य में हाथी शिविर स्थापित किया जाएगा। शिवमोग्गा के कुवेम्पु विश्वविद्यालय हॉल में आयोजित भद्रा टाइगर रिजर्व रजत जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में वन्यजीव और मानव संघर्ष बढ़ रहा है और हाथी काफी जनहानि और फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

इसे नियंत्रित करने के लिए उन्होंने वन्यजीव वार्डनों को 2,000 हेक्टेयर क्षेत्र में हाथी अभयारण्य यानी हाथी सॉफ्ट रिलीज सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। इस हाथी अभयारण्य के लगभग 5,000 एकड़ क्षेत्र में हाथियों को पसंद आने वाले बांस, कटहल, घास आदि उगाए जाएंगे और पकड़े गए हाथियों को इसके चारों ओर बैरिकेड लगाकर यहां लाया और छोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे कोडागु, हासन, शिवमोग्गा और चिकमगंलूर जिलों में जंगल के बाहर हाथियों के कारण होने वाली समस्याओं से बचने में मदद मिलेगी। भद्रा बाघ अभयारण्य एक हजार वर्ग किलोमीटर में फैला विशाल संरक्षित वन है। इसमें पश्चिमी घाट की समृद्ध वन संपदा समाहित है, जो विश्व धरोहर स्थल है। देश में बाघों की संख्या के मामले में कर्नाटक दूसरे स्थान पर है। राज्य में करीब 563 बाघ हैं। उन्होंने कहा कि बाघ परियोजना की 50वीं वर्षगांठ एक और खुशी की बात है, जिसे 1973 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने लुप्तप्राय बाघों की रक्षा के लिए शुरू किया था। पहले बाघों का शिकार उनकी खाल और पंजों के लिए किया जाता था। इसे देखते हुए वन विभाग ने राज्य के 5 बाघ अभयारण्यों में 200 से अधिक शिकार विरोधी शिविर खोले हैं। उन्होंने बताया कि शिकार बंद हो गया है और बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है। भद्रा बाघ अभयारण्य प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है। यहां साल के 365 दिन नदियां और नाले बहते रहते हैं। जल, वनस्पति, जीव-जंतुओं और कीड़ों से भरपूर यह क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है और यहां सैकड़ों प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में वन्यजीवों के महत्व को समझते हुए तत्कालीन मैसूरु सरकार ने 1951 में 124 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को जगर वैली गेम रिजर्व घोषित किया और फिर 1974 में इसे बढ़ाकर 492 वर्ग किलोमीटर कर दिया गया और कर्नाटक सरकार ने इसे भद्रा वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया। उन्होंने कहा कि इस अभयारण्य को 1998 में टाइगर प्रोजेक्ट के तहत देश का 25वां बाघ अभयारण्य घोषित किया गया था।

हमारे घोषणापत्र में जाति जनगणना शामिल पार्टी जल्द ही लेगी फैसला: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कि जाति जनगणना रिपोर्ट को कैबिनेट में रखा जाएगा, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि पार्टी के घोषणापत्र में इसका (जाति जनगणना का) वादा किया गया है और पार्टी इस मामले पर जल्द ही फैसला लेगी। मैं जाति जनगणना पर राज्य पार्टी अध्यक्ष के रूप में अपनी व्यक्तिगत राय के बारे में बात नहीं करूंगा। मेरी व्यक्तिगत राय और पार्टी की राय अलग हो सकती है। मैं हमेशा पार्टी का पालन करता हूं और पार्टी की बात सुनूंगा। नीतिगत मामलों पर पार्टी में हमारे अपने दिशानिर्देश हैं। मैं निर्णय नहीं ले सकता। पार्टी जल्द ही रिपोर्ट के बारे में फैसला लेगी। उन्होंने कहा राहुल गांधी ने हमें दिशानिर्देश दिए हैं और पार्टी के घोषणापत्र में भी इस मामले पर चर्चा की गई है। पार्टी अंतिम निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा अगली कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना रिपोर्ट पेश करने के निर्देश के बारे में पता नहीं है। जब कैबिनेट बैठक होगी, तो मैं बैठक में इस मामले पर चर्चा करूंगा। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री बदलने की कोई चर्चा नहीं है। शिवकुमार ने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में जीत और हार के कारणों का अध्ययन करने के लिए एक समिति बनाई है। टीमें जिलों का दौरा करने के बाद रिपोर्ट सौंप रही हैं। हम अध्ययन करेंगे। सभी जिलों की रिपोर्ट मिलने के बाद मैं आगे बात करूंगा। मैंने उन्हें एक सप्ताह का समय दिया है। शिवकुमार ने कहा कि समितियां टिप्पणियां और सिफारिशें देंगी और सुझाव देंगी कि पार्टी और सरकार को कैसे काम करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी पर एफआईआर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं व्यक्तिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर रहा हूं। मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है और मैं गृह मंत्री नहीं हूं। सिंचाई विभाग में नौ पुलों में से छह का शिलान्यास मैंने किया है। मुझे किसी अन्य घटनाक्रम की जानकारी नहीं है। कांग्रेस नेताओं की आलाकमान से मुलाकात पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा अगर हमारे नेता पार्टी अध्यक्ष से नहीं मिलेंगे तो और किससे मिलेंगे? जब भी मैं नई दिल्ली जाता हूं तो पार्टी नेताओं से भी मिलता हूं।

वेतन न मिलने पर मजदूरों की हड़ताल के कारण इंद्राली रेलवे पुल का निर्माण कार्य रुका

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। इंद्राली रेलवे पुल पर निर्माण कार्य ठप हो गया है, क्योंकि मजदूरों ने अपनी बकाया मजदूरी की मांग को लेकर हड़ताल कर दी है। दो महीने से ज्यादा समय से इस परियोजना पर काम कर रहे मजदूरों का दावा है कि परियोजना शुरू होने के बाद से उन्हें मजदूरी के तौर पर एक भी रुपया नहीं मिला है। मजदूरों का आरोप है कि जब उन्होंने शुरू में अपनी बकाया मजदूरी के बारे में चिंता जताई, तो ठेकेदार ने उन्हें धमकाया और यहां तक कहा कि काम रोकने से पैसे बचेंगे और उन्हें फायदा होगा। मजदूरों की हड़ताल के दूसरे दिन भी पुल निर्माण की प्रगति अनिश्चित बनी हुई है। चूंकि यह पुल उडुपी-मणिपाल को जोड़ने वाले यात्रियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है,

इसलिए निर्माण कार्य में देरी से और भी ज्यादा खतरा पैदा होगा। इस जगह पर अब तक कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इसलिए, अधिकारियों के लिए मजदूरों की समस्या पर ध्यान देना और निर्माण कार्य जारी रखना बहुत जरूरी है। एक कर्मचारी ने स्थिति का वर्णन करते हुए कहा जब हमने हड़ताल शुरू करने से पहले अपने वेतन की मांग की, तो ठेकेदार ने हमसे पूछा कि हम काम करना चाहते हैं या नहीं। हमने कहा कि हम तभी काम करना जारी रखेंगे जब हमें भुगतान किया जाएगा। उन्होंने हमें धमकाया और कहा कि अगर हमें अपना पैसा चाहिए तो हमें उनके इलाके में आना होगा या उन्हें अपने इलाके में बुलाना होगा। लेकिन जब हम यहां काम करते हैं तो हमें कहीं और क्यों जाना चाहिए? हमें अपने परिवार का भरण-पोषण भी करना है। भुगतान का वादा किए हुए आठ दिन हो चुके हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ है। हम तभी काम पर लौटेंगे जब हमें भुगतान मिल जाएगा। एक अन्य कर्मचारी ने बताया कि केवल कुछ ही मजदूरों को भुगतान किया गया है, जबकि अधिकांश को भुगतान नहीं किया गया है। जब हमने ठेकेदार से संपर्क किया, तो उसने कहा कि कंपनी उसे भुगतान नहीं कर रही है, तो वह हमें कैसे भुगतान कर सकता है? अगर सरकार हस्तक्षेप नहीं करती है, तो हम कैसे जीवित रह सकते हैं? काम शुरू होने के बाद से कोई भी अधिकारी निर्माण क्षेत्र का दौरा नहीं किया है। स्थानीय अधिकारियों ने अभी तक स्थिति पर प्रतिक्रिया नहीं दी है, जबकि कर्मचारी इस बात पर अड़े हुए हैं कि वे तभी काम पर लौटेंगे जब सभी बकाया वेतन का भुगतान हो जाएगा।

अभिनेता दर्शन की जमानत याचिका 8 अक्टूबर तक के लिए स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सनसनीखेज प्रशंसक हत्या मामले में जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की जमानत याचिका पर सुनवाई शनिवार को यहां की एक अदालत ने 8 अक्टूबर तक के लिए स्थगित कर दी। अदालत ने दर्शन की पार्टनर पवित्रा गौड़ा की जमानत याचिका पर भी मंगलवार तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी। वरिष्ठ वकील सी.वी. नागेश ने अदालत में अपना पक्ष रखा। अदालत उस दिन विशेष लोक अभियोजक प्रसन्ना कुमार की दलीलें और अन्य आरोपियों के वकीलों की दलीलें सुनेगी। अपना पक्ष रखते हुए वकील नागेश ने अदालत में कहा कि पुलिस द्वारा दर्शन के खिलाफ दाखिल आरोपपत्र में बताई गई बातें एक नाटक है। यह वाकई एक बड़ा नाटक है। दर्शन को फंसाने के लिए पुलिस ने एक काल्पनिक कहानी गढ़ी है। उन्होंने कहा अपहरण और हत्या को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। पीड़ित रेणुकास्वामी ने आरोपियों के साथ खाना खाया था। जिस शेड में रेणुकास्वामी की हत्या की गई, उसके चौकीदार को मुख्य चश्मदीद बताया गया है। पुलिस ने पांच दिन की देरी के बाद भी चश्मदीद गवाह का बयान दर्ज नहीं किया है। गवाह ने सिर्फ इतना कहा है कि उसने काली कार को आते-जाते देखा था। उन्होंने कहा कि चश्मदीद गवाहों के बयान दर्ज करने में तीन दिन की देरी पर आरोपी को जमानत मिलने के कई मामले हैं। चश्मदीद गवाहों के बयान तुरंत दर्ज किए जाने चाहिए। पुलिस की आदत है कि वह आधी रात को बयान दर्ज करती है। वकील नागेश ने कहा कि 16 जून को पुलिस ने कोर्ट में जो रिमांड आवेदन दिया था, उसमें चश्मदीद गवाहों और सबूतों का कोई जिक्र नहीं है। वकील नागेश ने आगे कहा कि दर्शन के घर से जब्त 37.5 लाख रुपये कथित तौर पर हत्या के मामले को दबाने के लिए दिए गए थे। यह पैसे 2 मई को मोहन राज नाम के व्यक्ति ने दिए थे। उस दिन यह पता नहीं चल पाया था कि रेणुकास्वामी कौन है। 18 जून को पुलिस ने नकदी जब्त की थी। यह पैसे मोहन राज ने म्यूजिक एलबम के निर्माण के लिए दर्शन को लौटाए थे। रेणुकास्वामी के शव की जांच 11 जून तक चली। सीआरपीसी 174 के अनुसार, गंभीर चोटों वाले शव की जांच बिना किसी देरी के पूरी की जानी चाहिए। वकील नागेश ने कहा कि पुलिस ने तीन दिन तक इंतजार किया और दावा किया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने दर्शन के दो बयान दर्ज किए हैं जो एक दूसरे से मेल नहीं खाते। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा है कि उच्च न्यायालयों और सत्र न्यायालयों को जमानत देने में संकोच नहीं करना चाहिए। 4 सितंबर को 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) की अदालत में पेश किए गए 3,991 पन्नों के आरोप पत्र में इस बात का विस्तृत विवरण दिया गया है कि कैसे दर्शन ने रेणुकास्वामी पर हमला किया, जिन्हें कथित तौर पर अभिनेता के सहयोगियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था और उन्हें बंधक बनाकर रखा गया था। आरोप पत्र में यह भी दावा किया गया है कि रेणुकास्वामी ने गौतम के नाम से इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर पवित्रा गौड़ा से चैट की थी। रेणुकास्वामी को चित्रदुर्ग से अगवा कर बेंगलूरु लाया गया, जहां उन्हें पट्टनगेरे के एक शेड में बंधक बनाकर रखा गया और उनके साथ क्रूरता से मारपीट की गई। रेणुकास्वामी की हत्या कर दी गई और उनके शव को सुमनहल्ली के एक नाले में फेंक दिया गया। इस मामले के सिलसिले में 11 जून को दर्शन और उनके साथी पवित्रा गौड़ा समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

दुख मिटाना है तो झूठ, निंदा छोड़े व संस्कार श्रेष्ठ बनाएं: राष्ट्रसंत

कृष्णगिरि/शुभ लाभ ब्यूरो। सैकड़ों किलो केशर युक्त दूध से हजारों की तादाद में भक्त जनों द्वारा कतारबद्ध होकर देवी मां पद्मावतीजी का महाभिषेक, फिर साधना कक्ष में अनेक देवों को प्रसन्न करने अर्थात् आकर्षित करने वाली मुद्राओं के साथ जाप अनुष्ठान तथा शाम को हजारों किलो घी, मेवे, दुर्लभ औषधियों, चंदन की विभिन्न प्रकार की लकड़ियों से हवन यज्ञ में मां के विभिन्न बीज मन्त्रों, सहस्रनाम से काशी के विद्वान विप्रजनों द्वारा आहुतियों के धुंए ने हवा एवं आभामंडल को भक्ति से सराबोर कर दिया है। यही नहीं, दोपहर के सत्र में शक्ति पीठाधीपति, राष्ट्रसंत पूज्य गुरुदेव डॉ. श्री वसंत विजय जी के मुखारविंद से श्रीमद देवीभागवत महापुराण कथा गाथा का गुणगान वर्णन श्रवण कृष्णगिरि शक्ति महोत्सव में श्रद्धालुओं को एक तरह से मां से साक्षात करा रहा है। इसके बाद देर रात्रि तक भजन गायकों द्वारा दी जा रही संगीतमय

प्रस्तुतियां नवरात्रि पर्व की महिमा को चार चांद लगा रही है। कुल मिलाकर भक्तजनों को लगभग 15 से 16 घंटे तक मां की भक्ति आराधना साकार रूप ले रही है। 10 दिवसीय कष्टहारक मां की भक्ति आराधना में देश और दुनिया (विदेशी सैलानी) से विभिन्न जाति, धर्म, संप्रदायों से आए श्रद्धालु शक्ति पीठाधिपति पूज्य गुरुदेव वसंत विजय जी की पावन निश्रा में पुण्य एवं सुख समृद्धि प्रदायिक स्तुतियां एवं वाणी से आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। शनिवार को तृतीया तिथि, स्वाति नक्षत्र एवं चंद्रघंटा देवी की महिमा का विस्तार से वर्णन गुणगान पूज्य गुरुदेवश्री ने किया। उन्होंने कहा कि आज 6 खंडों से अर्थात अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इजिप्ट, रसिया, अफ्रीका, ग्रीस के साथ भारतभर से श्रद्धावान लोग कृष्णगिरी स्वयं के कल्याण के लिए आए हैं। संसार में दुखी, ऋणी, रोगी लोगों का जिक्र करते हुए श्री वसंत विजय जी ने कहा कि दुख का कारण झूठ बोलना व निंदा करना तथा गलती का स्वयं द्वारा नहीं मानना है। उन्होंने कहा दुख मिटाना व आरोग्य प्राप्त करना है तो इसे सुधारें व संस्कारों को श्रेष्ठ बनाएं। मनुष्य जन्म को सार्थक बनाएं। विवेकहीन न बनते हुए अपने लक्ष्य उद्देश्य को भी जानें। डॉ वसंत विजय जी ने कहा कि अहिंसा, संयम, तप जिसमें होगा देवता भी उसे नमन करेंगे।

दिल्ली में ड्रग्स की सबसे बड़ी तस्करी का खुलासा

ड्रग्स के धंधे में राजनीतिक हस्तियां शामिल

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर एक्सटेंशन से 5,820 करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद की है। इसे गैरकानूनी तरीके से भारत लाया गया था। इस पूरे मामले में राजनीति भी तेज हो गई है। इस मामले का मुख्य आरोपी तुषार गोयल है, जिसे भाजपा ने यूथ कांग्रेस के आरटीआई सेल का प्रमुख बताया। इसे लेकर भाजपा ने एक्स के माध्यम से कांग्रेस को युवाओं को नशे में धकेलने वाला कहा। हालांकि, यूथ कांग्रेस ने तुषार के जुड़ाव से खुद को अलग बताया और भाजपा को कानूनी चेतावनी भी दी। लेकिन सवाल तो सामने है ही कि इतनी बड़ी तादाद में देश में ड्रग्स कहां से और कैसे आए? इसमें कितने लोग शामिल हैं? ड्रग्स की कीमत कितनी आंकी गई है? इन सवालों का जवाब देश को मिलना ही चाहिए।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के हाथों ड्रग्स की सबसे बड़ी खेप लगी है। पुलिस ने महिपालपुर में एक गोदाम से 562 किलोग्राम कोकीन और थाईलैंड से आया 40 किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) बरामद किया है। कीमतों की अगर बात करें तो बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 5,620 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। पुलिस ने ड्रग तस्करों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों की पहचान तुषार गोयल, भरत कुमार जैन, औरंगजेब सिद्दीकी, हिमांशु कुमार व जितेंद्र प्रीत गिल के रूप में हुई है। इस तस्करी का मुख्य आरोपी तुषार गोयल बताया जा रहा है। आरोपी जितेंद्र प्रीत गिल को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है। यह खेप के भारत में आने से पहले ही भारत पहुंच गया था और खेप की सप्लाई करने वाले सरगना ने इसको यूके से भारत भेजा था। तुषार के पिता एक व्यवसायी हैं जिनके ट्यूलिप और तुषार प्रकाशन नाम के दो प्रकाशन हाउस हैं। मादक पदार्थों की ये खेप विदेश से महाराष्ट्र के बंदरगाह पर आई थी।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाह ने बताया कि तीन महीने की मेहनत के बाद इस गिरोह को पकड़ा गया है। अगस्त 2024 में केंद्रीय खुफिया एजेंसी को दिल्ली में विदेश से ड्रग्स की तस्करी में शामिल होने के अंतराष्ट्रीय नारकोटिक्स गिरोह के बारे में जानकारी मिली थी। पुलिस को पता चला कि मुख्य आरोपी तुषार अपने महिपालपुर एक्सटेंशन गोदाम में ड्रग्स छिपा कर रख रहा है। स्पेशल सेल ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 40 अधिकारियों को तैनात किया। इंस्पेक्टर राहुल कुमार व विनीत कुमार तेवतिया की टीम ने तीन महीने तक लगातार उसकी गतिविधियों को ट्रैक किया।

टीम को 1 अक्टूबर को महिपालपुर में आरोपी तुषार गोयल के गोदाम में ड्रग्स की एक बड़ी खेप आने के बारे में एक विशेष सूचना मिली। पुलिस टीम ने यहां छापेमारी कर गोदाम से 562 किलोग्राम कोकीन और थाईलैंड का 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जब्त किया और गोदाम मालिक तुषार गोयल और उसके साथियों को गिरफ्तार कर लिया। तुषार गोयल इस गिरोह का भारत में मुख्य रिसीवर और वितरक है। हिमांशु और औरंगजेब सिद्दीकी, तुषार के मुख्य सहयोगी है वहीं भरत कुमार जैन 15 किलोग्राम कोकीन की खेप लेने मुंबई से दिल्ली आया था। इस गिरोह के पश्चिम एशिया के किसी देश से नियंत्रित किया जा रहा है। हिमांशु तुषार के सहयोगी के रूप में काम करता था और औरंगजेब सिद्दीकी ड्राइवर था जो तस्करी में उनका साथ देता था। जिस गोदाम में कोकीन को छिपाया गया था रिपोर्ट के अनुसार इस गोदाम का इस्तेमाल तुषार के पिता अपने प्रकाशन के कामों के लिए किताबें रखने के लिए करते थे।

तुषार गोयल एक संपन्न परिवार से आता है जो दिल्ली के वसंत विहार इलाके में रहता है। इसकी उम्र 40 वर्ष है इसने आईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली से स्नातक की डिग्री हासिल की थी। इसके पिता के दो प्रकाशन हाउस हैं। पढ़ाई के बाद तुषार पिता के व्यवसाय में हाथ बटाने लगा। खबरों की मानें तो 2008 शादी के बाद उसने देह व्यापार का काम शुरू कर दिया जिसके बाद उसे ऐशो-आराम का जीवन जीने का आदत लग गई। इसके बाद उसकी मुलाकात दुबई में ड्रग्स तस्करी के मास्टमाइंड से हुई, जिसके बाद वो इस गिरोह में शामिल हो गया।

पुलिस द्वारा तुषार की गिरफ्तार करने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भाजपा ने अपने एक्स हैंडल से तुषार गुप्ता की कांग्रेस के कुछ नेताओं के साथ तस्वीरें साझा कीं। भाजपा प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि देश के युवाओं को सीधे नशे में धकेलने वाले इतने बड़े ड्रग्स कांड के आरोपी तुषार गोयल, इंडियन यूथ कांग्रेस के आरटीआई सेल के चीफ के साथ कांग्रेस के आधिकारिक पदाधिकारियों का सीधा संबंध दिखाता है कि अगर इन्हें थोड़ी सी भी शक्ति मिली, तो ये देश को किस गर्त में धकेल देंगे।

इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कांग्रेस पर आरोप लगाया है। गृह मंत्री ने कहा, एक ओर जहां मोदी सरकार नशा मुक्त भारत के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की 5,600 करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है।

हालांकि, इस मामले में कांग्रेस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कांग्रेस ने कहा कि अपराधी तुषार गोयल को अक्टूबर 2022 में ही दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस आरटीआई विभाग से पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते हटाया जा चुका था। लेकिन कांग्रेस ने यह नहीं बताया कि तुषार गोयल को पार्टी से निकाला क्यों गया था।

मतगणना की तैयारियों के मद्देनजर

बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू, 05 अक्टूबर (ब्यूरो)। प्रदेश में मतगणना की तैयारी के लिए, केंद्र शासित प्रदेश के सभी मतगणना केंद्रों पर एक मजबूत बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जा रही है। मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) पीके पोल ने पत्रकारों को बताया कि 8 अक्टूबर को होने वाली मतगणना के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया है।

क्षेत्र के पुनर्गठन के बाद से पहले जम्मू और कश्मीर विधानसभा चुनाव ने पूरे देश में काफी ध्यान आकर्षित किया है। चुनाव आयोग की सख्त निगरानी में होने वाली मतगणना पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश अपने निर्वाचन क्षेत्रों के परिणामों की प्रतीक्षा कर रहा है। तैयारियों और सुरक्षा उपायों के साथ, क्षेत्र अपने राजनीतिक परिदृश्य में निर्णायक दिन के लिए तैयार है।

जैसे-जैसे बहुप्रतीक्षित मतगणना नजदीक आ रही है, अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रक्रिया कुशलतापूर्वक और सुरक्षित रूप से आगे बढ़े। चुनाव अधिकारियों ने जम्मू और कश्मीर के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना केंद्र स्थापित करने में शामिल सावधानीपूर्वक योजना के बारे में जानकारी दी। श्रीनगर में शीर्ष चुनाव अधिकारियों में से एक ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि मतगणना के दौरान सुचारू कार्रवाई और सार्वजनिक सुरक्षा की गारंटी के लिए एक मजबूत त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था तैनात की जाएगी।

यह विधानसभा चुनाव जम्मू कश्मीर के लिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि यह अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहला और एक दशक से अधिक समय के बाद पहला विधानसभा चुनाव था। मतदान 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में हुआ था। तीनों चरणों में कुल मतदान 63.88 परसेंट दर्ज किया गया, जिसमें पुरुष मतदाताओं ने 64.68 परसेंट और महिलाओं ने 63.04 परसेंट मतदान किया था। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। व्यवस्था बनाए रखने और आयोजन स्थल पर सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तीन-स्तरीय सुरक्षा प्रणाली सक्रिय की जाएगी। किसी भी व्यवधान को रोकने के लिए कई स्तरों पर सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाएगा। हम चाहते हैं कि मतदाता आश्वस्त रहें कि मतगणना प्रक्रिया सुचारू, सुरक्षित और पारदर्शी होगी।

उन्होंने बताया कि हमने मतगणना प्रक्रिया के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रक्रिया को समायोजित करने के लिए मतगणना हाल स्थापित किए गए हैं, और हमने यह सुनिश्चित किया है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की राउंड-वाइज गिनती करने के लिए पर्याप्त टेबल हों। इससे मतगणना के दौरान एक कुशल प्रवाह बना रहेगा। उन्होंने कहा कि मतगणना कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जो मतगणना के दौरान निष्पक्षता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रशिक्षण प्रक्रिया महत्वपूर्ण है, और हम इसे लगभग पूरा कर चुके हैं। अधिकारी कहते हैं कि हमारी टीमें अच्छी तरह से सुसज्जित हैं और काम के लिए तैयार हैं। मतगणना के दिन परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए, आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुरक्षा उपाय किए गए हैं। अधिकारियों का कहना था कि इसमें शामिल सभी लोगों के लिए शौचालय और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। हमने अग्नि सुरक्षा उपायों को लागू करके और किसी भी आपात स्थिति के लिए चिकित्सा कर्मचारियों को स्टैंडबाय पर तैनात करके भी सावधानी बरती है।

दिल्ली दंगे के आरोपियों के वकीलों को कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, 04 अक्टूबर। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली हिंसा की साजिश रचने के मामले में आरोप तय करने के मामले पर आरोपितों की ओर से दलीलें रखने में देरी करने पर गंभीर आपत्ति जताई है। एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेयी ने सुनवाई टालते हुए आरोपितों के वकीलों से कहा कि वे दलीलों के लिए तैयार रहें। आरोप तय करने पर अगली सुनवाई 21 अक्टूबर को होगी।

आज सुनवाई के दौरान आरोपियों ताहिर हुसैन, आसिफ इकबाल तान्हा, उमर खालिद, शरजील इमाम और इशरत जहां की ओर से पेश वकीलों ने आरोप तय करने पर दलीलें रखने के लिए समय देने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि ये आश्चर्यजनक है कि पिछली सुनवाई पर ये विशेष तौर पर गौर किया गया था कि आरोप तय करने पर आरोपितों के वकीलों की ओर से रोजाना दलीलें रखी जाएंगी। ये फैसला आरोपितों के वकीलों की सहमति से दिया गया था लेकिन कोई भी वकील दलीलें रखने के लिए तैयार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि दलीलें रखने के लिए जरुरत से ज्यादा समय दिया गय है। ऐसे में आगे किसी भी देरी को कोर्ट गंभीरता से देखेगी। कोर्ट ने 21 अक्टूबर को ताहिर हुसैन के वकील को दलीलें रखने का निर्देश दिया। कोर्ट ने बाकी आरोपितों के वकीलों को निर्देश दिया कि वे ताहिर हुसैन की ओर से दलीलें खत्म होने के बाद दलीलें रखने के लिए तैयार होकर आएं।

इस मामले में दिल्ली पुलिस ने जांच पूरी कर ली है। कोर्ट ने 5 सितंबर से इस मामले में आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने के मामले पर सुनवाई शुरू कर दी थी। दिल्ली पुलिस की ओर से कहा गया था कि 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुआ दंगा गहरी साजिश का नतीजा थी। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर अमित प्रसाद ने कहा था कि 4 दिसंबर 2019 को नागरिकता संशोधन कानून संसद की ओर से पारित होने के बाद दंगे की साजिश रची गई। उन्होंने चार्जशीट का जिक्र करते हुए कहा कि दंगे की इस साजिश में कई संगठन शामिल थे। इन संगठनों में पिंजरा तोड़, एएजेडएमआई, एसआईओ, एसएफआई इत्यादि संगठन शामिल थे। उन्होंने व्हाट्स ऐप ग्रुप में हुई बातचीत और गवाहों के बयानों का जिक्र करते हुए अपनी दलीलों की पुष्टि की।

बता दें कि इस मामले में 6 मार्च 2020 को एफआईआर दर्ज की गई थी।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट के लिए बख्शी स्टेडियम तैयार

9 से 16 अक्टूबर तक होंगे सात मैच

जम्मू, 05 अक्टूबर। श्रीनगर का बख्शी स्टेडियम हाल के दिनों में सबसे रोमांचक खेल आयोजनों में से एक का गवाह बनने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि यह लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) टूर्नामेंट के अंतिम चरण की मेजबानी कर रहा है। 9 से 16 अक्टूबर तक होने वाले सात रोमांचक मैचों के साथ, क्रिकेट प्रशंसक शिखर धवन, दिनेश कार्तिक, उपुल थरंगा, तिलकरत्ने दिलशान, इरफान पठान, यूसुफ पठान और इयान बेल जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारों को एक्शन में देखने की संभावना से उत्साहित हैं।

इस आयोजन का महत्व देखते हुए, सुरक्षा व्यवस्था तैयारियों में सबसे आगे है। जम्मू कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर खिलाड़ियों, अधिकारियों और दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है। स्टेडियम और प्रमुख क्षेत्रों के आसपास बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात किए जा रहे हैं, जबकि कई सुरक्षा चौकियां और निगरानी प्रणाली लगाई गई है। इसके अलावा, बख्शी स्टेडियम में और उसके आसपास सभी प्रमुख सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिनकी लगातार शीर्ष अधिकारियों द्वारा निगरानी की जा रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सुरक्षा की कड़ी योजना के बारे में बात करते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। बहु-स्तरीय चेकपाइंट, निरंतर निगरानी और बढ़ी हुई गश्त हमारी रणनीति का हिस्सा होगी। हम किसी भी स्थिति से निपटने और सभी के लिए सुरक्षित और आनंददायक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। भौतिक सुरक्षा उपस्थिति के अलावा, भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। बैरिकेड्स और निर्दिष्ट प्रवेश बिंदु दर्शकों के प्रवाह को नियंत्रित करेंगे, जबकि स्टेडियम के अंदर शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए सख्त तलाशी ली जाएगी।

स्थानीय अधिकारियों ने प्रशंसकों को आश्वासन दिया है कि ये उपाय उनकी सुविधा और सुरक्षा को सुविधाजनक बनाने के लिए हैं, जिससे परिवार और व्यक्ति समान रूप से क्रिकेट उत्सव का आनंद ले सकें। टूर्नामेंट का समापन 16 अक्टूबर को एक भव्य समापन के साथ होगा, और खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए एक सहज और यादगार अनुभव सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। यह कश्मीर के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह लगभग 40 वर्षों में पहली बार है कि इस क्षेत्र में इस तरह का कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजन होगा। जम्मू कश्मीर में क्रिकेट के प्रशंसक और प्रशंसक वैश्विक क्रिकेट दिग्गजों की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों की कल्पनाओं पर कब्जा कर लिया है।

उपराज्यपाल के नेतृत्व वाले प्रशासन ने भी इस आयोजन पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह कश्मीर के लिए गर्व का क्षण है। लीजेंड्स लीग क्रिकेट की मेजबानी केवल खेल के बारे में नहीं है; यह क्षेत्र के बढ़ते सांस्कृतिक और खेल महत्व को उजागर करता है। दुनिया का ध्यान कश्मीर पर होगा, न केवल इसकी सुंदरता के लिए बल्कि विश्व स्तरीय आयोजनों की मेजबानी करने की इसकी क्षमता के लिए भी। क्रिकेट प्रशंसकों के बीच उत्साह साफ झलक रहा है, टिकट तेजी से बिक रहे हैं और जम्मू कश्मीर भर से दर्शक मैचों में भाग लेने की योजना बना रहे हैं। कई लोगों के लिए, दिग्गज खिलाड़ियों को करीब से देखने का मौका एक सपने के सच होने जैसा है।

भाजपा का मिशन कश्मीर : हर हाल में सरकार बनाने की योजना पर चल रहा काम

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 05 अक्टूबर।

मिशन कश्मीर को पूरा करने की खातिर भारतीय जनता पार्टी किसी भी सूरत में जम्मू कश्मीर में सरकार बनाना चाहती है। इसकी खातिर वह साम-दंड-भेद सभी तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। मिशन को कामयाबी की राह पर ले जाने के लिए वह उन उम्मीदवारों से भी संपर्क साधने लगी है जो आजाद उम्मीदवारों के बतौर मैदान में उतरे थे और जिनकी जीत की संभावना है।

यही नहीं भीतरखाने वह पीडीपी तथा इंजीनियर रशिद की पार्टी से भी संपर्क साधे हुए है। हालांकि नेकां के नेता भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाने की चर्चाओं को पहले ही नकार चुके हैं।

जानकारी के लिए पिछले चुनाव में भाजपा ने 25 सीटें जीत कर 28 सीटें जीतने वाली पीडीपी के साथ मिलकर सरकार बनाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले भाजपा के महासचिव राम माधव के कांधों पर इस बार भी सरकार बनाने का जिम्मा सौंपा गया है जिसके तहत आज वे प्रदेश के 13 वरिष्ठ भाजपा नेताओं को लेकर दिल्ली जा रहे हैं। चर्चा यह भी है कि उन्होंने उन कई नेताओं को भी दिल्ली आने का न्यौता दिया है जिनके समर्थन से वे अगली सरकार बनाने का सपना देख रहे हैं।

प्रदेश में अगली सरकार के गठन में मुख्य भूमिका की चाहत में भाजपा स्वतंत्र उम्मीदवारों के अतिरिक्त इंजीनियर रशिद की एआईपी और पीडीपी से भी हाथ मिलाने में गुरेज नहीं करना चाहती। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने इसे माना है कि उनकी पार्टी कांग्रेस-नेकां गठबंधन को सत्ता से बाहर रखने की खातिर कश्मीर के अन्य राजनीतिक दलों व सभी उन आजाद उम्मीदवारों से हाथ मिलाने का न्यौता दे चुकी है जिनके जीतने की संभावना है।

एक अक्टूबर को प्रदेश में सम्पन्न हुए तीन चरणों के मतदान के बाद प्रदेश में सभी राजनीतिक दल अपनी अपनी सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। जहां भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरने की बात कर रही है तो नेकां-कांग्रेस गठबंधन सरकार बनाने का दावा कर रहा है।

जबकि मजेदार बात यह है कि पीडीपी और इंजीनियर रशिद की पार्टियां द्वारा अपने आपको किंगमेकर के तौर पर पेश करते हुए यही दावा किया जा रहा है कि उनके समर्थन के बिना कोई भी सरकार नहीं बन पाएगी। अब यह सब 8 अक्टूबर को आने वाले वाले परिणामों पर ही निर्भर करता है कि किस का दावा सही होगा।

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों ने मारे दो आतंकी

कुपवाड़ा, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में शुक्रवार की रात सुरक्षाबलों ने आतंकियों की घुसपैठ को नाकाम कर दिया है। सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया है। फिलहाल सुरक्षाबल पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

सुरक्षाबलों को यहां पर और भी कई आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। नार्थ कश्मीर के कुपवाड़ा के गुगलधारा जंगल में सुरक्षाबलों ने यह सर्च ऑपरेशन चलाया।

सेना ने कहा कि आतंकियों के कश्मीर घाटी में घुसपैठ की कोशिश करने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया गया। सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान जॉइंट टीम ने इलाके में कुछ हलचल देखी। इसके बाद आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की जॉइंट टीम ने भी करारा जवाब दिया। इसमें उन्होंने दो आतंकियों को मार गिराया।

घाटी में मौजूद सेना की चिनार कोर ने कहा, 4 अक्टूबर 2024 को घुसपैठ की कोशिश की खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुगलधार, कुपवाड़ा में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी, जिसके बाद आतंकवादियों के साथ गोलीबारी हुई। सतर्क सैनिकों ने प्रभावी गोलीबारी की। इसके बाद सेना ने एक पोस्ट में बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। चिनार कोर ने पोस्ट किया, चल रहे ऑपरेशन गुगलधर में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है। युद्ध जैसे सामान बरामद किए गए हैं। सेना ने कहा कि क्षेत्र में घेराबंदी एवं तलाशी अभियान जारी है।

शुक्रवार को कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के पास में बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया था। इसमें दो सेना के जवान घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के त्रेहाम इलाके में एलओसी के पास गुगलदारा में गश्त के दौरान तड़के बारूदी सुरंग में विस्फोट से दो जवान घायल हो गए। दोनों जवानों को ड्रगमुल्ला में मौजूद सेना के हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है।

पुलिस कार्मिकों को मिलेगा ई-पेंशन प्रणाली का लाभ: मुख्यमंत्री

सिपाही भर्ती परीक्षा का परिणाम इस माह के अंत तक जारी होगा

लखनऊ, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा का परिणाम इस माह के अंत तक जारी करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जाए और परीक्षाओं की शुचिता हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने पुलिस कार्मिकों को ई-पेंशन से जोड़ने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर पुलिस कार्मिक को समय पर पदोन्नति मिले, उनकी चरित्र पंजिका पर सही विवरण अंकित हो, उनकी योग्यता और प्रतिभा के अनुरूप पदस्थापना मिले और सेवानिवृत्ति के समय देयकों का भुगतान समय से हो, यह प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस कार्मिकों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने और बेहतरीन प्रशिक्षण के लिए व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के भी निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को अपर पुलिस महानिदेशक स्तर के सभी अधिकारियों के साथ विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने एक- एक कर सभी एडीजी से उनकी वर्तमान पदस्थापना अवधि में किये गए कार्यों, अपनाए गए नवाचारों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की सभी इकाइयों के बीच बेहतर संवाद और समन्वय होना चाहिए। लॉजिस्टिक इकाई हो, अभिसूचना इकाई हो अथवा, एसआईटी, क्राइम, पीआरवी 112 आदि, इकाइयां भले ही अलग-अलग हैं, लेकिन सभी का लक्ष्य एक ही है, प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था बनाये रखना। इसलिए सभी के बीच बेहतर तालमेल होना आवश्यक है।

वरिष्ठ अधिकारी समय पर कार्यालय आएं। किसी भी कार्यालय में कोई फाइल तीन दिन से अधिक लंबित न हो। यदि किसी तरह की समस्या हो तो डीजीपी कार्यालय, गृह विभाग अथवा सीधे मुझसे समय लेकर मिल सकते हैं, लेकिन अनिर्णय की स्थिति न होनी चाहिए। फाइल लंबित नहीं रहनी चाहिए। बहुत सारी इकाइयों में फील्ड विजिट बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। एडीजी स्तर के अधिकारी के जिलों में जाने से अच्छा अधीनस्थ पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जिलों में जाएं अपनी इकाई से जुड़े कामकाज की समीक्षा करें, जहां सुधार की आवश्यकता हो, उस अनुरूप काम किया जाए। सीएम ने कहा कि पुलिस बल में लॉजिस्टिक्स का अभाव न हो। समय-समय पर इसकी समीक्षा करते रहें। हमारा पुलिस बल आधुनिक उपकरणों से लैस होनी चाहिए। अभी 40 अश्वों की आवश्यकता और है, कुंभ में इसकी आवश्यकता पड़ेगी। इनकी क्रय और प्रशिक्षण की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाए। प्रदेश में पहली बार होने जा रही कंडम वीपन्स के निस्तारण की प्रक्रिया को सावधानी से पूरा किया जाए।

सीएम ने कहा, बदलते समय के साथ साइबर क्राइम की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। हमें इसके लिए हर स्तर पर सतर्क होना होगा। साइबर फ्रॉड के संबंध में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। शिक्षक, उद्यमियों, व्यापारियों, चिकित्सकों सहित अलग-अलग वर्गों के साथ समय-समय पर गोष्ठियां की जाएं, लोगों को साइबर अपराध की घटनाओं से अवगत कराएं, सुरक्षा के तौर-तरीकों से अवगत कराएं।

सभी जिलों में साइबर क्राइम थाने स्थापित किए जा रहे हैं। इनके भवन निर्माण की कार्यवाही में अनावश्यक देर न की जाए। आवश्यकतानुसार मानव संसाधन की व्यवस्था करें। भारत सरकार द्वारा साइबर फॉरेंसिक लैब की स्थापना का प्रस्ताव है। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करें। हर जिले के हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क क्रियाशील रखें। किसी भी तरह की शिकायत मिलने पर तत्काल रिस्पॉन्स होना चाहिए। फ़ॉरेंसिक इंस्टिट्यूट, लखनऊ को साधन-संपन्न बनाने के लिये सरकार हर आवश्यक सहयोग देगी। इसके निर्माण संबंधी अवशेष कार्यों को यथाशीघ्र पूरा कराएं।

देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में लागू तीनों नए कानून अब पूरी तरह अमल में आ चुके हैं। इस संबंध में विधिवत प्रशिक्षण जारी रखा जाए। हाल के दिनों में रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर, रॉड आदि चीजें मिली हैं। इसी तरह ट्रेनों पर पत्थर फेंके जाने की घटनाएं भी हुई हैं। यह चिंताजनक है। इसके लिए जीआरपी, आरपीएफ, रेलवे प्रशासन और सिविल पुलिस को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। लोकल इंटेलिजेंस को और मजबूत किया जाना चाहिए।

यूपी के 25 जिलों में खुलेंगे नए राजकीय नर्सिंग कॉलेज

लखनऊ, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक वर्क फोर्स तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसके तहत योगी सरकार मेडिकल की यूजी और पीजी की सीटें बढ़ाने के बाद पैरामेडिकल (नर्सिंग) की सीटों में बड़े पैमाने में वृद्धि करने जा रही है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 25 जिलों में नये राजकीय नर्सिंग कॉलेज खोलने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से प्रदेश के कई छोटे शहरों में भी छात्र न सिर्फ सरकारी फीस पर नर्सिंग की पढ़ाई कर सकेंगे, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने में अपना योगदान दे सकेंगे। सीएम योगी की पहल पर 20 जिलों में नये राजकीय नर्सिंग कॉलेजों का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि 5 जिलों में निर्माण कार्य स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। वहीं, सीएम ने कार्यदायी संस्थाओं को कॉलेजों का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है, ताकि अगले एकेडमिक सेशन से पढ़ाई शुरू हो सके।

डीजीएमई किंजल सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के स्वास्थ्य इंफ्रास्क्चर को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश के छात्रों को मेडिकल और पैरामेडिकल की पढ़ाई के लिए उचित संसाधन उपलब्ध कराने के लिए भी युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी ने प्रदेश के 25 जिलों में नये राजकीय नर्सिंग कॉलेज खोलने की स्वीकृति दी है, जहां अगले एकेडमिक सेशन में पढ़ाई शुरू हो जाएगी। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप 20 जिलों में कॉलेजों का निर्माण कार्य चल रहा है जबकि पांच जिलों में निर्माण की स्वीकृति दे दी गयी। उन्होंने बताया कि इन कॉलेज के निर्माण कार्य के लिए प्रदेश की चार संस्थाओं को नामित किया गया। इनमें उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज (सी एंड डीएस), यूपी स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (यूपी सिडको) और उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) शामिल हैं।

20 जिलों में नए राजकीय नर्सिंग कॉलेज का निर्माण हो रहा है। इनमें अयोध्या, बहराइच, शाहजहांपुर, सिद्धार्थनगर, फतेहपुर, गोंडा, सुल्तानपुर, मीरजापुर, लखीमपुर खीरी, बस्ती, फिरोजाबाद, हरदोई, एटा, अमेठी, ललितपुर, बिजनौर, कौशांबी, गाजीपुर, प्रतापगढ़ और चंदौली शामिल हैं। इनके अलावा पांच जिलों में निर्माण कार्य प्रारंभ करने की स्वीकृति दी गई है, जिनमें देवरिया, कानपुर देहात, सोनभद्र, कुशीनगर और पीलीभीत शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जारी की पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त

नवरात्रि में धन-धान्य से भरा यूपी के 2.25 करोड़ किसानों का घर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

लखनऊ, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

शारदीय नवरात्रि की तृतीया तिथि पर देश के साथ ही उत्तर प्रदेश के किसानों का घर भी धन-धान्य से परिपूर्ण हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम से पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी की। इससे देश के 9.4 करोड़ किसानों के साथ ही उत्तर प्रदेश के 2.25 करोड़ किसानों को इसका लाभ मिला। प्रदेश के किसानों के खाते में 4985.49 करोड़ रुपए पहुंच गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के किसानों को शारदीय नवरात्रि में यह उपहार दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम से देश के किसानों के खाते में पीएम सम्मान निधि की 18वीं किस्त स्थानांतरित की। इसमें उत्तर प्रदेश के दो करोड़ 25 लाख 91,884 किसानों के खाते में 4985.49 करोड़ रुपए भेजे गए। वहीं देश के 9.4 करोड़ किसानों को 20,000 करोड़ रुपए से अधिक भेजकर लाभान्वित किया गया। गौरतलब है कि इससे पहले लोकसभा चुनाव जीतने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से 18 जून को 17वीं किस्त का वितरण किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों के खाते में पीएम सम्मान निधि की राशि हस्तांतरित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया।

किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करती इस कल्याणकारी योजना की 18वीं किस्त के अंतर्गत हस्तांतरित 20,000 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि से उत्तर प्रदेश के 2.25 करोड़ से अधिक किसानों समेत देश के 9.4 करोड़ से अधिक कृषक लाभान्वित हुए हैं।

अखाड़ा परिषद की बैठक में अफसरों पर भड़के संत

अधिकारी बेलगाम, सीएम की भी नहीं सुन रहे

प्रयागराज, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की दारागंज स्थित पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में चल रही बैठक में दूसरे दिन सांधु-संतों के निशाने पर जिले के अफसर रहे। संतों ने कहा कि अधिकारी बेलगाम हो गए हैं। वह सीएम योगी की भी नहीं सुन रहे हैं। परिषद की बैठक में अखाड़ा परिषद के बड़े संतों को भारत रत्न देने की मांग की गई। दारागंज स्थित पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए। प्रमुख रूप से लव जेहाद, संतों की सुरक्षा, गो हत्या का प्रतिबंध, कुंभ मेला क्षेत्र को हरा भरा और स्वच्छ बनाने सहित कुंभ मेले के दौरान सभी की सुरक्षा पर सरकार की ओर से विशेष ध्यान दिया जाए।

अखाड़े की बैठक में निर्णय लिया गया कि अबकी बार के कुंभ में शाही और पेशवाई जैसे नाम नहीं होंगे। आपसी सहमति से नया नाम जल्द ही सरकार को दिया जाएगा। मांगे नहीं माने जाने पर मेले का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। संतों ने अधिकारियों के खिलाफ सीएम से शिकायत करने का फैसला किया। कहा कि अफसर बेलगाम हो गए हैं वह सीएम की भी नहीं सुन रहे हैं। अखाड़े की बैठक में बड़े संतों को भारत रत्न देने का प्रस्ताव पास किया गया।

बैठक में फर्जी संतों की कुंभ मेला क्षेत्र में प्रतिबंध के साथ पूर्ण बहिष्कार की भी घोषणा की गई। सभी तेरह अखाड़े की संतों को सरकार की ओर से विशेष सुरक्षा की मांग की गई। अखाड़ा परिषद की ओर से सभी अखाड़ों से अनुरोध किया गया कि अपने संतों को आई कार्ड भी उपलब्ध कराएं जिससे सभी संतों की पहचान हो सके। अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों की समस्याओं पर चर्चा की गई। साधु-संतों ने कहा कि सभी अखाड़ों को बराबर बजट आवंटित हो। बड़ा उदा-सीन,निर्मल अखाड़े के सामने सड़क खराब होने से छावनी में आने जाने वालों को परेशानी हो रही है। मेला क्षेत्र में पानी होने के कारण कामकाज प्रभावित हो रहा है। प्रदेश में संत के सीएम होने के बावजूद अखाड़े की मांग अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। संतों ने सभी अखाड़ों को पांच-पांच करोड़ रुपए देने की मांग की। संतों ने कहा कि कुंभ मेले में पूरी छावनी सरकारी होनी चाहिए। संतों ने अधिकारियों की कार्यशैली पर असंतोष जताया। कहा कि अधिकारी सीएम योगी के भी नियंत्रण में नहीं है। अधिकारी अखाड़े के संतों से मुलाकात तक नहीं कर रहे हैं। यह घोर चिंता का विषय है।

पूर्व एमएलसी इकबाल के भाई-बेटों पर रेप केस दर्ज

सहारनपुर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। बसपा के पूर्व एमएलसी इकबाल का परिवार एक और घिनोंने मामले में फंस गया है। इकबाल के भाई महमूद और चार बेटों के खिलाफ एक महिला ने सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला का पति इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी में नौकरी करता था। पीड़िता का कहना है कि 2021 में हैवानियत के बाद से वह आतंकित थी और अब शिकायत करने की हिम्मत जुटा सकी। सहारनपुर पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, दुष्कर्म पीड़िता बागपत जिले की रहने वाली है। उसका पति सहारनपुर की ग्लोकल यूनिवर्सिटी में काम करता था और वहां के मिर्जापुर में किराये पर कमरा लेकर रहता था। महिला ने पुलिस को बताया कि नवंबर नवंबर 2021 में उसके पति की अचानक तबियत खराब हो गई। इस वजह से उसको बागपत से पति की देखभाल को मिर्जापुर आना पड़ा था।

बीमार पति के इलाज के लिए पैसे लेने को वह यूनिवर्सिटी में इकबाल के बेटे वाजिद के पास गई थी, तो उसने महिला को पानी पिलाने के काम पर रख लिया। आरोप है कि वाजिद ने मौका पाकर उसे कमरे में बंधक बना लिया और उससे रेप किया। इकबाल के भाई महमूद अली ने भी बाद में उसके साथ हैवानियत की।

10 दिन बाद वाजिद के छोटे भाई जावेद, इकबाल के छोटे बेटे अलीशान, उसके भाई अफजाल ने भी उसे शिकार बनाया।

बेसहारा बच्चों का पालनहार बन रही योगी सरकार

स्पॉन्सरशिप योजना से खिल रहा बचपन

लखनऊ, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्नाथ उत्तर प्रदेश के कमजोर और वंचित बच्चों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। योगी सरकार द्वारा शुरू की गई स्पॉन्सरशिप योजना वंचित, बेसहारा और दिव्यांग बच्चों के कल्याण में मील का पत्थर साबित हो रही है। एक अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग एक अभियान के तहत दिसंबर माह तक दिव्यांग बच्चों की पहचान कर योजना की पात्रता पूरी करने वाले बच्चों की आर्थिक सहायता करेगी।

स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत प्रति बच्चे को मासिक 4,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। वित्तवर्ष 2024-25 में 20 हजार बच्चों की सहायता के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही योगी सरकार की यह पहल राज्य के वंचित बच्चों के प्रति उसकी समर्पित प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो समावेशी विकास के व्यापक एजेंडे का हिस्सा है।

यह योजना केंद्र सरकार की मिशन वात्सल्य पहल का हिस्सा है और इसका उद्देश्य ऐसे बच्चों को सहायता प्रदान करना है जो कठिन परिस्थितियों में अपने विस्तारित परिवारों के साथ रह रहे हैं। योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्पॉन्सरशिप योजना के तहत 11,860 बच्चों को 1,423.20 लाख रुपए की सहायता राशि वितरित की है। इसके माध्यम से सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कठिन परिस्थितियों में जी रहे किसी भी बच्चे को सहायता से वंचित न रहना पड़े।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश में भर में एक विशेष अभियान के तहत दिव्यांग बच्चों की पहचान की जा रही है। दिसंबर महीने तक चलने वाले इस अभियान के तहत जनपद स्तर पर योजनबद्ध तरीके से दिव्यांग बच्चों को चिन्हित कर सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इन बच्चों में से जो बच्चे स्पॉन्सरशिप योजना की पात्रता पूर्ण कर रहे हैं उन्हें तत्काल समयबद्ध तरीके से योजना में शामिल किया जाएगा।

स्पॉन्सरशिप योजना के तहत दी गई वित्तीय सहायता से इन बच्चों की उचित देखभाल, शिक्षा और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। योजना की पात्रता मापदंड इस प्रकार तय किए गए हैं कि सबसे ज्यादा जरूरतमंद बच्चों को इसका लाभ मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में अभिभावकों की वार्षिक आय सीमा 72,000 रुपए और शहरी क्षेत्रों में 96,000 रुपए तय की गई है। ऐसे मामलों में जहां दोनों अभिभावकों या कानूनी संरक्षकों का निधन हो चुका है, आय सीमा की बाध्यता समाप्त कर दी गई है।

इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए अभिभावकों को आवश्यक दस्तावेज, जैसे आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, उम्र प्रमाण पत्र, अभिभावकों के निधन का प्रमाण पत्र, और बच्चे का शैक्षणिक संस्थान में पंजीकरण प्रमाण, जिला बाल संरक्षण इकाई या जिला प्रोबेशन अधिकारी के कार्यालय में जमा करना होगा। इस योजना के अंतर्गत प्रति बच्चे को मासिक 4,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। सहायता राशि का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार द्वारा और 40% हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। उत्तर प्रदेश कैबिनेट द्वारा 17 जुलाई 2022 को स्वीकृत स्पॉन्सरशिप योजना ने अपने दायरे का काफी विस्तार किया है। महिला बाल विकास विभाग द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस योजना के तहत 7,018 बच्चों को 910.07 लाख रुपए वितरित किए गए थे। वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक 11,860 बच्चों को 1,423.20 लाख रुपए की सहायता दी जा चुकी है।

इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर बच्चा स्कूल जाए और एक पूर्ण जीवन जी सके। इस वित्तीय वर्ष में लाभार्थियों और फंडिंग, दोनों में ही उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस साल के अंत तक 20,000 बच्चों तक इस योजना का लाभ पहुंचाने का लक्ष्य है। यह विशेष पहल उन बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए समर्पित है, जो विभिन्न कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। योजना के तहत उन बच्चों को सहायता दी जाती है, जिनकी मां विधवा, तलाकशुदा या परित्यक्त हैं, जिनके माता-पिता गंभीर बीमारियों से ग्रसित हैं, या जो बेघर, अनाथ, विस्थापित परिवारों से हैं।

क्या आप जानते हैं?

- कोआला के फिंगरप्रिंट्स (पैटर्न, शेप और साइज) इंसान के फिंगरप्रिंट्स जैसे ही होते हैं।
- म्यूजिक क्रॉनिक पेन को 20 फीसदी और डिप्रैशन को 25 फीसदी कम कर सकता है।
- ऊंट का दूध अरब देशों में काफी पिया जाता है। इसमें गाय के दूध के मुकाबले 10 गुना अधिक आयरन पाया जाता है।
- हिमालय ने पृथ्वी की सतह का 1/10 हिस्सा ढंका हुआ है।
- यदि व्हेल का ईको सिस्टम फेल हो जाए, तो उसकी मौत हो जाती है।
- पेट में करीब साढ़े तीन करोड़ डाइजैस्टिव ग्लैंड्स होते हैं।
- 1850 से पहले गोल्फ की गेंद चमड़े से बनाई जाती थी और इसमें पंख भरे जाते थे।
- चाइनीज स्क्रिप्ट में 40,000 से अधिक कैरेक्टर्स हैं।
- पीटर द ग्रेट के शासन के दौरान दाढ़ी रखने वाले रशियन आदमियों को एक खास टैक्स देना पड़ता था।

दिमाग की बत्ती

पानी की बूंदें गोल होती हैं क्यों?

पानी के अणु इसे गतिशील रखते हैं, परंतु ये पूर्णतः अलग नहीं होते, क्योंकि ये लगातार एक-दूसरे को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पानी की सतह के अणु एक प्रकार की झिल्ली का निर्माण करते हैं, जो कम भार की वस्तुओं को सहारा दे सकती है। जो बल इन अणुओं को आपस में जोड़े रखता है, उसे 'सतहीय दबाव' कहते हैं। जब आप गिलास को पानी से ऊपर तक भरें, तब उसकी सतह को पास से देखें। ऊपरी सतह के किनारों पर पानी जरा-सा वक्राकार मुड़ा होता है। इन घुमावों को ही सतहीय दबाव कहते हैं। पानी को एक बैग की तरह जोर से खींचे, अगर यह कम मात्रा में होगा, तो सतहीय दबाव उसे गोल बूंद में बदल देगा।

पानी पर तैरता शहर वीनस

युद्ध की विभीषिकाओं और समुद्री लुटेरों से इतिहास संजोने वाला वीनस शहर आज कला-संस्कृति और प्रेम की प्रतिमूर्ति के रूप में जाना जाता है ...

विश्व के खूबसूरत व प्राचीन शहरों की बात करें, तो इटली के वीनस शहर का नाम बरबस ही होंठो पर आ जाता है। इसे पानी पर तैरता शहर कहा जाता है, क्योंकि यह छोटे-छोटे कई टापुओं का समूह है, जिन्हें विभिन्न पुलों से आपस में जोड़ा गया है। वीनस में 160 नहरें हैं, जिन्हें 409 पुलों से आपस में जोड़ा गया है। यह शहर लकड़ी के पोलस पर बनाया गया है।

आप यहां के खूबसूरत लगून देखने के लिए वाटर बस और वाटर टैक्सी ले सकते हैं। शहर के बीच से बहने वाली नदियों के मोड़ों पर बने हुए ओपन कैफेटेरिया में कॉफी पीने का अपना ही आनंद है।

वीनस के संरक्षक सेंट मार्क के जन्म दिवस 25 अप्रैल 421 ईस्वी को वीनस की स्थापना की गई। उस समय समुद्र के बीच स्थित वीनस एक छोटा-सा गांव टोर्सैलो था। सेंट मार्क का शहर होने की वजह से इसका अपना धार्मिक महत्व भी है। शहर के करीब हर मोड़ पर बने हुए गिरजाघर लोगों की आस्था की कहानी ब्यान करते हैं। सेंट मार्क स्कवायर में लगे हुए घंटे की आवाज के आते ही लोगों में गिरजाघरों में जाकर प्रार्थना करने की जैसे होड़-सी लग जाती है।

पानी पर तैरते शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं पानी में चलने वाले गिंडोले (चप्पुओं से चलने वाली स्थानीय किश्ती)। इन गिंडोलों को चलाने वाले स्थानीय भाषा में लोक गीत सुनाकर लोगों का मन मोह लेते हैं। इन लोक गीतों में वीनस के महान प्रेमी के रूप में मशहूर कासानोवा की

प्रेम कहानियां और कुछ स्थानीय कहानियां शामिल रहती हैं। स्थानीय लोक गायक गिटार से मिलता- जुलता एक स्थानीय वाद्य-यंत्र बजाते हैं, जो वीनस की पहचान बन चुका है।

वीनस के संग्रहालयों में रखी हुई कलाकृतियां विश्व की अनमोल धरोहरों में से हैं, जिनमें पिकासो की पेंटिग्ज और मार्क के तांबे के चार घोड़े का अपना महत्व है।

वीनस का इतिहास

वीनस का पुराना नाम सेरेनिस्सिमा रिपब्लिका था। यह एक शक्तिशाली साम्राज्य हुआ करता था। आठवीं सदी के अंत से लेकर 1792 तक यह एक आजाद रिपब्लिक था। 1797 में वीनस गणराज्य पर नैपोलियन ने कब्जा कर लिया और यह हैम्पसबर्ग गणराज्य (आस्ट्रिया) का हिस्सा बन गया। 1848 में वीनस वासियों ने अपनी मातृ-भूमि को स्वतंत्र करवाने के प्रयास शुरू किए। 1860 में गूसोप गरीबल्दी की फौज ने सवोया साम्राज्य के नियंत्रण में इटली को राज्य का दर्जा दिलाने में कामयाबी हासिल कर ली, तीसरे स्वतंत्रता युद्ध के बाद 1866 में वीनस इटली का भाग बन गया।

प्राकृतिक आपदाएं

1348 में महामारी के कारण वीनस की जनसंख्या आधी रह गई। इसके बावजूद वह मैडिट्रेनियन समुद्र की चार महाशक्तियों में अपना नाम दर्ज करवाने में सफल रहा। अन्य तीन महाशक्तियों के नाम अमाल्फी गणराज्य, जिनोवा तथा लॉ स्पेजिया थे। 1630 में दूसरी बार वीनस में महामारी फैली और इसका पतन आरंभ हो गया। द्वितीय विश्व युद्ध के कारण सांस्कृतिक गतिविधियों में अवरोध उत्पन्न हो गया। 1966 में आई बाढ़ ने शहर को काफी क्षति पहुंचाई। तब पानी का स्तर दो मीटर तक बढ़ गया था। आज भी कई गिरजाघरों व अन्य स्थानों पर पानी के निशान देखे जा सकते हैं।

सेंट मार्क स्कवायर

सेंट मार्क स्कवायर का निर्माण 814 ईस्वी में हुआ। 1902 में इसका बैल टॉवर ढह गया। 1912 में इसका पुर्ननिर्माण किया गया।

मार्को पोलो की चीन यात्रा

वीनस के व्यापारी मार्को पोलो ने वीनस से चीन तक की यात्रा मध्यकाल (1271-95 ई.) में की। '11 मिलियन ' नामक पुस्तक में चंगेज खान से उसकी मुलाकात के हैरतअंगेज किस्से दर्ज हैं।

जिराफ नहीं है यह

ओकापी जिराफ की तरह दिखाई देता है। इसे छोटी गर्दन वाला जिराफ भी कहते हैं। देखने में अत्यंत खूबसूरत ओकापी अफ्रीका महाद्वीप के देश जायर के उत्तर-पूर्व के ट्रॉपिकल जंगलों में पाए जाते हैं। चॉकलेट ब्राउन रंग के ओकापी की टांगों पर मटमैले सफेद रंग की आड़ी लाइनें होती हैं।

ओकापी की खोज 1901 में हुई, पर प्राचीन मिस्त्रवासियों को इसकी जानकारी काफी पहले से ही थी। इनकी लंबाई 1.9 से 2.5 मीटर तक होती है और कंधों तक ऊंचाई डेढ़ से दो मीटर तक होती है। इनकी पूंछ की लंबाई 30- 42 सेंटीमीटर होती है।

नर ओकापी के बालों से ढंके सींग होते हैं, जो 15 सेंटीमीटर से अधिक लंबे नहीं होते। मादा ओकापी के सींग नहीं होते, पर यह नर से औसतन 4.2 सेंटीमीटर लंबी होती है। इनके कान काफी बड़े आकार के होते हैं, जो परभक्षी का पता लगाने में इनकी मदद करते हैं।

इनकी जीभ 14 से 18 इंच लंबी होती है। काले रंग की इस नुकीली जीभ का इस्तेमाल ये पेड़ों की शाखाओं से कोंपलें, पत्ते और फल तोड़ने के लिए करते हैं। यह एकमात्र ऐसा जानवर है, जो अपनी जीभ से अपने कान साफ कर सकता है।

समय का सफर

दिन-रात और समय के चक्करों को समझने के लिए मनुष्य ने घड़ी का अविष्कार किया। घड़ी के आज के स्वरूप तक की यात्रा पर एक नजर-

- 500-300 ईपू मिस्त्र में पहली बार सूर्य घड़ी का उपयोग किया गया।
- 400 ईपू - ग्रीस के लोग पत्ती की घड़ी से समय का पता लगाने लगे।
- 980ई- राजा एफ्रेड जलती मोमबत्ती से समय का निर्धारण करते थे।
- 1657 ई- क्रिस्टिएन हाइगंस ने पहली पेंडुलम घड़ी बनाई।
- 1838 ई- लुईस ऑडीमार्स ने पेंचदार घड़ी और उसकी यांत्रिकी की खोज की।
- 1868 ई- पैटेक फिलिपी ने पहली रिस्टवॉच का आविष्कार किया।
- 1888 ई - कॉर्टियर ने पहली लेडीज रिस्टवॉच बनाई।
- 1902 ईस्वी- पहली ओमेगा रिस्टवॉच बनी। जर्मनी में 93000 घड़ियां बिकीं।
- 1914 ई. - पहली अलार्म रिस्टवॉच एटरना द्वारा बनाई गई।
- 1923ई- पहली ऑटोमेटिक रिस्टवॉच जॉन हार्डवुड ने बनाई।
- 1957 ई. - हैमिल्टस ने पहली इलैक्ट्रानिक वॉच का निर्माण किया। आज ढेरों प्रकार की इलैक्ट्रॉनिक डिजिटल घड़ियां मौजूद हैं, जिनमें कई तरह की ऐसी सुविधाएं शामिल हैं।

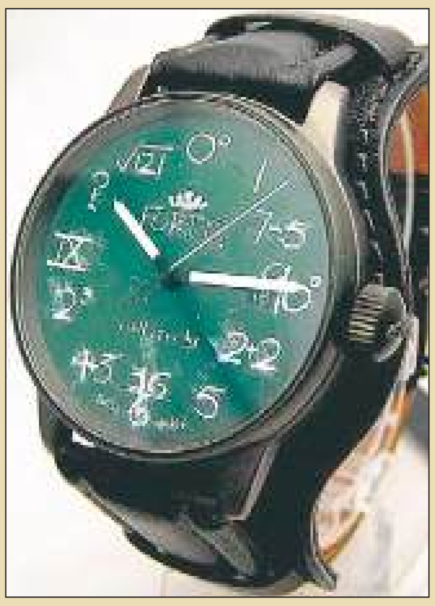

इस पुस्तक मेले में भी आएं जरूर

बच्चो, आज आप हमारे साथ जालंधर के देश भक्त यादगार हाल चलें। मालूम है क्यों? क्योंकि वहां आजकल जालंधर पुस्तक मेला चल रहा है। इस मेले में बच्चों के लिए खासतौर पर नैशनल बुक ट्रस्ट ने बच्चों की पुस्तकों के 2000 टाइटिल प्रदर्शित किए हैं। अकेले पंजाबी में 200 से ज्यादा पुस्तकें बच्चों के लिए प्रकाशित की हैं।

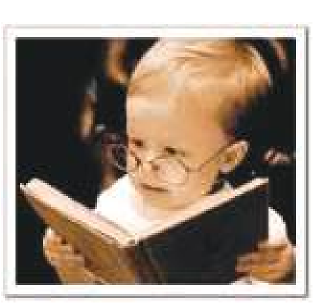

इस बारे में ट्रस्ट के संयुक्त निर्देशक बलदेव सिंह बदन ने बताया कि लगभग 13 भारतीय भाषायों के बाल साहित्य को हमने प्रकाशित किया है। इसके अलावा 7 आसमी जनजातियों के बाल साहित्य को भी अंग्रेज़ी और हिंदी में अनुवाद करवाया गया है।

बच्चो, आपको इस मेले में दुनिया भर का बाल साहित्य मिलेगा। इसमें जैको, लोकगीत और दीपक पब्लिशर्ज द्वारा प्रकाशित किया गया बाल साहित्य भी आपको मिलेगा। हर तरह की जानकारियों से भरा हुआ साहित्य, आपकी पढ़ाई से जुड़ा हुआ साहित्य, आपके बारे में लिखा हुआ साहित्य, पक्षियों के बारे में, देशों के बारे में, फूलों के बारे में और आपके मनपसंद खेलों के बारे में। बहुत कुछ और भी है, इसलिए आप अपने बड़ों को भी साथ ले जाना न भूलें। मेले में देश भर से प्रकाशक आए हैं और दुनिया भर का साहित्य आपका स्वागत करेगा। यह मेला 10 अप्रैल तक चलेगा और आप कभी भी वहां जा सकते हैं। वहां किसी तरह का टिकट भी नहीं लगता। हर रोज़ साहित्य पर कार्यक्रम भी होते हैं। आप वहां अपने प्रिय लेखकों से भी मिल सकते हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

लघुकथाएँ

मन्नत

उसी फूलवाली से हमेशा फूलमाला, पूजा का सामान खरीदने से पहचान-सी हो गई है। उसके ठेले के नीचे चप्पलें उतारकर वे बड़ी बेफिक्र हो देर तक पूजा-अर्चना करती रहती हैं। कल फूलवाली के साथ उसका आठेक साल का बेटा भी माला पिरो रहा था, तो वह भी पूजा की टोकरी ले उनके साथ मंदिर में चला आया। गणपतिजी का प्राचीन मंदिर। चौखट पर पेड़ों की डालों पर घंटियों पर सैकड़ों नाड़े बँधे थे मन्नतों के। दीवारों पर, खंबों पर चॉक से, पेंसिल से मानताएँ माँगे भी लिखी थीं। लोग जोर-जोर से पढ़कर परस्पर सुना रहे थे और कुछ अपनी मन्नत लिख भी रहे थे, इसी विश्वास के साथ कि ईश्वर उनकी पुकार अवश्य सुनेंगे।

बालक सब देखता, सुनता रहा और मंदिर से बाहर आते ही बोला- 'आंटीजी, आप मुझे लिखना-पढ़ना सिखा दो। दिन में तो मैं चाय की गुमटी पर मजूरी पर जाता हूँ... शाम को पढ़ने आया करूँ... मैं भी अपनी मन्नत लिखकर भेजूँगा भगवानजी के पास।'

'तुझे क्या माँगना है भगवान से, जिसके लिए तूने पढ़ना-लिखना सीखने की ठान ली?'

'मैं भगवान को लिखकर विनती करूँगा कि वे मेरे पापा की शराब पीने की लत छुड़ा दें और मुझे कुछ नहीं चाहिए।'

सुनकर वे थर्रा गईं। बच्चे की माँग ठुकराने का प्रश्न ही नहीं था। वे बालक को पढ़ना-लिखना सिखा रही हैं और उन्हें उम्मीद है कि जिस दिन बालक अपनी माँग लिखकर अपने पिता को और परमात्मा को चिट्ठी लिखेगा... पिता और परमपिता दोनों ही उसकी मन्नत अवश्य पूरी करेंगे।

समुद्रीय रेगिस्तान

समुद्र में जहां प्लैंकटन बहुत कम होता है, वहां पानी बहुत साफ दिखाई देता है, यहां जीवों केलिए जिंदा रहना एक बहुत बड़ी चुनौती होती है...

प्रशांत महासागर का नाम लैटिन नाम 'टेपरे पैसिफिकम' से लिया गया है, जिसका अर्थ है- शांत समुद्र। प्रशांत महासागर पांच महासागरों में से सबसे बड़ा और गहरा महासागर है। यह पृथ्वी के एक-तिहाई हिस्से पर फैला हुआ है। यह अमेरिका से 18 गुणा बड़ा है। इतने विशाल क्षेत्र में फैले होने के कारण यहां रहने वाले जीवों में पृथ्वी के अन्य भागों के सागरों की अपेक्षा बड़ी विभिन्नता है।

प्रशांत महासागर उत्तर में आर्कटिक से दक्षिण में अंटार्कटिका, पश्चिम में एशिया व ऑस्ट्रेलिया और पूर्व में अमेरिका तक फैला हुआ है। इसमें लगभग 20,000 टापू हैं। इसकी औसत गहराई 14,000 फुट है। पश्चिम-उत्तर प्रशांत महासागर में 'द मरियाना ट्रेंच' दुनिया का सबसे गहरा प्वाइंट है। इसकी गहराई 35,800 फुट (10,911 मीटर) है। प्रशांत महासागर उत्तरी प्रशांत महासागर और दक्षिणी प्रशांत महासागर में बंटा हुआ है।

वैज्ञानिक अन्वेषकों और साहसिक नाविकों द्वारा गत सैंकड़ों सालों में महासागर के विषय में ज्ञान प्राप्त करने की अनेक कोशिशें की गईं। अब भी निरंतर प्रशांत महासागर के गर्भ के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिये खोजें जारी हैं। यहां अभी भी नित नए जीवों की खोज होती रहती है।

प्रशांत महासागर दुनिया विशेषकर उन देशों की

अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है, जिन्हें इसका पानी छूता है। यह पूर्व और पश्चिम के बीच सस्ती ट्रांसपोर्टेशन मुहैय्या कराता है। इसके ऑयल और गैस रिजर्व्स अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चीन और पेरू की एनर्जी सप्लाई में अहम भूमिका निभाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पास दक्षिण प्रशांत महासागर का पानी खूबसूरत नीले रंग का है। यहां पानी जितना साफ है, उतना शायद ही कहीं हो। इसका कारण यह है कि यहां प्लैंकटन कम है। इसलिए इसे समुद्रीय रेगिस्तान भी कहते हैं। इसीलिए यहां जिंदा रहना बहुत बड़ी चुनौती है। इस इलाके में मछलियां और दूसरे समुद्री जीव बहुत कम संख्या में पाए जाते हैं।

किलर व्हेल को पकड़ने निकले एक 87 फुट लंबे जहाज को जब व्हेल ने समुद्र में पलट दिया, तो उसमें सवार 21 नाविक किसी तरह जान बचाने में कामयाब हो गए। दक्षिण प्रशांत महासागर में जिंदा रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपने संस्मरणों में लिखा है कि समुद्र के बीच पानी की प्यास इंसान को बेइंतहा तोड़ देती है, पर वे इस बात से हैरान थे कि इस इलाके में उन्हें एक भी मछली नहीं मिल रही थी, हालांकि वे बहुत माहिर नाविक थे।

दक्षिण प्रशांत महासागर में जिंदा रहने के लिए कई जीव हजारों किलोमीटर की लंबी दूरी तय करके दूसरी जगह चले जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, स्पर्म व्हेल कई हजार किलोमीटर की दूरी तय करके अंटार्कटिका से प्रजनन के लिए यहां के गर्म पानी में आती हैं।

अमेरिका-ब्रिटेन ने किया यमन एयरपोर्ट पर हमला, हूती विद्रोहियों ने दी चेतावनी

बैरूत, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।
पश्चिम एशिया में तनाव के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन पर हवाई हमला कर दिया है। अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन की राजधानी सना और होदेइदाह एयरपोर्ट समेत यमन के कई हिस्सों पर हमले किए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि हमलों में धमार शहर के दक्षिण क्षेत्र को भी निशाना बनाया गया है। अमेरिका ने यह कार्रवाई लाल सागर में एक अमेरिकी जहाज को निशाना बनाए जाने के बाद की है।

बता दें कि यमन के हूती विद्रोहियों ने विगत दिवस लाल सागर में विस्फोटकों से लैस एक ड्रोन दागा, जो एक पोत से टकराया और एक मिसाइल भी दूसरे जहाज से टकराई। इजराइल-हमास युद्ध के क्षेत्रीय टकराव में तब्दील होने की संभावना के बीच, यह हमला विद्रोहियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर पिछले कुछ सप्ताहों में किया गया। हूती विद्रोहियों ने इजराइल के ऊपर उड़ रहे एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन को मार गिराने के बाद इजराइल को निशाना बनाकर सैन्य अभियान तेज करने की धमकी दी थी।

पोत पर हमला लाल सागर में बंदरगाह शहर होदेदा से करीब 110 किलोमीटर दूर हुआ। हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजरने वाले पोत को निशाना बनाकर हमले हाल में तेज कर दिए हैं। ब्रिटिश सेना ने चेतावनी दी कि एक पोत के कैप्टन ने अपने जहाज के पास पानी में गतिविधियां देखीं जो संभवतः पोत पर दागी गई मिसाइल या ड्रोन थे। चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और पोत अगले बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है। मिसाइल से किया गया एक अन्य हमला एक अलग जहाज को निशाना बनाकर किया गया जो स्वेज नहर उत्तर की ओर जा रहा था और उस पर सशस्त्र सुरक्षाकर्मी सवार थे। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने बाद में एक पूर्व में रिकॉर्ड किये गए संदेश में, दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है।

न्यूज़ ब्रीफ

जापान ने लेबनान से 11 नागरिकों, चार फ्रांसीसी व एक अन्य को सुरक्षित जॉर्डन पहुंचाया

टोक्यो। जापान ने युद्ध की लपटों से घिरे लेबनान से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालना शुरू कर दिया है। जापान सरकार ने कहा कि इजराइल और ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते संघर्ष के बीच एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स के एक विमान ने शुक्रवार को 16 लोगों को लेबनान से पड़ोसी देश जॉर्डन पहुंचाया। जापान टुडे समाचार पत्र के अनुसार, इन सभी जापान के विमान से जॉर्डन पहुंचाया गया। गुरुवार सुबह पश्चिमी जापान के टोटोरी के एएसडीएफ बेस से विमान को भेजा गया। जापान के नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए रक्षामंत्री जनरल नकातानी के आदेश पर सी-2 परिवहन विमान को जॉर्डन में स्टैंडबाय पर रखा गया। जापान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, लेबनान से सुरक्षित निकाले गए लोगों में ग्यारह जापानी नागरिक, चार फ्रांसीसी नागरिक व एक अन्य विदेशी व्यक्ति को सुरक्षित जॉर्डन पहुंचा दिया गया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजराइल-हिजबुल्लाह की शुरुआती झड़प के समय लेबनान में लगभग 50 जापानी नागरिक थे। इनमें से दो व्यक्ति पहले ही सरकार के सहयोगी से चार्टर विमान से रवाना हुए। यह गुरुवार को साइप्रस पहुंचे। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि एक अन्य सी-2 परिवहन विमान को जापानी नागरिकों की संभावित निकासी के लिए टोटोरी से जॉर्डन भेजा गया। वह ग्रीस के लिए उड़ान भरने वाला है।

बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति एक्यूएम बदरुद्दोजा चौधरी का 94 वर्ष की आयु में निधन

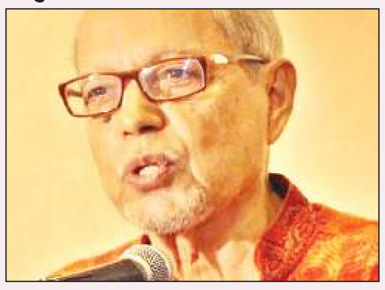

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति एक्यूएम बदरुद्दोजा चौधरी का निधन हो गया। राजधानी के उत्तरा स्थित महिला मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज के दौरान शनिवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वह 94 वर्ष के थे। ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति बदरुद्दोजा चौधरी लंबे समय से विभिन्न शारीरिक जटिलताओं से पीड़ित थे। उनके पुत्र माही बी चौधरी ने कहा कि उनका पार्थिव शरीर बारीधारा स्थित बदरुद्दोजा चौधुर के आवास पर ले जाया जाएगा। रविवार सुबह उनका पार्थिव शरीर मुंशीगंज के श्रीनगर स्थित उनके गांव ले जाया जाएगा। वहीं उन्हें दफनाया जाएगा।

चटगांव बंदरगाह में तेल टैंकर में लगी आग, चालक दल के सदस्य की मौत

ढाका। चटगांव बंदरगाह में बांग्लादेश शिपिंग कॉर्पोरेशन के तेल टैंकर में आग लग गई। इससे चालक दल के सदस्यों में हड़कंप मच गया। वह तेल टैंकर से कूद गए। इस दौरान चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई। तेल टैंकर में लगी आग तेजी से फैल गई। उसने चटगांव बंदरगाह के बाहरी लंगरगाह पर बांग्लार शौरभ को अपनी जद में ले लिया। बांग्लार ज्योति पर घातक विस्फोट और आग लगने के पांच दिन बाद बांग्लार शौरभ में आग लगी। खबर के मुताबिक, बांग्लादेश तटरक्षक पूर्वी क्षेत्र के मीडिया अधिकारी लेफ्टिनेंट शाकिब महबूब ने चालक दल के सदस्य की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तटरक्षक दल ने कुल 46 लोगों को बचाया गया, जबकि दो अन्य तैरकर किनारे पर आ गए। तटरक्षक अधिकारी ने बताया कि टैंकर में आग लगने के बाद पानी में कूदे 22 लोगों में से एक को पटेंगा समुद्री तट के पास गंभीर हालत में पाया गया। उसे चट्टोग्राम मेडिकल कॉलेज अस्पताल (सीएमसीएच) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उल्लेखनीय है कि 30 सितंबर को चट्टोग्राम बंदरगाह पर ईंधन से भरे लाइटरेज जहाज पर विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई थी।

लाहौर में पीटीआई और मरियम सरकार के बीच टकराव की आशंका

लाहौर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।
पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और मरियम नवाज शरीफ सरकार के बीच टकराव की आशंका बढ़ गई है। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, लाहौर में पीटीआई और पंजाब सरकार के बीच टकराव लगभग तय लग रहा है। सरकार ने पीटीआई के महंगाई में कटौती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और पार्टी संस्थापक इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर मीनार-ए-पाकिस्तान पर होने वाले विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं।

पीटीआई के प्रदर्शन को %करो या मरो% कह रही है। उसकी कोशिश है कि प्रदर्शन निर्धारित कार्यक्रम पर हो। सरकार ने घोषणा की है कि वह धारा 144 के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि सरकार रावलपिंडी और अन्य जिलों में पीटीआई प्रदर्शनकारियों को सफलतापूर्वक रोक चुकी है। अब लाहौर विरोध को कुचलने के लिए राज्य मशीनरी और सभी कानूनी शक्तियों का उपयोग करने का निर्णय लिया है।

मीनार-ए-पाकिस्तान में प्रभावशाली प्रदर्शन करने की रणनीति के हिस्से के रूप में पीटीआई नेतृत्व ने अपनी लाहौर इकाई के नेताओं को गिरफ्तारी से बचाने के लिए शुक्रवार को इस्लामाबाद डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए नहीं आने का निर्देश दिया था।

पीटीआई पंजाब के कार्यवाहक अध्यक्ष हम्माद अजहर ने उम्मीद जताई कि लाहौरवासी बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। अवाम मौजूदा सरकार के कथित फासीवाद को खारिज कर देगी।

पंजाब सरकार का कहना है कि लाहौर में आठ अक्टूबर तक धारा 144 लागू रहेगी। सरकार ने लाहौर, रावलपिंडी और अटक में अर्धसैनिक रेंजर्स की नौ कंपनियों को तैनात कियाहै। इस बीच पुलिस ने 600 पीटीआई कार्यकार्ताओं को उनके घरों और कार्यालयों से उठा लिया है।

मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ ने मुख्य सचिव, गृह सचिव और आईजीपी के साथ मैराथन बैठकें कीं और उनसे सड़कों पर आने वाले पीटीआई समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। गृह विभाग में स्थापित एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष से पीटीआई के आंदोलन की निगरानी करने की व्यवस्था की गई है। पुलिस को धारा 144 को तोड़ने वालों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया है।

पीटीआई नेता शायन बशीर ने कहा कि मीनार-ए-पाकिस्तान में हकीकी आजादी के लिए प्रस्ताव पारित करने के साथ इमरान खान का जन्मदिन मनाया जाएगा। पीटीआई लाहौर के महासचिव अवैस यूनुस ने कहा है कि लाहौर बताएगा, लाहौर कप्तान का है।

जाकिर नाइक का व्याख्यान कराची में, पार्किंग के लिए सड़कें रहेंगी बंद

कराची। भारत में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में घिरे विवादास्पद इस्लामी उपदेशक डॉ. जाकिर नाइक पाकिस्तान के कराची में व्याख्यान देंगे। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। पाकिस्तान के चैनल एआरवाई न्यूज के अनुसार,डॉ. जाकिर नाइक के व्याख्यान के मद्देनजर कराची यातायात पुलिस ने ट्रैफिक में बदलाव किया है। वाहनों की पार्किंग के लिए कुछ सड़कों को बंद करने का फैसला किया गया है। यह कार्यक्रम जिन्ना बाग के पास बारा दरी में शाम सात बजे शुरू होगा। कराची यातायात पुलिस के अनुसार, वाहनों की पार्किंग दो निर्दिष्ट स्थलों पर उपलब्ध होगी- वाईएमसीए ग्राउंड और डीजे कॉलेज ग्राउंड। यहां से लोगों को पोलो ग्राउंड तक पैदल जाना होगा। बारा दरी की तरफ जाने वाली सड़कें अवान सदर रोड और फवारा चौक से खजूर चौक तक का रास्ता बंद रहेगा। आईआई चंद्रगढ़ रोड और शाहीन चौक से आने वाले वाहनों को जियाउद्दीन रोड और खजूर चौक के रास्ते पीआईडीसी की ओर निर्देशित किया जाएगा। पीआईडीसी से यातायात को क्लब रोड और मेट्रोपोल से क्लिफ्टन या शाहराह-ए-फैसल की ओर भेजा जाएगा। आगे के डायवर्जन में शाहीन कॉम्प्लेक्स सिग्नल से यातायात शामिल है, जो एमआर कयानी चौक और जैनब मार्केट की ओर जाएगा और फव्वारा चौक से अवारी सिग्नल की ओर जाएगा, जो शाहराह-ए-फैसल और तीन तलवार की ओर जाएगा। सिंध क्लब चौक से मेट्रोपोल और फव्वारा चौक के दोनों किनारों को नो पार्किंग जोन घोषित किया गया है। कराची ट्रैफिक पुलिस ने निवासियों और कार्यक्रम में आने वाले लोगों को व्यवधान से बचने के लिए तदनुसार अपने मार्गों की योजना बनाने की सलाह दी है।

नेपाल में बाढ़ प्रभावित 12 जिले आपदाग्रस्त घोषित

काठमांडू, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।
नेपाल सरकार ने बाढ़ प्रभावित 12 जिलों में आपदाग्रस्त घोषित किया है। सिंहदरबार में हुई कैबिनेट की बैठक में सरकार ने यह घोषणा की। इन जिलों का प्राथमिकता के आधार पर पुनर्निर्माण कराया जाएगा। कैबिनेट ने राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण कार्यकारी समिति की अनुशंसा के आधार पर इन जिलों में अगले तीन महीने के लिए आपदाग्रस्त घोषित किया है।

कैबिनेट बैठक के बाद गृहमंत्री रमेश लेखक ने बताया कि इन जिलों में ताप्लेजुड, पांचथर, संखुवासभा, काभ्रे, ललितपुर, सोलुखुम्बु, दोलखा, सिन्धुली, रामेछाप, मकवानपुर, सिन्धुपाल्चोक और धादिड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अब इन जिलों में राहत और पुनर्निर्माण के लिए सभी अधिकार केंद्र सरकार के पास रहेंगे। प्रदेश सरकार और स्थानीय सरकार को केंद्र सरकार के निर्णय के मुताबिक ही काम करना होगा।

उल्लेखनीय है कि 27 और 28 सितंबर को लगातार बारिश के साथ आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण ढाई सौ लोगों की मौत हो गई । इस दौरान 169 लोग घायल हो गए। गृह मंत्रालय के मुताबिक 18 लोग अभी भी लापता हैं। बाढ़ के कारण देश में कई सड़कें अवरुद्ध हैं।

भारत में घुसपैठ कर रहे चार लोगों को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने गिरफ्तार किया

ढाका। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने जेसोर के शरशा में पंचभुलेट सीमा के माध्यम से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने का प्रयास करते समय तीन महिलाओं सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को शुक्रवार शाम करीब साढ़े सात बजे पंचभुलेट सीमा के पास एक खेत से दबोचा गया। खबर की अनुसार, गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में 20 वर्षीय अपू दास, अर्पिता शिकदर (30), 37 वर्षीय मंजूश्री ज्वारदार और एक 14 साल की लड़की शामिल है। खुलना 21-बीजीबी बटालियन के कैप्टन लेफ्टिनेंट कर्नल खुर्शीद अनवर ने चारों की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि चारों को शरशा पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

नेपाल में भारत से तस्करी कर लाए गए 11 करोड़ का सोना जब्त, महाराष्ट्र के दो युवक गिरफ्तार

काठमांडू, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत से तस्करी कर लायी गयी सोने की बड़ी खेप के साथ महाराष्ट्र के सांगली जिले के दो युवकों को नेपाल पुलिस ने शनिवार तड़के गिरफ्तार किया। दोनों युवक अपने शरीर और जूतों में छिपाकर आठ किलो सोना नेपाल में बेचने जा रहे थे। जब्त सोने की कीमत 11 करोड़ रुपये आंकी गयी है।

मकवानपुर जिले के पुलिस अधीक्षक विश्वराज खड़का ने शनिवार को मीडियाकर्मियों को बताया कि रक्सौल-बीरगंज सीमा से नेपाल में प्रवेश करने वाले इन युवकों को बीरगंज से करीब 55 किमी दूर हेटौड़ा के पास गिरफ्तार किया गया। सोने की तस्करी के बारे में गोपनीय सूचना मिलने के बाद यह जांच अभियान चलाया गया था। उन्होंने बताया कि भोर में करीब 03 बजे बीरगंज से हेटौड़ा की तरफ आ रही स्कूटी को रोक कर जांच की गयी। इस दौरान महाराष्ट्र के सांगली जिला निवासी अभिषेक अजीनाथ कुटी और राहुल भिट्टीहाल (27 वर्ष) के पास से 8 किलो 43.97 ग्राम सोने के बिस्कुट मिले। नेपाल के बाजार में इसकी कीमत 11 करोड़ रुपये के करीब है।

पुलिस की पूछताछ में युवकों ने बताया कि मुंबई से सोने की यह खेप वो चितवन में किसी को डिलिवरी करने जा रहे थे लेकिन किस व्यक्ति को यह देना है और चितवन में कहां देना है, इस बात की जानकारी उन्हें नहीं दी गयी थी। खड़का के मुताबिक तीन दिन पहले ही करीब एक किलो तस्करी के सोने सहित यहीं पर गिरफ्तार किए गए बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के फुलवरिया बरेवा निवासी 34 वर्षीय सुजीत सर्राफ को गिरफ्तार किया गया था। उसी के बयान के आधार पर सोने की यह बड़ी खेप पकड़ी गयी है।

बर्ड फ्लू का प्रकोप, वियतनाम के चिड़ियाघरों में 47 बाघों की मौत ने बढ़ाई चिंता

हनोई, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।
दक्षिणी वियतनाम के चिड़ियाघरों में बर्ड फ्लू के कारण एक तेंदुआ, तीन शेर और 47 बाघों की मौत हो गई है। इसने स्वास्थ्य अधिकारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है कि यह वायरस मनुष्यों को भी संक्रमित कर सकता है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटनाए अगस्त और सितंबर में दो चिड़ियाघरों में हुई हैं। ये चिड़ियाघर लॉन्ग एन प्रांत के प्राइवेट माई क्विन सफारी पार्क और राजधानी हो ची मिन्ह सिटी के डोंग नाई में स्थित हैं। नेशनल सेंटर फॉर एनिमल हेल्थ डायग्नोसिस के परीक्षण परिणामों ने पुष्टि की है कि जानवरों की मौत एच5एन1 टाइप ए वायरस के कारण हुई है। चिड़ियाघरों के कर्मचारियों में अभी तक बर्ड फ्लू के लक्षण नहीं मिले हैं। चिड़ियाघरों ने इस घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। वाइल्ड लाइफ संरक्षण पर केंद्रित एक गैर सरकारी संगठन के मुताबिक 2023 के आखिर तक वियतनाम में कुल 385 बाघ चिड़ियाघरों में रह रहे थे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि 2022 के बाद से एच5एन1 सहित इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण स्तनधारियों में घातक प्रकोप के मामले बढ़ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि एच5एन1 संक्रमण मनुष्यों में हल्के से गंभीर तक हो सकता है और कुछ मामलों में यह घातक भी हो सकता है। वियतनाम ने मार्च में डब्ल्यूएचओ को इस वायरस के कारण एक इंसानकी मौत की सूचना दी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि चिड़ियाघरों में जानवरों को संक्रमित मुर्गी का मांस खाने से वायरस का संक्रमण फैला होगा। बाघों में पहले भी एवियन इन्फ्लूएंजा का प्रकोप देखा गया है। 2003 और 2004 में जब यह बीमारी दक्षिण-पूर्व एशिया में फैली थी, तब 24 लोग इससे संक्रमित हो गए थे। 2004 में, थाईलैंड में दुनिया के सबसे बड़े प्रजनन फार्म में दर्जनों बाघ की बर्ड फ्लू से मौत् हो गई थी या उन्हें मार दिया गया था। इस स्थिति ने वियतनाम में स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क कर दिया है, और भविष्य में इस वायरस के संभावित खतरे को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

नेतन्याहू टॉयलेट गए, कुछ देर बाद बाहर आए...फिर ब्रिटेन में मचा हड़कंप

जेरुसलेम। इजरायल पिछले एक साल से हमास के साथ युद्ध में व्यस्त है और फिलिस्तीन में हमास, लेबनान में हिज्बुल्ला, और ईरान के खिलाफ कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। हालांकि, इस छोटे देश के लिए इतनी लंबी अवधि तक युद्ध में बने रहना आसान नहीं है, लेकिन अमेरिका सहित पश्चिमी देश इजरायल के साथ खड़े हैं।हाल ही में, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर जासूसी का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी किताब अनलीशेड में 2017 के एक घटनाक्रम का उल्लेख किया है, जब नेतन्याहू ने ब्रिटेन की यात्रा की थी। जॉनसन ने कहा कि नेतन्याहू के वॉशरूम जाने के बाद उनके कार्यालय में एक सुनने वाला उपकरण, जिसे थंडरबॉक्स कहा जाता है, पाया गया। यह नेतन्याहू का लंदन में पहला दौरा था और उन्होंने जॉनसन से बाथरूम का उपयोग करने की अनुमति मांगी थी। जॉनसन ने यह भी उल्लेख किया कि यह एक संयोग हो सकता है।इजरायल पर पहले भी अपने मित्र देशों की जासूसी के आरोप लग चुके हैं।

विश्व बैंक को कार्बन बेचने से नेपाल को मिलेंगे 1600 करोड़ रुपए

काठमांडू, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।
विश्व बैंक के साथ हुए समझौते के मुताबिक नेपाल को इस महीने के भीतर कार्बन की बिक्री से 1600 करोड़ रुपये मिलेंगे। वन तथा पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार 2018 से 2024 तक तराई के 13 जिलों के जंगलों के माध्यम से कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने के लिए नेपाल को यह राशि मिलने वाली है।

तराई भूमि परिधि कार्यक्रम के तहत मधेश के सर्लाही जिले में बागमती नदी से लेकर सुदूरपश्चिम प्रदेश के भारतीय सीमा में रहे महाकाली नदी तक 24 लाख टन कार्बन भंडारण के लिए नेपाल को 1600 करोड़ रुपये मिलेंगे। वन मंत्रालय के प्रवक्ता बद्रीराज ढुंगाना के मुताबिक अक्टूबर के अंत तक विश्व बैंक ने नेपाल को यह राशि भुगतान करने की सूचना दी है।

उन्होंने बताया कि जब विश्व बैंक के साथ शुरुआत में इस संबंध में समझौता हुआ था, तो

यह सहमति बनी थी कि पैसा वन मंत्रालय अंतर्गत रहे वन विकास कोष के माध्यम से आएगा। लेकिन वित्त मंत्रालय ने देश के कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए इस तरह के फंड को किसी मंत्रालय में लाने के बजाए केन्द्रीय रिजर्व फंड में सीधे जमा करने की शर्त रखी है। वित्त मंत्रालय ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि केन्द्रीय रिजर्व फंड में पैसा आने के बाद ही उसे वन विकास कोष में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। विश्व बैंक ने सरकार से इस मामले को स्पष्ट करने का अनुरोध करते हुए पत्राचार किया है।

विश्व बैंक के नियमों में कार्बन ट्रेडिंग से प्राप्त आय का 80 प्रतिशत स्थानीय लाभार्थी जनजातीय/आदिवासी समुदायों पर खर्च करने का प्रावधान है। वन मंत्रालय के प्रवक्ता ढुंगाना ने बताया कि इसके लिए सरकार ने एक योजना को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि 2018 में नेपाल की राष्ट्रीय रेड प्लस रणनीति, राष्ट्रीय वन आधार स्तर को विशेष रूप से कार्बन व्यापार के संबंध में मंजूरी दी गई थी। फिर 2019 से 2024 तक तराई क्षेत्र के 13 जिलों में कार्बन ट्रेडिंग के लाभों को साझा करने के लिए कार्बन उत्सर्जन न्यूनीकरण कार्यक्रम तैयार किया गया है

इस केंद्र के प्रमुख एवं संयुक्त सचिव नवराज पुडासैनी ने बताया कि कार्यक्रम 13 जिलों के 17 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लागू किया गया है। नेपाल के वन क्षेत्र से प्रति हेक्टेयर औसतन 167 टन कार्बन भंडारण किया गया है। संयुक्त सचिव पुडासैनी के अनुसार नेपाल के तराई क्षेत्र के 13 जिलों में कार्बन उत्सर्जन न्यूनीकरण कार्यक्रम चलाया गया है और 2028 तक कार्बन डाइऑक्साइड गैस उत्सर्जन को 34.2 मिलियन टन कम करने का लक्ष्य लिया गया है। पहले चरण में 2023 में मापे जाने पर 2.3 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन कम किया जा चुका है।

कोच से अलग होने के बाद इगा स्विएटेक ने वुहान ओपन से नाम वापस लिया

वारसॉ, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने कोच टॉमस विक्टरोवस्की के साथ सहयोग समाप्त करने के बाद वुहान ओपन से नाम वापस ले लिया। शुक्रवार को स्विएटेक ने एक बयान में उक्त जानकारी दी।

पोलिश खिलाड़ी ने डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण कराया था, लेकिन शुक्रवार को, इसके शुरू होने से तीन दिन पहले, आयोजकों को उनके नाम वापस लेने की सूचना दी गई। विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी एक नए कोच की तलाश में लगी हुई हैं।

स्विएटेक ने शुक्रवार को एक बयान में लिखा, अपने करियर में तीन साल तक सबसे बड़ी सफलताएँ हासिल करने के बाद, कोच टॉमस विक्टरोवस्की और मैंने अपना सहयोग समाप्त करने का फैसला किया। विक्टरोवस्की ने पोलिश खिलाड़ी को चार ग्रैंड स्लैम खिताब दिलाए। स्विएटेक ने कहा, कोच विक्टरोवस्की तीन सीज़न पहले मेरी टीम में शामिल हुए, जब मुझे वास्तव में बदलाव और एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। उनके अनुभव, विश्लेषणात्मक और रणनीतिक दृष्टिकोण और टेनिस के विशाल ज्ञान का मतलब था कि कुछ महीनों बाद मुझे ऐसी सफलताएँ मिलने लगीं, जिनके बारे में मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। हमारा लक्ष्य दुनिया में नंबर एक बनना था। 4 अप्रैल, 2022 को, स्विएटेक ने इतिहास में पहली पोलिश महिला के रूप में डब्ल्यूटीए विश्व रैंकिंग के लीडर के रूप में पदार्पण किया। उन्होंने 75 सप्ताह तक बढ़त बनाए रखी, और 11 सितंबर, 2023 को बेलारूसी आर्यना सबलेंका से हार गई।

आठ सप्ताह के बाद, वह शीर्ष पर लौट आई और तब से वह अग्रणी है। सितंबर की शुरुआत में, 23 वर्षीय खिलाड़ी यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जेसिका पेगुला से हार गई। फिर वह सियोल और बीजिंग में होने वाले टूर्नामेंट से हट गई। स्विएटेक ने कहा, मेरे लिए इस महत्वपूर्ण बदलाव के कारण, मैं खुद को अगले कुछ सप्ताह एक नए कोच के साथ काम करना शुरू करने के लिए दे रही हूँ।

न्यूज़ ब्रीफ

शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में पहुंचे अल्कराज

शंघाई। चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने शनिवार को चीन के शांग जुनचेंग को सीधे सेटों में हराकर शंघाई मास्टर्स के तीसरे दौर में प्रवेश किया। अल्कराज ने पहले गेम में ब्रेक लिया और 6-2, 6-2 से आसान जीत दर्ज की। पिछले महीने चेंगदू ओपन में एटीपी टूर एकल खिताब जीतने वाले केवल दूसरे चीनी खिलाड़ी बने शांग, दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ कुछ ज्यादा हासिल नहीं कर सके। अल्कराज ने मैच के बाद कहा, मैं हाल ही में वास्तव में अच्छा टेनिस खेल रहा हूं इसलिए मैं इसे जारी रखना चाहता हूं और इसे महसूस करना चाहता हूं, मैंने सिर्फ एक अभ्यास किया था और फिर सीधे इस मैच में पहुंच गया, इसलिए पहले मैच में यह स्तर दिखाने में सक्षम होने पर मुझे वास्तव में गर्व है। अल्कराज ने नौ मैचों की जीत के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश किया, उन्होंने हाल ही में बीजिंग में चाइना ओपन जीता, और फाइनल में शीर्ष क्रम के इतालवी जैनिक सिनर को हराया।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में शामिल हुए एलेक्स टेल्स

रियो डी जेनेरियो। बोटाफोगो के लेफ्ट-बैक एलेक्स टेल्स को चिली और पेरू के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है, ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 31 वर्षीय टेल्स एटलेटिको माइनिरो के गुइलहर्मे अराना की जगह लेंगे, जिन्हें कोपा डो ब्रासिल में वास्को दा गामा पर 2-1 के घरेलू जीत के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। टेल्स, जिनके करियर में मैनचेस्टर यूनाइटेड, इंटर मिलान और सेविला सहित अन्य क्लबों के लिए खेल चुके हैं, 2019 में अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से ब्राजील के लिए 12 बार खेल चुके हैं। एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के कारण ग्लीसन ब्रेमर को टीम से बाहर किए जाने के 24 घंटे से भी कम समय बाद उनकी वापसी हुई। पेरिस सेंट-जर्मेन के लुकास बेराल्डो ने जुवेंटस के सेंट्रल डिफेंडर की जगह ली। ब्राजील 10 अक्टूबर को सैंटियागो में चिली से और पांच दिन बाद ब्रासीलिया में पेरू से भिड़ेगा। पांच बार का विश्व चैंपियन वर्तमान में दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में पांचवें स्थान पर है, जिन्होंने अपने पहले आठ मैचों में से केवल तीन जीते हैं। चिली और पेरू क्रमशः नौवें और 10वें स्थान पर हैं ।

2024-25 की पहली कोलकाता डर्बी में भिड़ेंगे मोहन बागान और मोहम्मडन एससी

कोलकाता। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की पहली कोलकाता डर्बी आज शाम खेली जाएगी, जब मोहन बागान सुपर जायंट और मोहम्मडन एससी साल्ट लेक स्टेडियम में भिड़ेंगे। इन दोनों टीमों ने अब तक तीन-तीन मैच खेलकर चार-चार अंक बटोरे हैं। इस मैच के बाद आईएसएल मैचवीक 4 का अंत हो जाएगा और लीग अंतरराष्ट्रीय ब्रेक पर चली जाएगी। ये दोनों टीमें आईएसएल में पहली बार भिड़ेंगी। मैरिनर्स ने लीग में जिन टीमों का पहली बार सामना किया है, उनके खिलाफ अपने 11 मैचों में सात जीते हैं और दो ड्रा खेले और दो हारे हैं। चेन्नइयन एफसी पर जीत के साथ ही मोहम्मडन एससी आईएसएल में अपना पहला अवे मैच जीतने वाली पांचवीं टीम बन गई। अगर ब्लैक पैंथर्स मैरिनर्स को हरा देते हैं, तो वे शुरुआती दोनों अवे मैचों में जीतने वाली आईएसएल इतिहास की दूसरी टीम बन जाएंगे। मैरिनर्स ने अब तक तीन मैचों में सात गोल खाए हैं जिससे स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना चिंतित हैं। उन्होंने टीम की अटैकिंग फॉर्मेशन में एक खामी का पता लगाया है, जो इस समस्या की वजह है। मोलिना ने कहा, हम बहुत ज्यादा गोल खा रहे हैं। कुछ गोल डिफेंस की गलतियों के कारण खा रहे हैं, लेकिन ज्यादातर गोल अटैकिंग फॉर्मेशन में खामियों के कारण खा रहे हैं। लिहाजा, हमें सुधार करने की जरूरत है। मोहम्मडन एससी के रूसी हेड कोच एंड्री चेर्निशोव का मानना है कि चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपनी पहली जीत से उनकी टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने कहा, मैरिनर्स मजबूत टीम हैं। हम उनका सम्मान करते हैं। लेकिन हम भी मजबूत हैं; हम इस लीग में अच्छा फुटबॉल खेलना चाहते हैं। हमने पिछले तीन मैचों में यह दिखाया है। शुरुआती दो मैचों के बाद, खिलाड़ी समझ गए थे कि वे अच्छी फुटबॉल खेल सकते हैं। अब उन्हें समझ आ गया है कि वे आईएसएल में मैच जीत सकते हैं और यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

हॉकी इंडिया लीग की वापसी पर हरमनप्रीत सिंह ने कहा भारतीय हॉकी के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता

बेंगलुरू, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सात साल के अंतराल के बाद हॉकी इंडिया लीग के वापसी की घोषणा की। संशोधित एचआईएल 2024-25 में 8 पुरुष टीमें और 6 महिला टीमें शामिल होंगी, जो देश में पहली स्टैंडअलोन महिला लीग होगी जो पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी। लीग 28 दिसंबर को दो स्थानों रांची, झारखंड में मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और राउरकेला, ओडिशा के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले जाने वाले मैचों के साथ शुरू होगी।

महिला लीग का समापन 26 जनवरी 2025 को रांची में होगा जबकि पुरुषों का फाइनल 1 फरवरी 2025 को राउरकेला में होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह पिछले संस्करण में एक उभरते सितारे थे, और उन्होंने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का अध्ययन करने के अवसर का उपयोग किया। उन्होंने कई मौकों पर भारत में हॉकी के स्तर को बढ़ाने के लिए लीग को श्रेय दिया है और इसकी घोषणा के बाद बेहद खुशी हैं।

हरमनप्रीत ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, भारतीय हॉकी के लिए हॉकी इंडिया लीग से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। पिछली बार यह सीखने का एक शानदार अनुभव था और मुझे यकीन है कि सभी हॉकी खिलाड़ी लीग में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह युवाओं के लिए भी दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने, उनके सोचने के तरीके, उनके खेलने के तरीके में सूक्ष्म अंतरों को देखने और उन अच्छी आदतों को अपनाने का प्रयास करने का एक शानदार अवसर होगा जो वे नोटिस करते हैं।

हरमनप्रीत सिंह ने 2017 हॉकी इंडिया लीग के दौरान छह गोल किए और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। तब से उन्होंने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए 234 मैचों में 205 गोल करके हॉकी जगत में तहलका मचा दिया है।

उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया लीग मेरे विकास का एक बड़ा हिस्सा था। लीग ने मुझे अलग-अलग कोचों के तहत अलग-अलग खेल शैलियों से अवगत कराकर अपने कौशल को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान किया। लीग में खेलना, विभिन्न देशों के खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना आपके दिमाग को खोलता है और आपको कई दृष्टिकोण और सोचने के तरीके प्रदान करता है। यह सब भारतीय हॉकी के पुनरुत्थान में अभिन्न था और इसने निश्चित रूप से टोक्यो ओलंपिक में हमारे प्रदर्शन को प्रभावित किया जहां हमने कांस्य पदक जीता।

एचआईएल 2024-25 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगी। प्रत्येक फ्रेंचाइजी 24 खिलाड़ियों की एक टीम बनाएगी, जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करना) और 8 अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल होंगे। नीलामी में खिलाड़ियों को 2, 5 और 10 लाख के आधार मूल्य के साथ तीन स्लैब में विभाजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया लीग इस बार बहुत बड़ी होगी; एक महिला लीग भी होगी जो दोनों स्थानों पर एक ही समय पर चलेगी। मुझे विश्वास है कि यह अनुभव भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक बनने की यात्रा में अमूल्य साबित होगा। नीलामी जल्द ही होने वाली है और मैं भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। जहां तक मेरी बात है, मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि मैं किस टीम का प्रतिनिधित्व करूंगा और हॉकी क्रांति कब फिर से शुरू करूंगा।

प्रो कबड्डी लीग ने 11वें संस्करण के कार्यक्रम में किए कुछ मामूली बदलाव

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगामी प्रो कबड्डी लीग सीजन 11, जो 18 अक्टूबर से शुरू होने वाला है, ने शुक्रवार को अपने कार्यक्रम में कुछ मामूली बदलाव किए हैं। मैचों के कार्यक्रम या तारीखों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, केवल कुछ तारीखों के पहले और दूसरे मैच के बीच अदला-बदली की गई है। पीकेएल का 11वां संस्करण 18 अक्टूबर को हैदराबाद में तेलुगू टाइटन्स और बेंगलुरु बुल्स के बीच होने वाले पहले मैच के साथ शुरू होगा। इस मैच में घरेलू टीम तेलुगू टाइटन्स और उसके स्टार रेडर पवन सेहरावत का मुकाबला बेंगलुरु बुल्स के लिए वापसी करने वाले प्रदीप नरवाल से होगा। इस बार, पीकेएल तीन शहरों के प्रारूप में लौटेगा, जिसका 2024 संस्करण 18 अक्टूबर से 9 नवंबर तक हैदराबाद के गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में शुरू होगा। इसके बाद यह 10 नवंबर से 1 दिसंबर तक दूसरे चरण के लिए नोएडा इंडोर स्टेडियम में स्थानांतरित होगा। तीसरा चरण 3 दिसंबर से 24 दिसंबर तक पुणे के बालेवाड़ी बैडमिंटन स्टेडियम में शुरू होगा।

प्रो कबड्डी लीग 11 के शेड्यूल में ये बदलाव हैं: 23 अक्टूबर: मैच 11 - तमिल थलाइवाज बनाम पुनेरी पलटन; मैच 12 - गुजरात जायंट्स बनाम यू मुंबा, 2 नवंबर: मैच 29 - यूपी योद्धा बनाम पटना पाइरेट्स; मैच 30 - बेंगलुरु बुल्स बनाम तेलुगु टाइटंस, 3 नवंबर: मैच 31 - बंगाल वारियर्स बनाम हरियाणा स्टीलर्स; मैच 32 - पुनेरी पल्टन बनाम यू मुंबा, 4 नवंबर: मैच 33 - पुनेरी पल्टन बनाम गुजरात जायंट्स; मैच 34 - बेंगलुरु बुल्स बनाम तमिल थलाइवाज , 5 नवंबर: मैच 35 - जयपुर पिंक पैंथर्स बनाम यूपी योद्धा; मैच 36 - यू मुंबा बनाम दबंग दिल्ली के.सी., 6 नवंबर: मैच 37 - पटना पाइरेट्स बनाम यू मुंबा; मैच 38 - तमिल थलाइवाज बनाम तेलुगु टाइटंस , 7 नवंबर: मैच 39 - बंगाल वॉरियर्स बनाम दबंग दिल्ली के.सी.; मैच 40 - हरियाणा स्टीलर्स बनाम गुजरात जायंट्स , 18 नवंबर: मैच 61 - तेलुगु टाइटंस बनाम हरियाणा स्टीलर्स; मैच 62 - बेंगलुरु बुल्स बनाम यू मुंबा , 21 नवंबर नवंबर: मैच 67 - बंगाल वॉरियर्स बनाम तेलुगू टाइटन्स; मैच 68 - बेंगलुरु बुल्स बनाम हरियाणा स्टीलर्स , 22 नवंबर: मैच 69 - तमिल थलाइवाज बनाम यूपी योद्धाज; मैच 70 - जयपुर पिंक पैंथर्स बनाम दबंग दिल्ली के.सी., 25 नवंबर: मैच 75 - पुणेरी पल्टन बनाम जयपुर पिंक पैंथर्स; मैच 76 - यू मुंबा बनाम बेंगलुरु बुल्स।

पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हुए बेन स्टोक्स

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। कथित तौर पर वह अभी भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। स्टोक्स की अनुपस्थिति में ओली पोप टीम की कप्तानी करेंगे।

अगस्त में हंड्रेड के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के बाद स्टोक्स श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में घरेलू सीरीज से बाहर हो गए थे, उनके अब और क्रिसमस के बीच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड में छह टेस्ट मैचों में के लिए कप्तानी फिर से शुरू करने की उम्मीद थी।

स्टोक्स शुक्रवार को मुल्तान में लगभग 40 डिग्री की गर्मी में प्रशिक्षण के दौरान एक या दो ओवर फेंके। उनकी अनुपस्थिति से इंग्लैंड को एक बार फिर इस पर काम करने की जरूरत है।

सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली ने कहा, वह अपनी चोट से अच्छी तरह उबर रहा है, लेकिन हमें अभी तक पता नहीं है।

टीम के संतुलन के बारे में पूछे जाने पर, क्रॉली ने जवाब दिया, हमारे पास गेंद और बल्ले के साथ बहुत सारे विकल्प हैं, हमारे पास ऐसे गेंदबाज हैं जो वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं, जैसा कि गर्मियों में साबित हुआ। जो भी टीम आएगी, हम तैयार हैं।

महिला टी 20 विश्व कप: भारत की निराशाजनक शुरुआत, न्यूजीलैंड ने 58 रन से हराया

दुबई, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। रोज़मेरी मैयर के चार विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को दुबई में आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप के अपने पहले मैच में भारत पर 58 रन की शानदार जीत हासिल की। ??161 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारतीय बल्लेबाजों के पास व्हाइट फर्न्स की गेंदबाजी का कोई जवाब नहीं था और कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को नहीं छू सका। 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत की शुरुआत खराब रही और ईडन कार्सन ने शेफाली वर्मा (2) और स्मृति मंधाना (13 गेंदों में 12 रन, दो चौकों की मदद से) को पवेलियन भेज दिया। भारतीय टीम ने 4.4 ओवर में केवल 28 रन पर दो विकेट खो दिये। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जो शानदार पारी खेलकर भारत की नंबर तीन की स्थिति की दुविधा को हल करना चाह रही थीं, 11 गेंदों में एक चौके की मदद से 13 रन बनाकर रोजमेरी मैयर की गेंद पर पगबाधा आउट हो गईं। भारत ने पावरप्ले से पहले 42 रन पर अपने तीन सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों को खो दिया था। छह ओवर में पावरप्ले की समाप्ति पर, भारत का स्कोर 43/3 था, जिसमें ऋचा घोष (1*) और जेमिमा रोड्रिग्स (6*) नाबाद थीं। भारत ने 7.4 ओवर में 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया। भारतीय टीम बड़ी साझेदारी करने में विफल रही, क्योंकि ली ताहुहू ने रोड्रिग्स (13) और ऋचा घोष (19 गेंदों में 12) को जल्दी-जल्दी पवेलियन भेज दिया। भारत ने 11 ओवर में 70 रनों पर अपने 5 विकेट खो दिये।

इसके बाद अरुंधति रेड्डी को एक रन पर सूजी बेट्स ने एक्स्ट्रा कवर पर कैच कर लिया, यह मैयर का मैच में दूसरा विकेट था। भारतीय टीम 12.2 ओवर में 75 रन पर 6 विकेट खो चुकी थी। ली ने दीप्ति को 13 रन पर आउट करके अपना तीसरा विकेट हासिल किया, जबकि अमेलिया केर ने पूजा वस्त्रकार को मात्र आठ रन पर आउट कर दिया। भारत 15.3 ओवर में 90/8 पर पहुंच गया। मैयर ने बाकी बल्लेबाजी लाइन-अप को भी ध्वस्त कर दिया और भारतीय टीम 19 ओवर में 102 रन सिमट गई। मैयर ने 19 रन देकर 4 विकेट लिया, जबकि ली ताहुहु ने 15 रन देकर 3 विकेट लिये। कार्सन ने भी दो विकेट मिले। इसके पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान सोफी डिवाइन के शानदार अर्धशतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने 4 विकेट पर 160 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। न्यूजीलैंड की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर और सूजी बेट्स ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। न्यूजीलैंड ने सिर्फ 5.4 ओवर में 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 श्रृंखला से हटे आंद्रे रसेल, पूरन और हेटमायर, एंड्रयू वनडे टीम में शामिल

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आंद्रे रसेल, निकोलस पूरन, शिमरोन हेटमायर और अकील होसेन ने व्यक्तिगत कारणों से श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला से नाम वापस ले लिया है। सलामी बल्लेबाज एविन लुईस, जिन्होंने आखिरी बार 2022 में विश्व कप के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय खेला था, की टीम में वापसी हुई है। लुईस को श्रीलंका दौरे के वनडे चरण के लिए भी चुना गया है।

ब्रैंडन किंग भी साइड की चोट से उबरने के बाद टी20अंतरराष्ट्रीय टीम में लौट आए, जिसके कारण उन्हें इस शुरुआत में टी20 विश्व कप और सीपीएल 2024 से चूकना पड़ा था। रसेल की अनुपस्थिति में, वेस्टइंडीज ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स टीम के साथी टेरेंस हिंड्स और एंटीगिया और बारबुडा फाल्कन्स के शमर स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया है।

रोवमैन पॉवेल टी-20 टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे, जबकि रोस्टन चेज़, जिन्होंने इस सप्ताह के शुरू में वेस्टइंडीज का केंद्रीय अनुबंध अर्जित किया था, को उनके डिप्टी के रूप में बरकरार रखा गया है। चयन प्रणाली में सुधार के बाद लुईस की वापसी हुई है और कोच डेरेन सैमी अब पैनल का नेतृत्व कर रहे हैं।

सैमी ने सीडब्ल्यूआई के एक बयान में कहा, श्रीलंका का दौरा हमें अपनी गहराई का परीक्षण करने और विभिन्न परिस्थितियों में खिलाड़ियों का आकलन करने का मौका देता है, खासकर जब कई वरिष्ठ खिलाड़ी आराम की आवश्यकता और चोट से पुनर्वास के कारण टीम से बाहर रहे हैं। हमें श्रीलंका के खिलाफ मजबूती से प्रतिस्पर्धा करने की टीम की क्षमता पर भरोसा है।

ज्वेल एंड्रयू को वेस्टइंडीज वनडे टीम में शामिल किया गया

सत्रह वर्षीय ज्वेल एंड्रयू को पल्लेकेले में तीन मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। वह एकदिवसीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सबसे कम उम्र के वेस्टइंडियन बन सकते हैं; केवल डेरेक सीली और गैरी सोबर्स ने 17 साल की उम्र में वेस्टइंडीज के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

एंड्रयू ने अब तक केवल तीन लिस्ट ए गेम और सात सीपीएल मैच खेले हैं, लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से पहले ही वेस्ट इंडीज के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है, जिनमें विव रिचर्ड्स, शिवनारायण चंद्रपॉल, और इयान बिशप शामिल हैं।

सीपीएल में अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी, एंड्रयू ने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स आक्रमण के खिलाफ नाबाद 50 रन बनाकर अपनी शुरुआत की, जिसमें एनरिक नॉर्टजे और तबरेज़ शम्सी जैसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल थे।

वेस्टइंडीज टी20 टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेज़ (उप-कप्तान), फैबियन एलन, एलिक अथानाज़, आंद्रे फ्लेचर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अल्ज़ारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

वेस्टइंडीज का श्रीलंका का सफेद गेंद दौरा 13 अक्टूबर से शुरू होगा और 26 अक्टूबर तक चलेगा।

वेस्टइंडीज वनडे टीम

शाई होप (कप्तान), अल्ज़ारी जोसेफ (उप-कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, एलिक अथानाज़, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्डे, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, हेडन वॉल्श जूनियर।

स्विगी की 10 मिनट में खाना डिलीवर करने की सेवा ‘बोल्ट’ शुरू

नई दिल्ली, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने घोषणा की कि वह कुछ चुनिंदा फूड आइटम्स को 10 मिनट में डिलीवर करने की सेवा ‘बोल्ट’ शुरू कर रही है। स्विगी की इस नई सेवा का उद्देश्य ग्राहकों को और तेज़ और सुविधाजनक सेवा प्रदान करना है। फिलहाल, यह सेवा भारत के 6 प्रमुख शहरों हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली, पुणे, चेन्नई और बेंगलुरु के चुनिंदा स्थानों पर शुरू की गई है। आने वाले हफ्तों में इसे और भी जिलों में विस्तार दिया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि इसका मकसद ग्राहकों को बिना किसी इंतजार के लंच, डिनर या ब्रेकफास्ट के लिए जल्दी से खाना उपलब्ध कराना है। ‘बोल्ट’ सेवा के तहत, स्विगी दो किलोमीटर के दायरे में मौजूद चुनिंदा रेस्तरां से त्वरित फूड डिलीवरी करेगी। इस सेवा के तहत बर्गर, बिरयानी, नाश्ते के सामान, और पेय पदार्थ जैसे आइटम्स पेश किए जाएंगे, जिन्हें बनाने में कम समय लगता है। इसके साथ ही, आइसक्रीम, मिठाई, और स्नैक्स जैसी वस्तुओं की भी डिलीवरी दी जाएगी जो पहले से पैक होकर तैयार होती हैं। स्विगी के फूड मार्केटप्लेस के सीईओ रोहित कपूर ने कहा, बोल्ट हमारे मिशन का अगला कदम है, जो उपभोक्ताओं को बेजोड़ सुविधा प्रदान करता है। दस साल पहले, स्विगी ने फूड डिलीवरी का औसत समय 30 मिनट तक कम करके एक नई क्रांति लाई थी, और अब हम इस समय को और भी घटाने जा रहे हैं।

कंपनी ने स्पष्ट किया कि उनके डिलीवरी पार्टनर्स को बोल्ट और नियमित ऑर्डर के बीच कोई जानकारी नहीं दी जाएगी, ताकि सेवा की गुणवत्ता में कोई अंतर न हो। स्विगी की यह नई पहल प्रतिद्वंदी जोमैटो को कड़ी चुनौती देने वाली है, और कंपनी इसे अपने आगामी आईपीओ से पहले एक बड़ा कदम मान रही है। बता दें कि ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंनियों के बीच तेज डिलीवरी की होड़ बढ़ती जा रही है। अभी तक ई-कॉमर्स कंपनियां 10 मिनट में सामान डिलीवरी पर जोर दे रही थीं, वहीं अब स्विगी ने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है।

न्यूज ब्रीफ

नया इलेक्ट्रिक स्कूटर एलएमएल स्टार जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी एलएमएल ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर एलएमएल स्टार की लॉन्चिंग की घोषणा की है। एलएमएल स्टार का डिजाइन एक अनुभवी इटालियन डिजाइन टीम द्वारा तैयार किया गया है, जिन्होंने पहले डुकाटी, फरारी, यामाहा और कावासाकी जैसे प्रमुख ब्रांडों के साथ काम किया है। कंपनी अब पेट्रोल स्कूटर या बाइक की बजाय पूरी तरह इलेक्ट्रिक स्कूटर पर ध्यान केंद्रित कर रही है। एलएमएल ने इलेक्ट्रिक स्कूटरों की मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च के लिए सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। एलएमएल स्टार का डिजाइन अत्याधुनिक होगा, जिसमें फ्लैट फ्लोर बोर्ड और मैक्सी स्कूटर डिज़ाइन शामिल है। सीट के नीचे और पिलियन ग्रैब हैंडल पर लाल रंग के एक्सेंट इसे आकर्षक बनाते हैं। फ्रंट एप्रन में डीआरएलएस और ऑटोमैटिक हेडलैंप के साथ डुअल-टोन डिज़ाइन की विशेषताएँ दी गई हैं। हालांकि, स्कूटर की बैटरी, रेंज और प्रदर्शन के बारे में अधिक जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन तस्वीरों से यह स्पष्ट होता है कि इसमें एक मिड-माउंटेड मोटर है, जो बेल्ट ड्राइव सिस्टम के जरिए रियर व्हील को पावर देती है। इसके अलावा, स्कूटर को टेलिस्कोपिक फोर्क और साइड माउंटेड मोनोशॉक पर लटकाया गया है, जिससे इसकी सवारी का अनुभव बेहतर होगा। ब्रेकिंग के लिए इसमें आगे और पीछे डिस्क ब्रेक्स हैं, और इसमें सिंगल चैनल एबीएस जैसे फीचर्स भी शामिल हो सकते हैं।एलएमएलका यह नया इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर और ओला जैसी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के लिए चुनौती पेश करेगा। कंपनी की योजना है कि एलएमएल स्टार को आगामी फेस्टिव सीजन में भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाए, जिससे उत्सव के दौरान ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके।

सेबी प्रमुख को लोक लेखा समिति ने 24 को किया तलब

नई दिल्ली। देश के प्रमुख नियामक प्राधिकरणों के कामकाज की समीक्षा के लिए संसद की लोक लेखा समिति (पीएसी) ने सेबी प्रमुख को तलब किया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के प्रमुखों को 24 अक्टूबर को समिति के समक्ष पेश होने के लिए बुलाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बैठक में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग और संचार मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों को भी बुलाया गया है। सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी के प्रतिनिधि भी समिति के समक्ष अपनी संस्थाओं के कामकाज पर रिपोर्ट दे सकते हैं। यह समीक्षा उस समय हो रही है जब अदाणी-हिंडनबर्ग विवाद के बाद नियामक संस्थाओं की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इस संदर्भ में समिति का यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय विशेषज्ञों को लाकर कार्यबल को सुदृढ़ करेगा रूस

मॉस्को। यूक्रेन के साथ वार में उलझा रूस अब भारतीय विशेषज्ञों को अपने देश में लाकर अपने कार्यबल को सुदृढ़ करने जा रहा है। इस पहल की घोषणा नेशनल एसोसिएशन ऑफ बिल्डर्स (नोस्ट्रॉय) ने की। इसके तहत भारत से विशेषज्ञों को रूसी निर्माण स्थलों पर काम करने के लिए आकर्षित किया जाएगा। नोस्ट्रॉय के अध्यक्ष एंटोन ग्लुश्कोव ने येकातेरिनबर्ग में एक अंतरराष्ट्रीय निर्माण फोरम के दौरान बताया कि भारत कुशल श्रम बाजार में विशाल संभावनाएं प्रदान करता है, और रूस भारत के साथ साझेदारी विकसित कर रहा है। इसका उद्देश्य निर्माण उद्योग में श्रम शक्ति की गुणवत्ता और विशेषज्ञता को बढ़ाना है। यह योजना रूसी अधिकारियों द्वारा विदेशी श्रमिकों, विशेष रूप से भारत और उज्बेकिस्तान से आने वाले श्रमिकों की योग्यता को प्रमाणित करने पर आधारित है। नोस्ट्रॉय इन श्रमिकों के आवास, परिवहन और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने में सहायता करेगा। इस पहल का उद्देश्य रूस में कार्यरत अयोग्य श्रमिकों की संख्या को घटाकर कुल कार्यबल का 20 प्रतिशत करना है, जो वर्तमान में 80 प्रतिशत तक है। रूसी उप प्रधान मंत्री मारत खुसनुल्लिन के अनुसार, यह पहल देश में चल रही श्रम की कमी को दूर करने के लिए की जा रही है। रूसी निर्माण स्थलों पर 200,000 श्रमिकों की कमी है, जिसे यह परियोजना पूरा करने में मदद करेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राहुल गांधी के ...

वर्ष 2017 में भारतीय अधिकारियों द्वारा निर्वासित और काली सूची में डाले जाने के बाद, कॉर्नी नेपाल चला गया। लेकिन वह नेपाल और भारत के बीच वीजा-मुक्त आवाजाही का लाभ उठाकर नियमित रूप से भारत आता रहता है। उसे कांग्रेस नेता राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी और ऐसे ही कुछ अन्य नेताओं का संरक्षण मिला हुआ है। इन राजनीतिक दलों की शह पर डैनियल स्टीफन कॉर्नी हिंदुओं के खिलाफ चारो तरफ घूम घूम कर लोगों में नफरत बोने और अफवाहें फैलाने का काम कर रहा है। कॉर्नी विभिन्न सोशल मीडिया और वीडियो-शेयरिंग प्लेटफार्मों के माध्यम से नियमित रूप से भारत और हिंदू धर्म के खिलाफ झूठा प्रचार कर रहा है।

खुफिया एजेंसियां जानती हैं कि मई 2022 में डैनियल स्टीफन कॉर्नी ने नेपाल के गार्डन गेस्ट हाउस में राहुल गांधी से कम से कम दो बार गुप्त रूप से मुलाकात की थी। इससे पहले भारत में रहने के दौरान कॉर्नी राहुल और सोनिया गांधी से नियमित संपर्क में था। राहुल गांधी मई 2022 में अपनी नेपाली मित्र सुमनिमा उदास के विवाह समारोह में शामिल होने के बहाने नेपाल गए थे, लेकिन इस यात्रा के पीछे राहुल गांधी का मुख्य उद्देश्य डैनियल स्टीफन कॉर्नी से मिलना था। नेपाल यात्रा के दौरान राहुल गांधी अपने तीन साथियों के साथ मैरियट होटल में रुके थे और अपने साथ कोई सुरक्षाकर्मी नहीं ले गए थे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सीएनएन इंटरनेशनल की दिल्ली संवाददाता सुमनिमा उदास ने राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस पार्टी के पक्ष में पक्षपातपूर्ण मीडिया कवरेज किया और इस तरह राहुल गांधी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर वैसे ही हमला किया जैसे कोई नेता करता है।

सुमनीमा उदास के पिता भीम उदास की अमेरिकी खुफिया प्रतिष्ठान के साथ-साथ अमेरिकी षडयंत्रकारी पूंजीपति जॉर्ज सोरोस के साथ काफी घनिष्ठता है। खुफिया एजेंसियां बताती हैं कि डैनियल स्टीफन कॉर्नी अमेरिकी सेना की 111 टुकड़ी डेल्टा फोर्स में कंधार, काबुल में सीआईए ब्लैक ऑपरेशंस से जुड़ा रहा है। सीआईए का एक प्रशिक्षित ऑपरेटिव स्टीफन कॉर्नी इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) के साथ भी विक्टोरिया नुलैंड की सुरक्षा टीम में काम कर चुका है। न्यूयॉर्क के मोहेगन लेक में पैदा हुआ डैनियल स्टीफन कॉर्नी के पास अमेरिकी, इजरायली और पेरू के पासपोर्ट हैं। कॉर्नी पहली बार 27 अगस्त 2009 को पर्यटक वीजा पर भारत आया था। उसे आंध्र प्रदेश के गुंटूर के एक पादरी ने अपने यहां ठहराया था। कुछ महीने बाद कॉर्नी ने अनुषा नाम की एक तेलुगु महिला से शादी कर ली। हालांकि इस शादी की जानकारी और फोटो डे स्प्रिंग चिल्ड्रन होम नामक वेबसाइट पर प्रकाशित की गई थी, लेकिन बाद में इसे हटा दिया गया। बाद में काफी खोजबीन करने के बाद खुफिया एजेंसियों को डैनियल स्टीफन कॉर्नी और उसकी तेलुगु पत्नी अनुषा की फोटो खोजने में कामयाबी मिली। उसकी पत्नी अनुषा के पास भी भारतीय और अमेरिकी दो पासपोर्ट हैं।कॉर्नी ने अगस्त 2023 के पहले सप्ताह में असम की यात्रा की। इस यात्रा की पूरी व्यवस्था पश्चिम बंगाल सरकार के अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद के संयुक्त सचिव ने की थी। डैनियल स्टीफन कॉर्नी बाकायदा पश्चिम बंगाल सरकार की (डब्लूबी 7ओएन 1889) पर असम समेत कई पूर्वोत्तर राज्य घूम रहा था और मोदी विरोधी अभियान संचालित कर रहा था। उसने हैदराबाद के एमएस कुमार नामक व्यक्ति के साथ मिलकर असम के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 पर असमिया न्यू टेस्टामेंट की पचास प्रतियां वितरित की थीं। 5 अगस्त 2023 को कॉर्नी ने मणिपुर राज्य के सेनापति शहर का दौरा किया और भारत सरकार की आलोचना करते हुए एक लाइव वीडियो प्रसारित किया, जिसमें उसने भारत सरकार को कट्टरपंथी हिंदू सरकार कहा और राज्य में ईसाईयों के खिलाफ चल रही हिंसा के लिए मोदी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। कॉर्नी ने यह भी अफवाह फैलाई कि मणिपुर में तीन महीने के दौरान 400 चर्चों को जला दिया गया और कम से कम 200 ईसाईयों को सुनियोजित तरीके से मार दिया गया। कॉर्नी ने घूम घूम कर बताया कि कुकी ईसाई महिलाओं को नग्न करके घुमाया जाता है और मैती हिंदू जनजाति द्वारा उनका बलात्कार किया जाता है और उनकी हत्या कर दी जाती है।डैनियल स्टीफन कॉर्नी अक्सर वीजा-मुक्त आवागमन के अवसर का फायदा उठा कर भारत-नेपाल सीमा से भारत में प्रवेश करता है। वह मणिपुर और भारत के अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ म्यांमार और बांग्लादेश में उग्रवादी समूहों को हथियारों, विस्फोटकों, परिष्कृत संचार उपकरणों और ड्रोन और रसद की आपूर्ति का समन्वय करता है। कॉर्नी पश्चिम बंगाल में इस्लामी दलों और उग्रवादी समूहों के साथ संबंध रखता है और वह मादक पदार्थों की तस्करी और नकली भारतीय मुद्रा (पाकिस्तानी आईएसआई द्वारा मुद्रित) के प्रचलन में भी शामिल है। नेपाल में वह अक्सर कुछ पाकिस्तानी नागरिकों से मिलता है। कॉर्नी कुख्यात हिंदू विरोधी, भाजपा विरोधी और नरेंद्र मोदी विरोधी है, वह नियमित रूप से सुरक्षा बलों पर हमलों की साजिश रचता रहता है।

डैनियल स्टीफन कॉर्नी मणिपुर और भारत के अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में मारिजुआना के उत्पादन और तस्करी की देखरेख और उसके ट्रांसपोर्टेशन में मदद करता है। इसी तरह, म्यांमार के रखाइन राज्य में अराकान आर्मी के साथ संबंध बनाए रखते हुए, वह यूरोप और अमेरिका के विभिन्न गंतव्यों में मेथ की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल रहा है। वह कुकी उग्रवाद समूह के साथ-साथ अराकान आर्मी की मदद से चटगांव हिल ट्रैक्ट जिलों में भी लगातार घुसता रहा है और गुप्त बैठकें करता रहा है।

ड्रग्स के धन से...

नमो शेतकरी महासम्मान निधि योजना के तहत महाराष्ट्र के 90 लाख से ज्यादा किसानों को करीब 19 सौ करोड़ रुपए दिए गए हैं।बंजारा विरासत म्यूजम के उद्घाटन पर पीएम मोदी ने बंजारा समान को बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं आप सभी को बंजारा विरासत म्यूजियम की बधाई देता हूं। जिसको किसी ने नहीं पूछा, उसको मोदी पूजता है। हमारे बंजारा समाज ने भारत के सामाजिक जीवन में, भारत की निर्माण यात्रा में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। हमारे बंजारा समाज ने ऐसे कितने ही संत दिए, जिन्होंने भारत की आध्यात्मिक चेतना को असीम ऊर्जा दी। पीढ़ी दर पीढ़ी, सैकड़ों-हजारों वर्षों से ये समुदाय भारत की संस्कृति और परम्पराओं को सहेजता और संवारता आया है।रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस की सोच को विदेशी बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की सोच शुरू से ही विदेशी रही है। अंग्रेजी हुकूमत की तरह ही ये कांग्रेसी परिवार भी दलित, पिछड़ा और आदिवासियों को अपने बराबर नहीं मानते। उन्होंने कहा, इन्हें लगता है कि भारत पर सिर्फ एक परिवार की ही हुकूमत रहनी चाहिए। इसलिए उनलोगों ने बंजारा समाज के प्रति हमेशा अपमानजनक रवैया बनाए रखा। पीएम मोदी ने कहा, एनडीए की केंद्र सरकार ने ही घुमंतू और अर्ध घुमंतू समुदाय के लिए कल्याण बोर्ड का गठन भी किया। इस समाज की संस्कृति को सही पहचान मिले, इस दिशा में भी भाजपा और एनडीए सरकारें लगातार काम कर रही हैं।

कांग्रेस ने उत्तर...

उपयोग कर युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर नशामुक्त भारत बनाने के लिए संकल्पित है। इस मामले में कांग्रेस ने किसी भी प्रकार की संलिप्तता से इन्कार किया है। पार्टी का कहना है कि तुषार गोयल को अक्टूबर 2022 में पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते निष्कासित कर दिया गया था।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता संभालने के तुरंत बाद ड्रग्स मुक्त भारत अभियान शुरू किया था। दो दिन पहले दिल्ली में 5,600 करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद की गई। जब 2004 और 2014 के बीच कांग्रेस सत्ता में थी, तो देश भर में लगभग 1.52 लाख किलोग्राम ड्रग्स जब्त की गई थी। लेकिन हमारे नशा विरोधी अभियान की बदौलत हम 2014 से 2024 तक 10 वर्षों में 5.43 लाख किलो ड्रग्स जब्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के 10 वर्षों के दौरान 768 करोड़ रुपए की दवाएं जब्त की गईं, जबकि 2014 से भाजपा शासन के तहत इतने ही वर्षों में 27,600 करोड़ रुपए की दवाएं जब्त की गईं। शाह ने कहा कि मैं सोच रहा था कि इन सरकारों के कार्यकाल में की गई जब्तियों में इतना अंतर क्यों है? उन्होंने पूछा, क्या किसी राजनीतिक दल के लिए ड्रग्स को खत्म करना संभव है, अगर उसके अपने कुछ सदस्य नशीले पदार्थों के व्यापार में लिप्त हों? शाह ने कहा कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले, कांग्रेस ने पूरे उत्तर भारत को, चाहे वह जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा या दिल्ली हो, नशीली दवाओं के व्यापार का केंद्र बना दिया था। मोदी सरकार ने इस व्यापार के खिलाफ निर्णायक कदम उठाए। गुजरात में भी हमारी भाजपा सरकार ने सिर्फ तीन साल में 8500 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की।

इस ड्रग्स रैकेट के मास्टरमाइंड के तौर पर वीरेंद्र बसोया का नाम सामने आया है, जो वर्तमान में दुबई में रह रहा है। वीरेंद्र बसोया पहले भी भारत में ड्रग्स के कई मामलों में संलिप्त रहा है। पिछले साल पुणे पुलिस द्वारा पकड़ी गई 3,000 करोड़ रुपए की म्याऊं म्याऊं ड्रग्स खेप में भी बसोया का नाम सामने आया था। इस केस में भी बसोया की संलिप्तता की पुष्टि की गई है। बसोया ने तुषार गोयल को अपने ड्रग्स नेटवर्क से जोड़ा था, और उसने कोकीन की खेप की डिलीवरी के बदले तुषार को हर कन्साइनमेंट के लिए 3 करोड़ रुपए देने की डील की थी। दुबई से बसोया ने यूके में रहने वाले जितेन्द्र गिल को भारत भेजा था, जो तुषार से मिलने दिल्ली आया था। दिल्ली पुलिस ने जितेन्द्र गिल को भी इस मामले में अमृतसर एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। जितेन्द्र गिल पिछले 17 साल से यूके में रह रहा है और उसके पास यूके का ग्रीन कार्ड है।

वीरेंद्र बसोया का कनेक्शन केवल भारत तक सीमित नहीं है। वह दुबई में रहकर इंटरनेशनल ड्रग्स सिंडिकेट चलाता है, जिसके तार यूके, मुंबई और अन्य देशों से जुड़े हुए हैं। दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर बसोया के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, ताकि उसे दुबई में गिरफ्तार किया जा सके। इसके अलावा, बसोया के डी-कंपनी से संबंधों की भी जांच हो रही है। इस ड्रग्स रैकेट में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें तुषार गोयल के अलावा हिमांशु कुमार, औरंगजेब सिद्दीकी, भरत कुमार जैन, और जितेन्द्र गिल शामिल हैं। यह ड्रग्स सिंडिकेट पैन-इंडिया स्तर पर फैला हुआ था, और इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न मेट्रो शहरों में कोकीन की आपूर्ति करना था।

इस ड्रग्स मामले में कांग्रेस और भाजपा के बीच सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा ने इस मामले को लेकर कांग्रेस पर सीधा हमला बोला है। इस बड़े ड्रग्स रैकेट से जुड़े तमाम पहलू अभी भी खुल रहे हैं। कांग्रेस का इससे जुड़े होने का आरोप जहां सियासी बवाल मचा रहा है, वहीं पुलिस की जांच में इंटरनेशनल लिंक और डी-कंपनी से संभावित संबंध सामने आ रहे

एससी-एसटी...

सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि फैसले में रिकॉर्ड को देखते हुए कोई त्रुटि नहीं दिखती है।

सुप्रीम कोर्ट के नियमों के अनुसार, समीक्षा याचिका पर दस्तावेज के माध्यम से वकील की उपस्थिति के बिना न्यायाधीशों के कक्ष में विचार किया जाता है। मामले में एक अलग असहमति वाला फैसला लिखने वाली जस्टिस त्रिवेदी भी बहुमत से सुनाए गए फैसले पर पुनर्विचार का मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज करने वाली पीठ का हिस्सा थीं। पीठ ने पुनर्विचार याचिकाओं को खुली अदालत में सुनवाई करने के आवेदन को भी खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने मामले में खुली अदालत में सुनवाई के आवेदन को भी खारिज कर दिया।सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि राज्यों के पास अधिक वंचित जातियों के उत्थान-कल्याण के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का सांविधानिक अधिकार है। एससी/एसटी के बीच भी क्रीमी लेयर के सिद्धांत को लागू करने का समर्थन किया था। पीठ ने 6:1 के बहुमत से ई.वी. चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के 2004 के फैसले को खारिज कर दिया था। इसमें कहा गया था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समरूप समूह हैं और इसलिए राज्य इन समूहों में अधिक वंचित तथा कमजोर जातियों के लिए कोटा के भीतर कोटा देने के लिए उन्हें उप-वर्गीकृत नहीं कर सकते।

अपने 85 पेज के असहमति वाले आदेश में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी ने कहा था कि राज्य संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत अधिसूचित अनुसूचित जाति सूची के साथ छेड़छाड़ नहीं कर सकते। राज्यों की सकारात्मक कार्यवाही संविधान के दायरे के भीतर होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि आरक्षण प्रदान करने के राज्य के नेक इरादों से उठाए कदम को भी अनुच्छेद 142 के तहत शक्तियों का इस्तेमाल करके सुप्रीम कोर्ट की ओर से उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

तनाव कम करने में...

इज़राइल से तनाव कम करने के लिए कहें।इलाही ने कहा, हम मानते हैं कि क्षेत्र को शांति और स्थिरता की आवश्यकता है। हम, ईरान के रूप में, एक शक्तिशाली देश के बजाय एक शक्तिशाली क्षेत्र चाहते हैं। किसी देश के विकास के लिए शांति और स्थिरता पूर्व शर्त है। लेकिन फलस्तीन में जो हो रहा है उसके प्रति हम उदासीन नहीं रह सकते। फलस्तीन में चल रहा रक्तपात एक ऐसी चीज है जिसकी हम अनदेखी या उपेक्षा नहीं कर सकते।ईरान और इज़राइल की तरफ से हालिया सैन्य कार्रवाइयों पर उन्होंने कहा कि इज़राइल के सैन्य और खुफिया ठिकानों पर मिसाइल हमला करने के पीछे हमारी मंशा इज़राइल को स्पष्ट संदेश देना था। हमारे सर्वोच्च सैन्य कमांडर ने स्पष्ट रूप से यह बता दिया है कि ईरानी हितों और बुनियादी ढांचे पर किसी भी हमले का करारा जवाब दिया जाएगा।

कश्मीर मसला यूएन...

सरदार पटेल का भी यही मानना था कि यथार्थवाद हमारी नीति का आधार होना चाहिए।विदेश मंत्री ने सार्क सम्मेलन का आयोजन न होने की वजह बताते हुए कहा, अभी सार्क आगे नहीं बढ़ रहा है इसलिए इसकी बैठक नहीं बुलाई गई। सार्क देशों का एक सदस्य सीमापार आतंकवाद को बढ़ावा अभी भी दे रहा है। आतंकवाद अस्वीकार्य है, लेकिन इस वैश्विक मान्यता के बावजूद हमारे पड़ोसी देश ऐसा कर रहे हैं। यही वजह है कि सार्क की बैठक हाल के वर्षों में नहीं हुई है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि क्षेत्रीय गतिविधियां बंद हैं बल्कि बीते पांच-छह वर्षों में तो भारतीय उपमहाद्वीप में क्षेत्रीय एकता और ज्यादा बढ़ी है।पश्चिम एशिया में तनाव के हालात पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, पश्चिम एशिया की स्थिति कोई अवसर नहीं है बल्कि यह गहरी चिंता का विषय है। संघर्ष बढ़ता जा रहा है। हमने देखा कि आतंकी हमला हुआ और फिर उसका जवाब दिया गया। हमने देखा कि गाजा में क्या हुआ। अब हम देख रहे हैं कि संघर्ष लेबनान तक पहुंच गया है और इज़राइल और ईरान के बीच तनाव है। लाल सागर से हूती विद्रोही हमले कर रहे हैं। हमें भी इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। अगर आप निष्पक्ष हैं तो आपको फायदा मिलेगा, ऐसा नहीं है। कुछ स्थितियों में संघर्ष फायदेमंद हो सकता है, लेकिन अभी जो परिस्थितियां हैं, उनमें दुनिया में कहीं भी संघर्ष समस्याएं बढ़ा रहा है। इससे आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ईमानदारी से कहें तो चाहे रूस यूक्रेन युद्ध हो या फिर पश्चिम एशिया का संघर्ष, इससे अस्थिरता बढ़ रही है और ये चिंता का विषय है। मुझे लगता है कि हमारे समेत पूरी दुनिया इन्हें लेकर चिंतित है।

तिरुपति में सीएम...

कोर्ट के अनुसार, एसआईटी में सीबीआई के दो अधिकारी, आंध्र प्रदेश पुलिस के दो अधिकारी और एफएसएसएआई का एक वरिष्ठ अधिकारी होगा। सीबीआई निदेशक एसआईटी जांच की निगरानी करेंगे।

आंध्र प्रदेश में जून में सत्ता परिवर्तन हुआ था। जिसके बाद चंद्रबाबू नायडू की पार्टी सत्ता में वापस आई है। मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद चंद्रबाबू नायडू ने मंदिर के लड्डुओं में मिलावट की आशंका जाहिर की थी। जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने सप्लाई किए गए घी के सैंपल लेकर जांच के लिए गुजरात स्थित डेयरी विकास बोर्ड की लैब सेंटर ऑफ एनालिसिस एंड लर्निंग इन लाइव स्टॉक एंड फूड भेजे थे। जिसके बाद लैब की रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए।

एनडीडीबी लैब की रिपोर्ट से पता चला कि शुद्ध घी में शुद्ध दूध में वसा की मात्रा 95.68 से लेकर 104.32 तक होना चाहिए था। लेकिन सैंपल्स में मिल्क फैट की वेल्यू 20 ही पाई गई थी। जिससे इस मिलावटी घी के बारे में खुलासा हुआ। लैब की रिपोर्ट के मुताबिक इन सैंपल में सोयाबीन, सूरजमुखी, जैतून का तेल, गेहूं, मक्का, कॉटन सीड, मछली का तेल, नारियल, पाम ऑयल, बीफ टैलो, लार्ड जैसे तत्व पाए गए। इस घी को चेन्नई की एआर डेयरी एंड एग्रो प्रोडक्ट्स नाम की कंपनी ने सप्लाई किया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है।

कश्मीर के ...

बल्कि उन्हें ट्रेस करना भी मुश्किल हो रहा था। सीमा पार बैठे आतंकियों के आका और पाकिस्तानी सेना चीन में बने कम्युनिकेशन सेट अल्ट्रा सेट से आतंकियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। सूत्रों का कहना है कि दरअसल ये कम्युनिकेशन सेट चीन ने पाकिस्तानी सेना के लिए भेजे थे। लेकिन पाकिस्तानी सेना ने इन्हें आतंकियों को थमा दिया, क्योंकि वे जानते थे कि आम वाकी-टॉकी हैंडसेट को भारतीय सेना आसानी से ट्रेस कर लेगी और आतंकी मारे जाएंगे। इसलिए उन्होंने आतंकियों को ये अल्ट्रासेट दिए थे। अल्ट्रासेट को सैटेलाइट फोन के अलावा रेडियो सेट की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है।इन खास हैंडसेट्स को पिछले साल 17-18 जुलाई की रात को जम्मू क्षेत्र के पुंछ जिले के सुरनकोट के सिंदराह टॉप क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के बाद और इस साल 26 अप्रैल को उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर के चेक मोहल्ला नौपोरा क्षेत्र में मुठभेड़ में मारे आतंकियों से ये हैंडसेट बरामद किए गए थे। सुरनकोट मुठभेड़ में चार और सोपोर में दो विदेशी आतंकवादी मारे गए थे। इसके अलावा ये हैंडसेट पीर पंजाल क्षेत्र के दक्षिण में भी आतंकियों से बरामद हुए थे। यह हैंडसेट रेडियो तरंगों की मदद से बिल्कुल सेलफोन की तरह काम करते हैं। लेकिन इनमें जीएसएम या सीडीएमए जैसी मोबाइल टेक्नोलॉजी नहीं होती है, बल्कि ये सीमा पार पाकिस्तान में बने कंट्रोल सेंटर से जुड़े होते हैं। पाकिस्तान में मास्टर सर्वर तक कनेक्ट करने के लिए चीनी सैटेलाइटों का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं खास बात यह होती है कि दो अल्ट्रासेट सीधे एक-दूसरे से कनेक्ट नहीं हो सकते, बल्कि मास्टर सर्वर से ही कनेक्ट हो सकते हैं। अल्ट्रा हैंडसेट इतने अत्याधुनिक हैं कि ये आम मोबाइल की तरह काम नहीं करते हैं। इसलिए ये रडार की पकड़ में भी नहीं आते हैं। वहीं इसकी खूबी यह भी है कि कम्युनिकेशन सिस्टम ऑन होने पर न कोई सिग्नलों का पता चलता है, बल्कि लोकेशन भी पता नहीं चलती। पहले सिक्योरिटी एजेंसियां आतंकवादियों के कम्युनिकेशन को डीकोड कर उनके मंसूबों का पता लगा लेती थीं। लेकिन अल्ट्रासेट के चलते यह संभव नहीं हो पा रहा था। सूत्रों का कहना है कि अगर आतंकी अल्ट्रासेट को ऑन रखते हैं, और उसका इस्तेमाल कर रहे हैं, तो लोकेशन का पता लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अल्ट्रा सेट का पता लगाने के लिए एरिया मैपिंग भी की गई और पता लगाया गया कि अल्ट्रा सेट कहां एक्टिव है।अल्ट्रासेट सेटेलाइट से कनेक्टेड हैं। इससे मैसेजिंग भी की जा सकती है। हर सेट का अलग कोड होता है। अगर आतंकियों के दो ग्रुप हैं और दोनों के पास इस तरह के सेट हैं तब भी एक ग्रुप दूसरे ग्रुप से कॉन्टैक्ट नहीं कर सकता। बिना कोड के अल्ट्रासेट सिस्टम बेकार है। लेकिन पाकिस्तान में मास्टर सर्वर होने की वजह से पाकिस्तानी सेना आसानी से न केवल आतंकियों की बातचीत को ट्रैक कर सकती है, बल्कि गाइड भी कर सकती है। क्योंकि इस सैटेलाइट का कोड उसके पास ही है। वहीं पाकिस्तान और चीन अमेरिकी सैटेलाइट का इस्तेमाल नहीं करते, बल्कि वे चीनी बाइदू जीपीएस का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन चीन के साथ भारत का सूचनाओं के आदान-प्रदान को लेकर कोई समझौता तो नहीं है। इसके अलावा आतंकी एक और तरीका कम्यूनिकेशन के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। वे अपने आकाओं से संपर्क के लिए अल्ट्रासेट का इस्तेमाल करते हैं, तो वहीं वे पनाहगारों के मोबाइल सेट का इस्तेमाल करते हैं और दूसरे ओजीडब्लू से संपर्क साधते हैं। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां हर मोबाइल को ट्रैक पर नहीं रख सकती, जिसका आतंकी फायदा उठाते हैं। आतंकवादी सैमसंग फोन और आईकॉम रेडियो सेट के माध्यम से वाई एसएमएस का भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

जम्मू क्षेत्र में आतंकियों पर लगाम कसने के लिए पूर्वी लद्दाख में तैनात यूनिफॉर्म फोर्स को जम्मू स्थित 16वीं कोर में वापस भेजा जा रहा है। अगले साल मई-जून तक यूनिफॉर्म फोर्स की वापसी हो सकती है। 2020 में गलवान हिंसा के बाद जब भारत और चीन में गतिरोध चरम पर था, तो जम्मू के रियासी में तैनात यूनिफॉर्म फोर्स को काउंटर टेररिज्म की ड्यूटी से हटाकर बतौर बैकअप फोर्स एलएसी पर तैनात कर दिया गया था। वहीं, जैसे ही जम्मू से विशेष आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) की यूनिफॉर्म फोर्स को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात किया गया, तो जम्मू डिविजन में आतंकी हमलों में तेजी देखी गई। जम्मू डिवीजन में जिस तरह से आतंकी ताबड़तोड़ आतंकी वारदातों को अंजाम दे रहे थे, उसके बाद से रियासी क्षेत्र में यूनिफॉर्म फोर्स को फिर से तैनात किए जाने की मांग जोरशोर से की जा रही थी। जम्मू-कश्मीर में साल 2014 के मुकाबले 2024 में आतंकी घटनाओं में गिरावट दर्ज की गई है। 2014 में जहां 222 आतंकी वारदातें हुई थीं, तो इस साल अब तक केवल 23 घटनाएं ही हुई हैं, इनमें से 15 जम्मू में और 8 कश्मीर में हुईं। इसके अलावा सुरक्षाबलों और आम लोगों की जानें भी कम गईं।

इस साल 27 सितंबर तक जम्मू में 15 आतंकी हमलों और मुठभेड़ों में 11 नागरिकों और 17 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई है। 2014 में जहां 47 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई, जो इस बार घटकर 25 रह गई है, जिनमें से 17 अकेले जम्मू में शहीद हुए। वहीं आतंकियों की मौत की बात करें, तो 2014 में सुरक्षा बलों ने 45 आतंकवादियों को मार गिराया था, जबकि 2024 में यह संख्या 110 रही। इनमें से 18 विदेशी और 17 स्थानीय आतंकवादियों सहित 35 को कश्मीर में मार गिराया गया, जबकि जम्मू में 10 आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया।

किस स्थान पर कैसे बने देवी सती के शक्तिपीठ

अस्तित्व में आने की क्या है वजह, जानिए

देवी के प्रसिद्ध और पावन मंदिरों में 52 शक्तिपीठ शामिल हैं। वैसे तो 51 शक्तिपीठ माने जाते हैं, लेकिन तंत्र चूड़ामणि में 52 शक्तिपीठ बताए गए हैं। इन शक्तिपीठ के अस्तित्व में आने के पीछे एक खास वजह मिलती है। हिंदू धर्म में देवी सती के 51 शक्तिपीठ का बेहद महत्त्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन सभी शक्ति पीठ बनने के पीछे की वजह क्या है और माता सती के 51 कहां–कहां स्थित हैं? ऐसे में आइए आपको इस लेख में पौराणिक कथा के अनुसार देवी के शक्ति पीठों के बनने की वजह के बारे में बताते हैं। साथ ही यह भी बताते हैं कि ये 51 शक्तिपीठ कहां–कहां हैं।

देवी पुराण में 51 शक्तिपीठ, देवी भागवत में 108 और देवी गीता में 72 शक्तिपीठों का वर्णन मिलता है। देवी पुराण में जो 51 शक्तिपीठ बताए गए हैं, उनमें से कुछ विदेश में भी स्थापित हैं। भारत में कुल 42 शक्तिपीठ हैं। जबकि बांग्लादेश में 4, नेपाल में 2 और श्रीलंका-पाकिस्तान और तिब्बत में 1–1 शक्तिपीठ हैं।

माता सती के 51 शक्तिपीठ के नाम

देवी बाहुला– एक प्रतीक माता सती का बायां हाथ अजेय नदी के पास पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले में गिरा था, जहां देवी बाहुला के रूप में पूजी जाती हैं।

मंगल चंद्रिका– माता की दाईं कलाई पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले में उज्जनि में गिरी थी। माता का मंगल चंद्रिका रूप यहां है।

भ्रामरी देवी– धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, माता का बायां पैर पश्चिम बंगाल के जलपाइगुड़ी में गिरा था, जहां मां सती का भ्रामरी रूप पूजा जाता है।

जुगाड्या– माता सती का दाएं पैर का अगूंठा पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले में गिरा था। माता सती यहां जुगाड़ी रूप में विराजमान है।

माता कालिका– मां का बाएं पैर का अगूंठा पश्चिम बंगाल के कोलकाता के कालीघाट में गिर गया था। यहां माता को कालिका कहा जाता है।

महिषमर्दिनी– मां सती का भ्रूण भी पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में गिरा था। इसलिए माता को यहां महिषमर्दिनी भी कहा जाता है।

देवगर्भ– पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में माता सती की अस्थियां गिरी होती हैं। यहां देवी को देवगर्भ कहा जाता है।

देवी कपालिनी– मां सती की बायीं एड़ी पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में गिरी थी। यहां माता का कपालिनी रूप पूजा जाता है।

फुल्लरा– पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में मां सती का ओष्ठ भी मिल गया है। इस जगह माता सती की पूजा फुल्लरा रूप में की जाती है।

अवंति– मध्य प्रदेश के उज्जैनी में क्षिप्रा नदी तट पर माता सती का ऊपरी होंठ गिरा। यहां वे अवंति कहलाती हैं।

नंदिनी– बीरभूम, पश्चिम बंगाल में माता सती का नंदिनी रूप पूजा जाता है। यह भी कहा जाता है कि यहीं देवी सती के गले का हार गिरा था।

देवी कुमारी– माता सती का दायां कंधा पश्चिम बंगाल में रत्नाकर नदी के पास गिरा था, जहां वे देवी कुमारी कहलातीहैं।

देवी उमा– मां सती का बायां (कंधा) स्कंध भारत–नेपाल बॉर्डर पर गिरा था। जहां माता उमा विराजमान हैं।

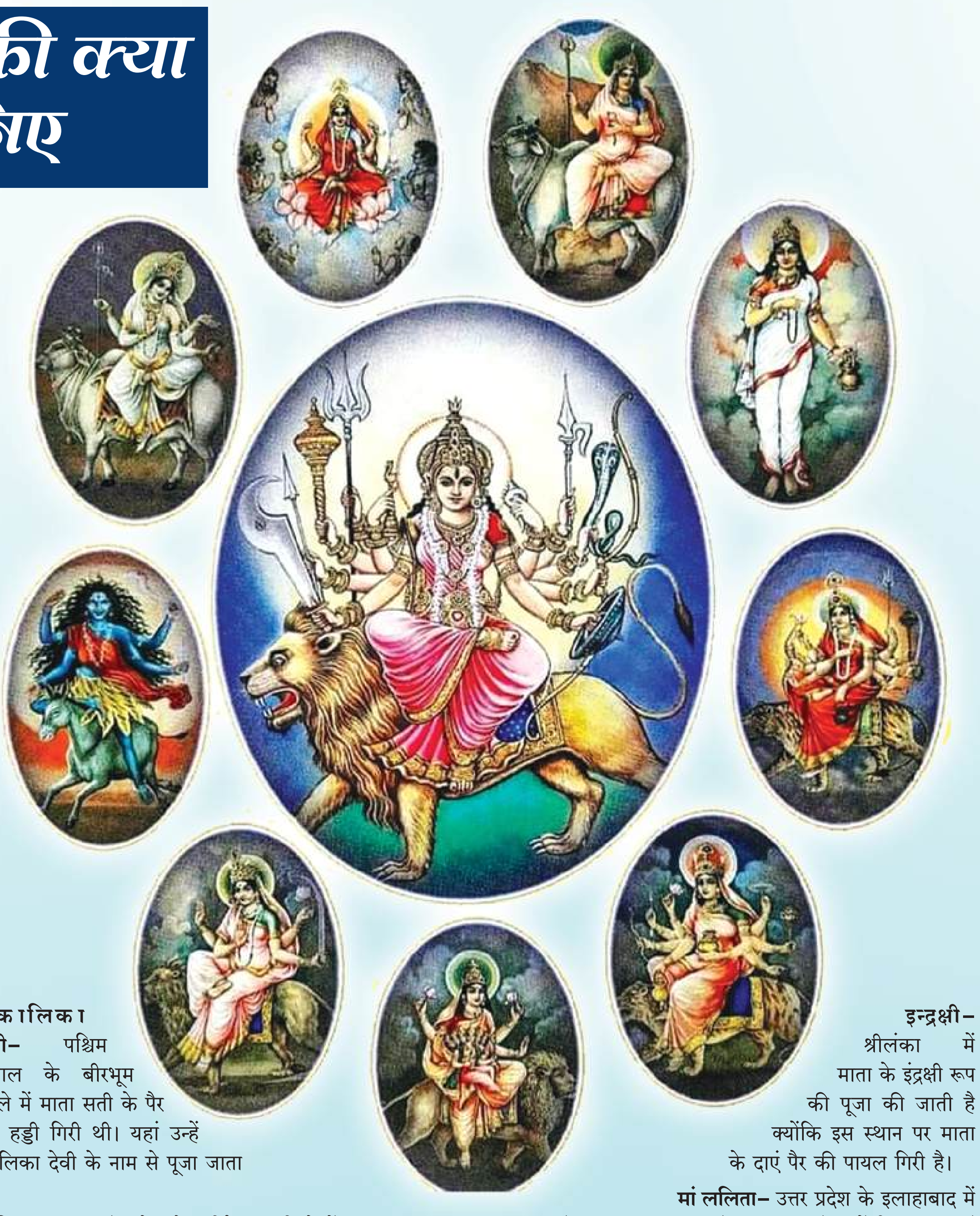

कालिका देवी– पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में माता सती के पैर की हड्डी गिरी थी। यहां उन्हें कालिका देवी के नाम से पूजा जाता है।

इन्द्रक्षी– श्रीलंका में माता के इंद्रक्षी रूप की पूजा की जाती है क्योंकि इस स्थान पर माता के दाएं पैर की पायल गिरी है।

विमला जी– बांग्लादेश के मुर्शिदाबाद जिले में माता सती की पूजा विमला नाम से की जाती है, जहां उनके माथे का मुकुट गिरा था।

मां भवानी– मां की दायीं भुजा बांग्लादेश के चिट्टागौंग जिले में चंद्रनाथ पर्वत के शिखर पर गिरी थी। यहां मां सती को भवानी कहते हैं।

सुनंदा– माना जाता है कि माता सती की नाक बांग्लादेश के बरिसल में गिरी थी। यहां माता का सुनहरा रूप है।

देवोत्सव– मां सती की बायीं जांघ बांग्लादेश के जयंतिया परगना में गिरी थी, जिसे देवी जयंती कहा जाता है।

महालक्ष्मी देवी– बांग्लादेश के जैनपुर गांव में मां सती के पार्थिव शरीर को शिव जी उठाकर ले जा रहे थे, तब माता सती का गला यहां गिरा था। यहां देवी की पूजा महालक्ष्मी के रूप में की जाती है।

योगेश्वरी– माना जाता है कि मां सती के हाथ और पैर बांग्लादेश के खुलना जिले में गिरे थे। यहां उन्हें योगेश्वरी कहा जाता है।

अर्पण– माता सती की बाएं पैर की पायल बांग्लादेश के भवानीपुर गांव में गिरी थी। जहां उनकी अर्पण रूप में पूजा होती है।

मां ललिता– उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में मां सती की हाथ की अंगुली प्रयाग संगम में गिरी थी। यहां माता सती को ललिता रूप में पूजा जाता है।

मणकर्णी– उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मां को विशालाक्षी या मणकर्णी नाम से पूजा जाता है क्योंकि यहां उनकी कान की मणि गिरी थी।

देवी शिवानी– एक पौराणिक कहानी कहती है कि उत्तर प्रदेश के चित्रकूट रामगिरी में मां सती का दायां वक्ष गिर गया था। यहां देवी शिवानी का नाम है।

चूड़ामणि– एक खनिज उत्तर प्रदेश के वृंदावन में मां सती के केश की चूड़ामणि मिली। जहां माता सती को उमा कहा जाता है।

श्रावणि– तमिलनाडु के भद्रकाली मंदिर में मां सती की पीठ गिरी। यहां उन्हें श्रावणी कहा जाता है।

सावित्री– एक देवी हरियाणा के कुरुक्षेत्र में मां सती की एड़ी गिरी। इस जगह माता का सावित्री रूप विराजमान है।

देवी गायत्री– राजस्थान के अजमेर में मां सती को गायत्री पर्वत पर पूजा जाता है, जहां उनकी कलाई गिरी थी।

मां काली– मध्य प्रदेश के अमरकंटक में मां सती का बायां नितंब गिरा था। यहां काली पूजा जाती है।

देवी नर्मदा– मध्य प्रदेश के अमरकंटक में मां सती का दायां नितंब नर्मदा नदी तट पर गिरा था। यहां देवी को नर्मदा कहा जाता है।

देवी नारायणी– पौराणिक कथाओं के अनुसार, तमिलनाडु के कन्याकुमारी–तिरुवंतपुरम मार्ग पर मां सती की ऊपरी दाड़ गिरी थी। यह देवी का नारायणी रूप है।

वाराही– उत्तर प्रदेश के गोंडा में स्थित इस मंदिर में माता सती की निचली दाढ़ गिरी थी। यहां देवी की वाराही रूप में पूजा जाता है।

श्री सुंदरी– आंध्र प्रदेश के कुरनूल श्रीशैलम में मां सती का दाएं पैर की पायल गिरी होती है। जहां वे श्री सुंदरी नाम से पूजी जाती हैं।

चंद्रभागा– भगवान शिव ने माता सती का पार्थिव शरीर उठाते समय सोमनाथ मंदिर के पास गुजरात के जूनागढ़ जिले में मां का अमाशय गिरा था। यहां देवी को चंद्रभागा कहा जाता है।

भ्रामरी देवी– एक पौराणिक कथा के अनुसार, मां सती की ठोड़ी गोदावरी घाटी में महाराष्ट्र के नासिक में गिरी थी। माता यहां भ्रामरी कहलाती हैं।

राकिनी देवी– आंध्र प्रदेश के कोटिलिंगेश्वर मंदिर में मां सती का गाल गिरा था। जहां राकिनी माता की पूजा की जाती है

देवी अंबि– मां सती के बायें पैर की उंगली राजस्थान के भरतपुर में गिरी थी। यहां पर माता सती को अंबि नाम से पूजा जाता है।

महाशिरा– ऐसा माना जाता है कि नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर के पास गुजयेश्वरी मंदिर में मां सती के दोनों घुटने गिरे हैं। इस स्थान पर मां का महाशिरा रूप की पूजा की जाती है।

गण्डकी चंडी– मुक्तिनाथ मंदिर नेपाल के पोखरा में गण्डकी नदी के तट पर है। माना जाता है कि मां सती का मस्तक इस जगह गिरा था। यहां मां को गंडकी चंडी की तरह पूजा जाता है।

जयदुर्गा– कर्नाटक में स्थित इस मंदिर में मां सती के दोनों कान गिरे थे। यह स्थान जयदुर्गा कहलाता है।

कोट्टरी– हिंगलाज माता का शक्तिपीठ लारी तहसील, बलूचिस्तान, पाकिस्तान में है। माना जाता है कि इस जगह मां सती का सिर गिरा था। यहां मां को कोट्टरी कहते हैं।

महिष मर्दिनी– माता सती का नैना देवी मंदिर हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में है। इस स्थान पर माना जाता है कि यहां माता सती की आखें गिरी थीं। इस जगह पर माता की महिष मर्दिनी के रूप में पूजा की जाती है।

देवी अंबिका– हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में मां सती की जीभ गिरी थी। यहां माता सती का अंबिका रूप पूजा जाता है।

देवी महामाया– मां सती का गला कश्मीर के पहलगाम स्थित अमरनाथ में गिरा था। यहां देवी को महामाया कहा जाता है।

त्रिपुरमालिनी– माता सती का दायां वक्ष पंजाब के जालंधर में गिरा था। यहां देवी को त्रिपुरमालिनी के रूप में पूजा जाता है।

माता अंबाजी– देवी सती का हृदय गुजरात के अंबाजी मंदिर में गिरा था। इस स्थान पर माता को अंबाजी कहते हैं।

मां दाक्षायनी– तिब्बत के पास कैलाश पर्वत पर माता सती का दायां हाथ गिरा था। यहां माता सती को दाक्षायनी के रूप में पूजा जाता है।

देवी विमला– माता सती की नाभि उड़ीसा में भुवनेश्वर में गिरी थी। आज मां सती को विमला रूप में पूजा जाता है।

त्रिपुर सुंदरी– एक महिला मान्यता है कि माता सती का दायां पैर त्रिपुरा के माताबढ़ी शिखर उदयपुर में गिरा था। यहीं माता को त्रिपुर सुंदरी का नाम मिलता है।

कामाख्या देवी– असम के गुवाहाटी के कामगिरी में माता सती की योनि गिरी है। यहां कामाख्या देवी की पूजा करने के लिए कामाख्या मंदिर बनाया गया है।

यहां देवी की नहीं बल्कि पालना की होती है पूजा

धर्म और आस्था की नगरी तीर्थराज प्रयाग में एक ऐसा मंदिर है जहां देवी की नहीं बल्कि मां अलोप शंकरी देवी मंदिर में पालना की पूजा श्रद्धालु करते हैं। शारदीय नवरात्र चल रहा है। यहां भोर से ही मंदिर के अंदर बने पालने का दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगती है। श्रद्धालु झूलते पालना का दर्शन करते हैं। 52 द्वादश शक्तिपीठों में एक है। यहां देश के कोने–कोने से विशेष कर दक्षिण भारत से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन पूजन के लिए पहुंचते हैं। नवरात्र में माता रानी का श्रृंगार तो नहीं होता लेकिन उनके सभी स्वरूपों का पाठ किया जाता है।

श्री अलोप शंकरी शक्तिपीठ मंदिर और पंचायती अखाड़ा के महंत यमुनापुरी ने बताया कि यह 52 शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि जब देवी सती अपने पिता दक्ष के बिना बुलाए यज्ञ में पहुंच गईं तो वहां उनका और उनके पति महादेव का अपमान हुआ। इससे नाराज होकर देवी सती यज्ञ की अग्नि में कूद गईं और प्राण त्याग दिए।

महादेव क्रोधित हो गए और देवी सती की मृत शरीर के साथ आकाश में यात्रा की। उन्हें इस पीड़ा से राहत देने के लिए भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र चलाकर सती के शरीर के टुकड़े कर दिए, जो भारत में विभिन्न स्थानों पर गिरे और देवी के शरीर के अंगों से स्पर्श होने के बाद तीर्थ यात्रा के लिए पवित्र स्थान हो गए और शक्ति पीठ बने। मां भगवती के दाहिने हाथ की छोटी उंगली प्रयागराज में इसी स्थान गिरी थी। देवी पुराण और पद्मपुराण में मां अलोप शंकरी देवी का वर्णन मिलता है। यह पौराणिक शक्ति पीठ है।

उन्होंने बताया कि देवी के शरीर के अंग जहां–जहां गिरे वहां शक्तिपीठ स्थापित हुई। प्रयागराज में देवी सती के दाहिने हाथ की अंगुली गिरी थी और इसी स्थान पर मां अलोप शंकरी मंदिर शक्तिपीठ बन गई थी। अंगुली जिस कुंड में गिरी थी उसमें गिरते ही वह अलोप हो गई। इसलिए इसे अलोपी देवी मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर में कुंड के ऊपर लकड़ी का पालना लटकता रहता है और वह लाल वस्त्र से ढ़का रहता है। दक्षिण भारत में इसे अष्टादश मांधेश्वरी के रूप में मानते हैं। बड़ी संख्या में यहां पर वे आकर पूजा पाठ करते हैं।

महंत ने बताया कि अलोप शंकरी का मतलब है जिसका कभी लोप नहीं हो भगवती यहां अपनी ऊर्जा शक्ति से विराजमान रहती हैं। नवरात्र में यहां मां के सभी स्वरूपों का पाठ किया जाता है। यह पालना माता और पुत्र के बीच का संबंध बताता है। पालना के नीचे एक बेदी है और उसके नीचे एक कुंड है जिसमें गंगाजल भरा रहता है।

थावे दुर्गा मंदिर में पूरी होती हैं श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं

बिहार में गोपालगंज जिले के थावे दुर्गा मंदिर में सच्चे मन से पूजा–अर्चना करने वाले भक्तों और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती है। गोपालगंज के सुप्रसिद्ध थावे दुर्गा मंदिर दो तरफ से जंगलों से घिरा है और इस मंदिर का गर्भगृह काफी पुराना है। इस मंदिर में नेपाल, उत्तर प्रदेश, बिहार के कई जिले से श्रद्धालु पूजा–अर्चना एवं दर्शन करने आते हैं। वैसे यहां सालों भर भक्तों की कतार लगी रहती है, लेकिन चैत्र और शारदीय नवरात्र में पूजा करने का विशेष महत्व है। नवरात्रि के नौ दिनो में यहां विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। नवरात्र में यहां खास मेला भी लगाया जाता है। इसके अलावा इस मंदिर में सोमवार और शुक्रवार को विशेष पूजा होती है।

सावन के महीने में भी मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। इस मंदिर को लोग थावे वाली माता का मंदिर, सिंहासिनी भवानी के नाम से भी जानते हैं। यहां नवरात्र में पशुबलि देने की भी परम्परा है। लोग मां के दरबार में खाली हाथ आते हैं लेकिन मां के आशीर्वाद से भक्तों की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। थावे दुर्गा मंदिर को सिद्धपीठ माना जाता है।

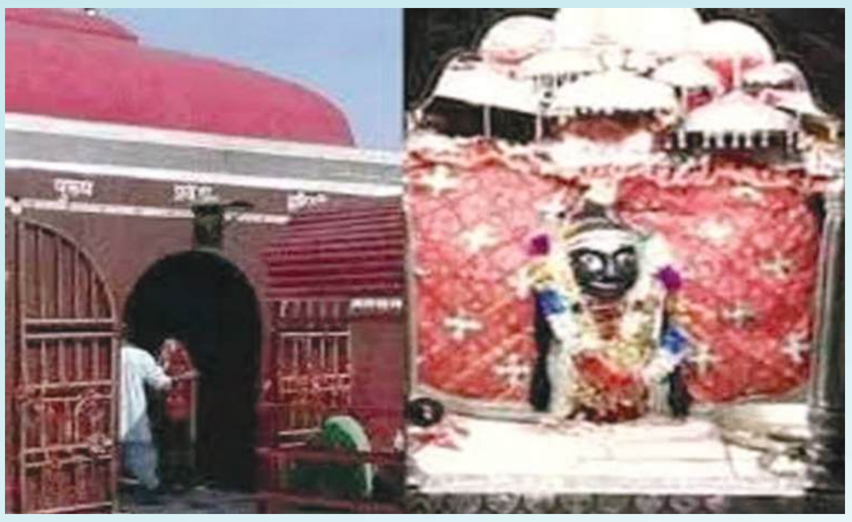

थावे दुर्गा मंदिर की स्थापना की कहानी काफी रोचक है। चेरो वंश के राजा मनन सिंह खुद को मां दुर्गा का बड़ा भक्त मानते थे, तभी अचानक उस राजा के राज्य में अकाल पड़ गया। उसी दौरान थावे में माता रानी का एक भक्त रहषु था। रहषु के द्वारा पटेर को बाघ से दौनी करने पर चावल निकलने लगा। यही वजह थी कि वहां के लोगों को खाने के लिए अनाज मिलने लगा। यह बात राजा तक पहुंची लेकिन राजा को इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा था। राजा रहषु के विरोध में हो गया और उसे ढोंगी कहने लगा और उसने रहषु से कहा कि मां को यहां बुलाओ। इस पर रहषु ने राजा से कहा कि यदि मां यहां आईं तो राज्य को बर्बाद कर देंगी लेकिन राजा नहीं माना। रहषु भगत के आह्वान पर देवी मां कामाख्या से चलकर पटना और सारण के आमी होते हुए गोपालगंज के थावे पहुंची। राजा के सभी भवन गिर गए। इसके बाद राजा मर गया।

एक अन्य मान्यता के अनुसार, हथुआ के राजा युवराज शाही बहादुर ने वर्ष 1714 में थावे दुर्गा मंदिर की स्थापना उस समय की जब वे चंपारण के जमींदार काबुल मोहम्मद बड़हरिया से दसवीं बार लड़ाई हारने के बाद फौज सहित हथुआ वापस लौट रहे थे। इसी दौरान थावे जंगल मे एक विशाल वृक्ष के नीचे पड़ाव डाल कर आराम करने के समय उन्हें अचानक स्वप्न में मां दुर्गा दिखीं। स्वप्न में आये तथ्यों के अनुरूप राजा ने काबुल मोहम्मद बड़हरिया पर आक्रमण कर विजय हासिल की और कल्याण पुर, हुसेपुर, सेलारी, भेलारी, तुरकहा और भुरकाहा को अपने राज के अधीन कर लिया। विजय हासिल करने के बाद उस वृक्ष के चार कदम उत्तर दिशा में राजा ने खुदाई कराई, जहां दस फुट नीचे वन दुर्गा की प्रतिमा मिली और वहीं मंदिर की स्थापना की गई।

रणबीर कपूर की धूम 4 में धमाकेदार एंट्री

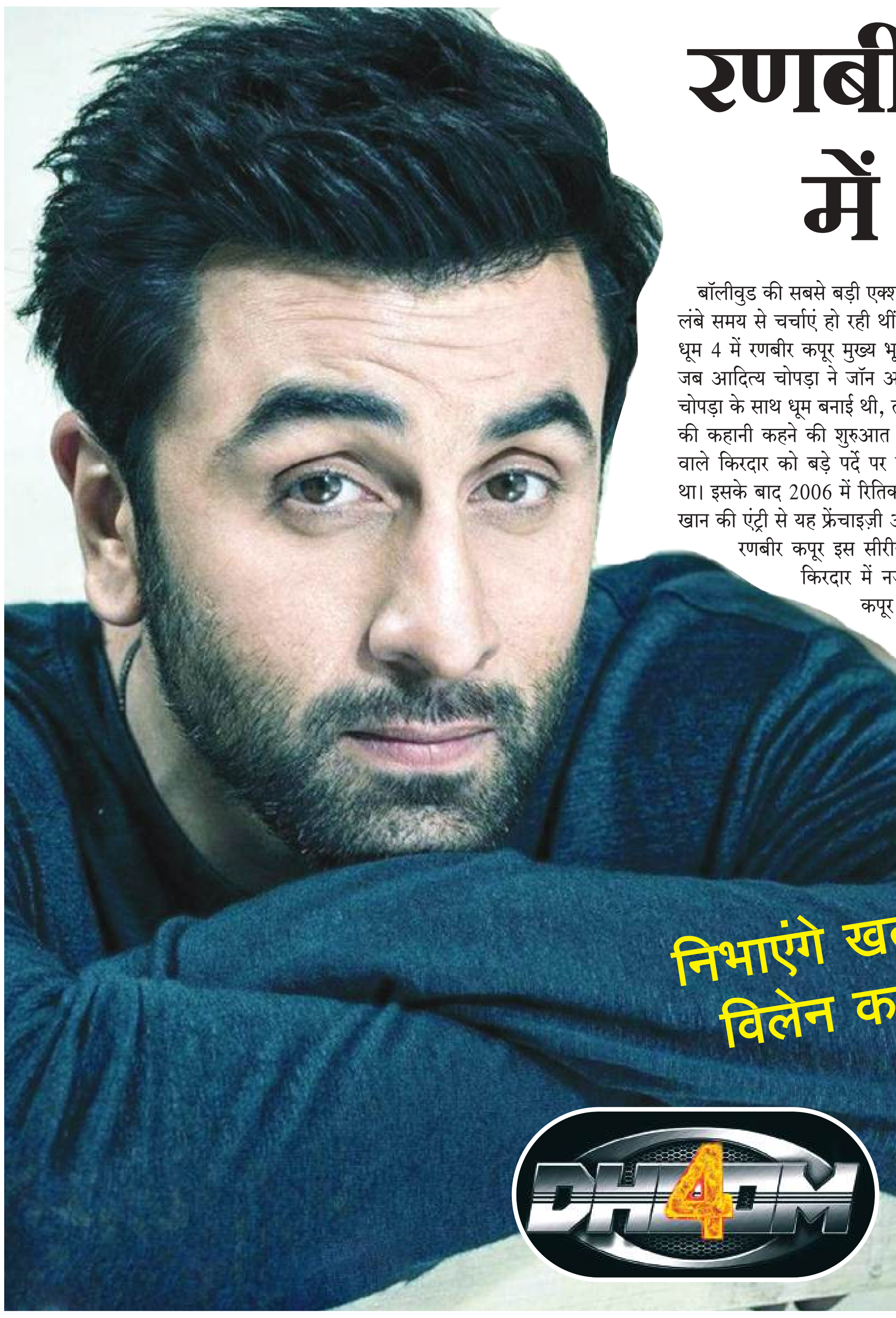

बॉलीवुड की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म फ्रेंचाइज़ी धूमळ को लेकर लंबे समय से चर्चाएं हो रही थीं, और अब यह तय हो गया है कि धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य भूमिका निभाने जा रहे हैं। 2004 में जब आदित्य चोपड़ा ने जॉन अब्राहम, अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के साथ धूम बनाई थी, तब इसने बॉलीवुड में एक नए तरीके की कहानी कहने की शुरुआत की थी। जॉन अब्राहम ने ग्रे शेड्स वाले किरदार को बड़े पर्दे पर बेहद कूल अंदाज में प्रस्तुत किया था। इसके बाद 2006 में रितिक रोशन और फिर 2013 में आमिर खान की एंट्री से यह फ्रेंचाइज़ी और भी सफल होती चली गई। अब रणबीर कपूर इस सीरीज़ के चौथे भाग में खलनायक के किरदार में नजर आएंगे।धूम 4 के लिए रणबीर कपूर को नकारात्मक भूमिका में लिया गया है, और यह पूरी तरह से एक रिबूट फिल्म होगी। इसका मतलब है कि पिछली फिल्मों के कोई भी मुख्य कलाकार इस बार नजर नहीं आएंगे। फिल्म में दो नए युवा सुपरस्टार्स को पुलिस की जोड़ी के रूप में कास्ट किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस बार धूम 4 सिर्फ सबसे बड़ी धूम फिल्म ही नहीं होगी, बल्कि भारतीय सिनेमा की ग्लोबल स्टैंडर्ड पर बनी एक भव्य फिल्म होगी।धूम 4 अब प्री-प्रोडक्शन स्टेज में प्रवेश कर चुकी है, और यह आदित्य चोपड़ा के नेतृत्व में वाईआरएफ (यशराज फिल्म्स) के बैनर तले तैयार की जा रही है। आदित्य चोपड़ा ने पिछले सभी हिस्सों की तरह इस बार भी विजय कृष्ण आचार्य के साथ मिलकर धूम 4 की स्क्रिप्ट तैयार की है। फिल्म की कहानी और विज़न को ऐसा रखा जा रहा है जिससे दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव मिल सके।रणबीर कपूर के साथ लंबे समय से बातचीत चल रही थी, और अब यह तय हो गया है कि वह इस फिल्म का नेतृत्व करेंगे। रणबीर पहले से ही धूम 4 का हिस्सा बनने में रुचि दिखा रहे थे और अब वह इसके मुख्य अभिनेता के रूप में कंफर्म हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, आदित्य चोपड़ा का मानना है कि रणबीर इस फ्रेंचाइज़ी को आगे बढ़ाने के लिए एकदम सही विकल्प हैं।धूम 4 की शूटिंग 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है। रणबीर कपूर फिलहाल लव एंड वॉर और रामायण 1 और 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं, और इन्हें पूरा करने के बाद वह धूम 4 पर काम शुरू करेंगे। दिलचस्प बात यह है कि धूम 4 रणबीर कपूर के करियर की 25वीं फिल्म होगी और इसे वह एक खास फिल्म बनाने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। इसके बाद वह एनिमल पार्क पर काम करेंगे, जिससे उनका यह दशक शानदार होने वाला है।यशराज फिल्म्स के पास आने वाले 5 सालों में वॉर 2, अल्फा, मर्दानी 3, पठान 2, टाइगर वर्सेज पठान और धूम 4 जैसी कई बड़ी फिल्में हैं, जो भारतीय सिनेमा में एक नई पहचान बनाएंगी।रणबीर कपूर इस दशक के अंत तक धूम 4, लव एंड वॉर, रामायण फ्रेंचाइज़ी और एनिमल पार्क जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड के शीर्ष स्थान पर अपनी जगह पक्की करने की दिशा में बढ़ रहे हैं। धूम फ्रेंचाइज़ी की बात करें तो इसकी पहली फिल्म एक कल्ट क्लासिक मानी जाती है, और इसके बाद की फिल्में धूम 2 और धूम 3 ने बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट दी थी।

अदा शर्मा की नई वेब सीरीज रीता सान्याल का ऐलान

रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

अभिनेत्री अदा शर्मा आगामी सीरीज रीता सान्याल में एक वकील का किरदार निभाती नजर आएंगी और उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ एक शो में 10 भूमिकाएं निभाने का मौका मिला।अभिरूप घोष द्वारा निर्देशित यह सीरीज प्रशंसित लेखक अमित खान द्वारा रचित चरित्र पर आधारित है।अदा ने कहा, मैं हमेशा से रीता सान्याल जैसा किरदार निभाना चाहती थी। मैं भाग्यशाली रही हूं कि मुझे टाइपकास्ट नहीं किया गया और मुझे कुछ सराहनीय, कुछ डरावने, कुछ प्यारे किरदार निभाने को मिले। लेकिन जिस पल मैंने रीता सान्याल की स्क्रिप्ट पढ़ी, मुझे लगा कि यह शो मेरे लिए ही है।उन्?होंने कहा कि कलाकार के रूप में हमें अलग-अलग किरदार निभाने के लिए अलग-अलग प्रोजेक्ट करने पड़ते हैं। यहां मुझे एक शो में 10 लोगों का किरदार निभाने का मौका मिला।उन्होंने बताया कि इस शो में एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा, रोमांच, अपराध सब कुछ है।अदा ने बताया, यह सीरीज एक लड़की के सामने आने वाली चुनौतियों का सार प्रस्तुत करती है जो एक वकील और जासूस के रूप में बड़ा नाम बनाने की कोशिश कर रही है। जो चीज इसे पहले देखी गई चीजों से अलग बनाती है, वह यह है कि रीता सान्याल कॉमिक बुक पढने़ जैसा है। यह मजेदार और रोमांचकारी है।इस सीरीज में राहुल देव, अंकुर राठी और माणिक पपनेजा जैसे स्टार कलाकार भी शामिल होंगे।कीलाइट प्रोडक्शंस के निर्माता और सह-संस्थापक राजेश्वर नायर ने कहा, कहानी सुनाने की कला में मुझे जो कुछ भी पसंद है, वह सब कुछ इसमें है। यह बेहद ही मनोरंजक है। यह दर्शकों को सीटों पर बांधे रखेंगी। अदा ने रीता के किरदार को सहजता से निभाया है और उसे जीवंत कर दिया है। वह एक बेहतरीन अदाकारा हैं और उन्होंने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है।कीलाइट प्रोडक्शंस के बैनर तले राजेश्वर नायर और कृष्णन अय्यर द्वारा निर्मित रीता सान्याल 14 अक्टूबर से डिज्नी पलस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

सलमान खान की फिल्म किक 2 का हुआ ऐलान

साजिद नाडियाडवाला ने अपनी आगामी फिल्म किक 2 का ऑफिशियल एलान किया है। इतना ही नहीं, प्रोड्यूसर ने फिल्म के सेट से सलमान खान का फर्स्ट लुक भी जारी किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर किक 2 से सलमान खान तस्वीर शेयर की है। उन्होंने डेविल की मोनोक्रोम तस्वीर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है, यह एक शानदार किक 2 फोटोशूट था सिकंदर। फ्रॉम ग्रैंड, साजिद नाडियाडवाला।किक 2 से सलमान खान का फर्स्ट लुक सामने आते ही फैंस का रिएक्शन आना शुरू हो गया। एक फैन ने लिखा है, सिकंदर के बाद डेविल। एक दूसरे फैन ने लिखा है, आइकोनिक बैकपोज। एक और फैन ने लिखा है, असली शो अब चालू होने वाला है, क्योंकि अब डेविल आने वाला है। अन्य फैंस ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन को फायर इमोजी से भर दिया है।किक 2 सलमान खान की 2014 की फिल्म किक का सीक्वल है। किक नाडियाडवाला की निर्देशन में पहली फिल्म थी, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। सलमान खान की एक्शन फिल्म फैंस और दर्शकों को

काफी पसंद आई थी। फिल्म ने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ था और इसी के साथ यह उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक फिल्म साबित हुई।सलमान खान इन दिनों एआर मुरुगादॉस की फिल्म सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं एआर मुरुगादॉस की फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। सिकंदर ईद 2025 पर रिलीज के लिए तैयार है।

बिग बॉस 18 में नजर आएंगी उर्फी जावेद की बहन उरुसा

चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन के साथ सलमान खान एक बार फिर से वापसी के लिए तैयार हैं।6 अक्टूबर से बिग बॉस 18 शुरू होने जा रहा है, जिसका प्रशंसक भी काफी समय से इंतजार कर रहे थे।अब तक इसके कई प्रोमो सामने आ गए हैं, वहीं निया शर्मा इस सीजन की पहली प्रतियोगी हैं।अब खबर आ रही है कि उर्फी जावेद की बहन उरुसा भी बिग बॉस 18 में नजर आ सकती हैं।कहा जा रहा है कि निर्माताओं ने कुछ दिन पहले बिग बॉस 18 के लिए उरुसा से संपर्क किया था और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है। एक सूत्र ने कहा, उरुसा बिग बॉस 18 में नजर आ सकती हैं। चीजें अभी तय नहीं हुई हैं और वह निर्माताओं के साथ बातचीत के अंतिम चरण में हैं।अब दर्शक उन्हें शो में देखने के लिए उत्साहित हो रहे हैं।बता दें कि उरुसा साल 2021 में आया रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी के पहले सीजन में नजर आई थीं, जिससे उनकी लोकप्रियता में काफी इजाफा हुआ।उर्फी ने हाल ही में ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है। उनके करियर की पहली वेब सीरीज फॉलो कर लो यार को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।इस सीरीज में उर्फी की बहन उरुसा की भी झलक दिखी थी।

बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की एंट्री

सनी देओल संग सीमापार दुश्मनों से लेंगे लोहा

बॉर्डर 2 में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के बाद अब सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की एंट्री हो गई है। फिल्म बॉर्डर में सुनील शेट्टी ने शानदार काम किया था और वह फिल्म में अपने रोल में शहीद हो गए थे। अब फिल्म बॉर्डर 2 में सुनील शेट्टी की कमी को पूरा करने के लिए उनके बेटे अहान शेट्टी को फौजी बनाकर उतारा गया है। सनी देओल और अहान शेट्टी ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस को इसकी जानकारी दी है। साथ ही एक टीजर भी जारी किया है।बॉर्डर 2 के सामने आए टीजर में फिल्म बॉर्डर से सुनील शेट्टी की झलक दिख रही हैं, जिसमें सुनील शेट्टी दुश्मनों से लोहा लेते दिख रहे हैं। वहीं, अब यही काम बॉर्डर 2 में उनके बेटे अहान शेट्टी करने जा रहे हैं। इस फिल्म का बीती जून में एलान हुआ था। फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ की एंट्री हो चुकी है और अब फिल्म में अहान शेट्टी फौलादी फौजी के रोल में नजर आएंगे।बता दें, बॉर्डर 2 को जेपी दत्ता, निधि दत्ता, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म बॉर्डर 2 के लिए दर्शकों को लंबा इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि फिल्म 23 जनवरी 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। बता दें, 13 जून 1997 को फिल्म बॉर्डर रिलीज हुई थी, जिसे जेपी दत्ता ने डायरेक्ट किया था। बॉर्डर हिंदी सिनेमा में वॉर फिल्मों की कैटेगरी में सबसे हिट फिल्मों की लिस्ट में टॉप पर आती है। अब देखना होगा कि क्या बॉर्डर 2 वो मुकाम हासिल कर पाएगी, जो बॉर्डर ने किया था।

पर्पल साड़ी पहन गजब की खूबसूरत लगीं श्वेता तिवारी

टीवी और भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद ही स्टनिंग फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोगों के होश उड़ गए हैं।अपनी एक्टिंग, फिटनेस और खूबसूरती को लेकर चर्चाओं में रहने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अक्सर सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों पर वायरल होने लगती हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।बता दें इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस श्वेता तिवारी अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही लोगों के बीच ट्रेंड करने लगता है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने पर्पल कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो किलर पोज देते हुए फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस की उम्र 43 साल हो चुकी हैं, लेकिन हॉटनेस के मामले में आज भी वो बॉलीवुड की स्टार अभिनेत्रियों को मात देती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस दो बच्चों की मां हैं। उनकी बड़ी बेटी पलक 23 साल

की है।श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए रिएक्शंस देते हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। फूल देकर अपने प्यार का इज़हार करें! आपका कम्युनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा। दिन के पहले भाग में ख़ुद को थोड़ा अलसाहट भरा महसूस कर सकते हैं, लेकिन अगर आप घर से बाहर निकलने की हिम्मत जुटाएं तो काफ़ी काम किया जा सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को बताकर और अपने कामों से जताकर महसूस कराएं कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। इससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी और इस ख़ुशी को दोगुना करने के लिए उनके साथ अच्छा वक़्त बिताएं। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएं। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी। मुमकिन है कि आपके माता-पिता आपके जीवनसाथी को कुछ शानदार आशीर्वाद दें, जिसके चलते आपके वैवाहिक जीवन में और निखार आएगा। अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरूरी सामान को एक बार जरूर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खास दिन है,आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ुशख़बरी दे सकता है। जो चीज़ें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जो बात सच्ची होती है उन्हें कहने में आपके शब्द भी कम जाया होते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैदा होगी। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आपके मानसिक तनाव को कम करने में दवा की तरह असरदार साबित होगी। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं। संभावना है कि आपके और आपके जीवनसाथी के बीच तनाव और बढ़ सकता है। इससे तनाव न करने की स्थिति में इसके दूरगामी परिणाम अच्छे नहीं होंगे। अपने भविष्य की योजना बनाने के लिए बिलकुल उपयुक्त दिन है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। धन की आवाजाही आज के दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत कर पाएंगे। में मशगूल हो पाएंगे। आपको आज ही अपने प्रिय को दिल की बात बताने की ज़रूरत है, क्योंकि कल बहुत देर हो जाएगी। अपने समय की क़ीमत समझें, उन लोगों के साथ रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा। आप अपने वैवाहिक जीवन की सारी ख़राब यादें भूल जाएंगे और आज का भरपूर लुत्फ़ लेंगे। ठंडा पानी पीना आज आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई लेनदार आपके दरवाज़े पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। उन्हें पैसे लौटाकर आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि उधार लेने से बचें। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज आप अपने प्रिय से अपने जज़्बात का इज़हार करने में मुश्किल महसूस करेंगे। ज़रूरतमंदों की मदद करने की आपकी ख़ासियत आपको सम्मान दिलवाएगी। काम करने से पहले हो सकता है अच्छा बुरा न सोचें, बल्कि ख़ुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। किसी ऐसे के साथ परस्पर संवाद की कमी जिसका आपको बहुत ख़याल है, आपको तनाव दे सकती है। आज ख़ाली वक़्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। बिना किसी का साथ पाये भी आज के दिन का आप भरपूर आनंद उठा पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाइयाँ हल हो जाएंगी। शाम को दोस्तों के साथ घूमें-फिरें, क्योंकि यह आपके लिए इस वक़्त बहुत ज़रूरी है। क्योंकि प्रेम में पड़ना आज के दिन आपके लिए दूसरी कठिनाइयाँ खड़ी कर सकता है। आज के दिन अधिकांश समय ख़रीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा। सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अंतिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपको समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है और इससे कुछ हासिल नहीं होगा। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल लें। रोमांस के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन नहीं है,समय का पहिया बहुत तेज़ी से चलता है इसलिए आज से ही अपने क़ीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। मुमकिन है कि आपका जीवनसाथी आज आपके लिए पर्याप्त समय न निकाल पाए। आज का दिन किसी भी धार्मिक स्थल के लिए समर्पित करना अपनी मानसिक शांति बनाए रखने का सर्वश्रेष्ठ तरीका हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए ख़ुलकर जिएँ। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फ़ायदा होने की पूरी संभावना है। घर के माहौल की वजह से आप उदास हो सकते हैं। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने समय का बेहतर मैनेजमेंट सीखना चाहिए। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा। आपके पिता आज आपके लिए कोई तोहफ़ा ला सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

एक आध्यात्मिक व्यक्ति आशीर्वाद की वर्षा करेगा और मन की शांति लेकर आएगा। हालाँकि धन आपकी मुट्ठियों से आसानी से सरक जाएगा, लेकिन आपके अच्छे सितारे तंगी नहीं आने देंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। जीवन में सरलता तभी रहती है जब आपका व्यवहार सरल रहता है। आपको भी अपने व्यवहार में सरलता लाने की जरूरत है।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 06 अक्टूबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया प्रातः 07:51 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 12:11 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 06:07 तक
करण : गर प्रातः 07:51 तक
चन्द्रराशि : तुला सायं 05:34 तक
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:00 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:06 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:58 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 05:52 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी व्रत , कूष्माण्डा पूजनम् , भद्रा रात्रि 08:52 से

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में 61 प्रतिशत से अधिक मतदान, मतगणना मंगलवार को

चंडीगढ़, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा की 90 सीटों के लिए 20 हजार से अधिक मतदान केन्द्रों पर शनिवार छह बजे मतदान शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया। राज्य में 61.38 प्रतिशत मतदान हुआ। वोटों की गिनती मंगलवार को की जाएगी।

चुनाव आयोग द्वारा जारी आँकड़ों के मुताबिक राज्य के 90 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में शाम साढ़े सात बजे तक कुल पंजीकृत 2.04 करोड़ मतदाताओं में से 61.38 प्रतिशत ने मताधिकार का प्रयोग किया था। चुनाव में 1031 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया, जिसमें 101 महिलाएं हैं। कुछ एक जगह छोटी-मोटी झड़प की शिकायतों को छोड़ कर पूरे राज्य में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हिसार जिले के खांडा खेड़ी गांव में एक मतदान केंद्र के पास भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी एवं पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और कांग्रेस प्रत्याशी जस्सी पेटवाड़ के बीच थोड़ी झड़प हो गई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू के साथ निर्वाचन सदन में स्थापित नियंत्रण कक्ष के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखी। आयोग के निर्देशानुसार, चुनाव कार्यवाही पर सख्त और निरंतर निगरानी के लिए सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी। फील्ड पर निगरानी और निरंतर

फीडबैक के लिए आयोग द्वारा 97 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया था।

आयोग से शाम सात बजे तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार राज्य के 17 जिलों में 60 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ और चार जिलों में 50 से अधिक तथा एक जिले में 50 प्रतिशत से कम मतदान हुआ। मेवात जिले में सबसे अधिक 68.28 प्रतिशत और गुरुग्राम में सबसे कम 49.97 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके अलावा अम्बाला में 63.35 प्रतिशत, भिवानी में 63.06, चरखी दादरी में 58.10, फरीदाबाद में 51.90, फतेहबाद में 67.05, हिसार में 65.70, झज्जर में 60.52, जींद में 66.02, कैथल में 62.53, करनाल में 60.42, कुरुक्षेत्र में 65.55, महेन्द्रगढ़ में 65.76, पलवल में 67.69, पंचकुला में 54.71, पानीपत में 60.52, रेवाड़ी में 62.85, रोहतक में 61.59, सिरसा में 65.37, सोनीपत में 56.69 और यमुनानगर जिला में 67.93 प्रतिशत मतदान हुआ।

राज्य में जगाधरी सीट पर सबसे अधिक 73.90 प्रतिशत और सबसे कम बडखल सीट में 19.00 प्रतिशत मतदान हुआ है।

रैली में कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता से छेड़छाड़ की घटना दुर्भाग्यपूर्ण: सैनी

चंडीगढ़, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि रैली में कांग्रेस की एक महिला कार्यकर्ता से छेड़छाड़ की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है।

सोशल मीडिया में कांग्रेस की एक रैली में एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक महिला को गलत तरीके से छूने की कोशिश करते एक व्यक्ति दिख रहा है। रैली कहां की और कब की है पता नहीं चल सका है, लेकिन कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने उक्त महिला से बात करने के बाद घटना की पुष्टि की है और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उधर, श्री सैनी ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा जैसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के स्टेज पर होते हुए भी अगर महिला के साथ छेड़-छाड़ होती है तो यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, इससे कांग्रेस की मानसिकता पता चलती है। उन्होंने कहा कि अगर छेड़छाड़ की शिकायत हमें मिलती है तो जरूर कार्रवाई करवाएंगे किसी को बख्शने का सवाल नहीं है।

प्रमुख नेताओं और प्रत्याशियों ने सुबह-सुबह किया मतदान

चंडीगढ़, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार सुबह शुरू हुए मतदान में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं और प्रत्याशियों ने सुबह-सुबह ही मतदान किया। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और शाम सात बजे तक चला।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर (करनाल में) के अलावा भाजपा से फतेहाबाद प्रत्याशी दुड़ाराम, यमुनानगर से घनश्याम अरोड़ा, गुहला से कुलवन्त बाजीगर, नारायणगढ़ से पवन सैनी, अटेली से आरती सिंह आदि मतदान करने वालों में शामिल थे। श्री सैनी ने इस अवसर पर कहा कि हम जीत रहे हैं और बड़े मैंडेट से सरकार बना रहे हैं। उधर, पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया कि

लोगों को लोकतंत्र के पर्व-विधानसभा चुनाव की शुभकामनाएं, आपका एक-एक वोट प्रदेश के भविष्य और उसकी दिशा को तय करेगा। आप सभी प्रदेश की उन्नति और खुशहाली के लिए वोट अवश्य करें और अपने आस-पास लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने हिसार में मतदान किया। मतदान के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि साफ दिखाई दे रहा है, हरियाणा में कॉंग्रेस आ रही है। भाजपा को 10 साल सत्ता मिली थी और कुशासन के दस साल अपनी कहानी खुद बयान कर रहे हैं। कॉंग्रेस ही विकल्प है। जननायक जनता पार्टी के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने वोट करने के बाद ट्वीट किया, हमने अपना फर्ज निभाया आप भी अपना फर्ज निभाएंगे… सभी मतदान करने जाएं।

कैप्टन अभिमन्यु और जस्सी पेटवाड़ के समर्थक आपस में भिड़े

हिसार, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान हिसार के खांडा खेड़ी गांव में पूर्व वित्त मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी कैप्टन अभिमन्यु और कांग्रेस प्रत्याशी जस्सी पेटवाड़ के समर्थकों के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों के समर्थक एक-दूसरे पर लात-घूंसे बरसाने लगे। पुलिस ने बीच-बचाव करते हुये दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रित किया। यह घटना शहीद भगत सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बूथ पर हुई।

फतेहाबाद से मिली खबरों के अनुसार वार्ड क्रमांक छह में वोटों की खरीद-फरोख्त के आरोपों को लेकर हंगामा हुआ। निर्दलीय प्रत्याशी काका चौधरी ने आरोप लगाया कि एक पूर्व पार्षद प्रतिनिधि वोटों की खरीद कर रहा है। इस सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। इसके अलावा, नांगल चौधरी में धोखेरा गांव में मतदान के दौरान भी झगड़ा हुआ। वोट डालने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतनी बढ़ गया कि दो पक्षों के बीच थप्पड़-मुक्के चलने लगे। पुलिस ने फिर से बीच-बचाव करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। हिसार में आईटीआई बूथ पर सुबह भाजपा से बगावत कर निर्दलीय चुनाव लड़ रहीं सावित्री जिंदल वोट डालने पहुंचीं। उन्होंने परिवार सहित मतदान किया। वहीं, निर्दलीय उम्मीदवार गौतम सरदाना ने परिवार के साथ मतदान किया। भाजपा प्रत्याशी कमल गुप्ता ने भी वोट डाला। कांग्रेस नेता कुमारी सैलजा ने अर्बन एस्टेट में वोट डाला। हिसार में मतदान प्रक्रिया शुरू होने के बाद सुबह तक मतदान प्रक्रिया धीमी गति से चली। कुछ बूथों पर पैसों में वोट खरीदने के आरोप भी लगाये गये हैं। इसको लेकर शिकायत भी दी गयी है। आदमपुर की अनाज मंडी के 54 नंबर बूथ पर भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई अपने पिता कुलदीप बिश्नोई और माता रेनुका बिश्नोई के साथ मतदान करने पहुंचे।

पार्टी आलाकमान तय करेगा मुख्यमंत्री : सैलजा

हिसार, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में सिरसा लोकसभा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को दोहराया कि कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री का फैसला पार्टी आलाकमान नवनिर्वाचित विधायकों से चर्चा के बाद करेगा। कांग्रेस महासचिव सैलजा ने वोट देने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा चूंकि सत्ता में है, उनके लिये मुख्यमंत्री का चेहरा पेश करना स्वाभाविक है, लेकिन कांग्रेस विपक्ष में होने के कारण ऐसा नहीं कर सकती। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने मुख्यमंत्री प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है, लेकिन हरियाणा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री पद का अघोषित चेहरा माने जा रहे हैं। भारतीय

जनता पार्टी के नेता एवं केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के उन्हें भाजपा में बुलाने के सवाल पर कुमारी सैलजा ने कहा कि पहले भाजपा अपना घर संभाले। आश्चर्यजनक रूप से, उन्होंने डॉ. अशोक तंवर के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आने को कोई तूल न देते हुए कहा, यह कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं है, लोग आते-जाते रहते हैं। श्री तंवर और सुश्री सैलजा दोनों दलित समाज से आते हैं, दोनों हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके हैं और मार्च में हुए लोकसभा चुनाव में सिरसा से प्रतिद्वंदी के रूप में चुनाव लड़ चुके हैं।

देश के विकास में ग्रामीणों की भागीदारी हो यही सपना था चौ चरण सिंह का : जयंत

बीकानेर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री जयंत चौधरी ने शनिवार को कहा कि देश के विकास में ग्रामीणों की भागीदारी हो और गांव का हर व्यक्ति मुख्य धारा से जुड़े, यही चौधरी चरण सिंह का सपना था। श्री चौधरी ने तिलक नगर स्थित चौधरी चरण सिंह कन्या छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की तस्वीर के समक्ष पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा के समान अवसर देकर ही हम समग्र विकास के सपने को साकार कर सकते हैं। समाज के भामाशाहों के सहयोग से यह कन्या छात्रावास संचालित किया जा रहा है, यह सराहनीय प्रयास है। इसके माध्यम से गांव के बच्चों, विशेष तौर पर बालिकाओं को शिक्षा के अवसर मिल पा रहे हैं। इस तरह के प्रयास अन्य लोगों को भी समाज को सेवा की दिशा

में प्रेरित करते हैं। श्री चौधरी ने कहा कि संस्थान में आवश्यकतानुसार और भी संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने संचालित छात्रावास के लिये चौधरी चरण सिंह शिक्षण एवं सेवा समिति के कार्यों की सराहना की और इसे अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा से जुड़ी सभी सुविधाएं मुहैया करवा रही हैं। इसमें भामाशाहों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। श्री दिलावर ने बीकानेर को दानवीरों की भूमि बताया और कहा कि इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिये सभी संकल्पबद्ध होकर कार्य करें।

किसानों की समृद्धि से ही होगा विकसित एवं खुशहाल राजस्थान : शर्मा

जयपुर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार किसानों के हित में निरन्तर कल्याणकारी फैसले कर रही है। श्री भजनलाल ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम में आयोजित समारोह में जयपुर से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कहा कि केन्द्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से राज्य के किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार द्वारा भी किसान कल्याण की दिशा में कई कदम उठाये गए, क्योंकि किसान की समृद्धि से ही विकसित एवं खुशहाल राजस्थान का सपना साकार होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों को पीएम किसान योजना के छह हजार रुपये के अतिरिक्त मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत दो हजार रुपए प्रतिवर्ष दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में गेहूं के 2275 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के

ऊपर 125 रुपए का बोनस प्रदान करके 2400 रुपए प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीद की गई है। राज्य में 10 हजार सौर ऊर्जा संयंत्रों, 41 हजार हैक्टेयर क्षेत्रफल में ड्रिप और मिनी स्प्रिंकलर और 44 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में स्प्रिंकलर संयंत्रों की स्थापना की गयी है।

श्री शर्मा ने कहा कि बड़ी संख्या में नए कृषि कनेक्शन, किसानों को बिजली के बिलों में अनुदान, अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण और कस्टम हायरिंग केन्द्रों की स्थापना जैसे निर्णय भी किसानों के उत्थान में महत्वपूर्ण निर्णय हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किसानों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने और राज्य को बिजली सरप्लस राज्य बनाने के लिये सवा दो लाख करोड़ रुपये के करार किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत शनिवार को जारी की गयी 18वीं किस्त के माध्यम से राजस्थान के 70 लाख 36 हजार 501 किसानों को कुल 1546.6 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं।

वाशिम में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, केन्द्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार एवं देवेन्द्र फड़नवीस सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

भाजपा राज्य में उपचुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है : राठौड़

जयपुर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि भाजपा राज्य में होने वाले उप चुनावों को लेकर पूर्ण रूप से तैयार है। श्री राठौड़ ने शनिवार को यहां पत्रकारों से कहा कि पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में लगा दिया है। पाटी हर कार्यकर्ता को काम और हर काम के लिये कार्यकर्ता के ध्येय वाक्य पर निरंतर कार्य कर रही है। ऐसे में संगठन स्तर पर आगामी सभी विधानसभा उपचुनावों को लेकर रणनीति तैयार कर ली गयी है। भाजपा अपनी सीट पर तो जीत दर्ज करेगी ही, कांग्रेस से उनकी सीट भी छीन लेंगी और सभी सात सीटों पर कमल खिलेगा।

उन्होंने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के बयानों पर कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार लगातार जनहितैषी कार्य कर रही है। राज्य सरकार मजबूत, सुदृढ़ और अपने एजेंडे पर कार्य करनी वाली सरकार है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को अपनी पार्टी को संभालना चाहिये। कांग्रेस की हो रही दुर्गति को संभालने की बजाए डोटासरा ताक झांक कर रहे हैं यह अच्छी आदत नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलित विरोधी पार्टी है। कोई भी दलित नेता अगर आगे बढ़ता है, तो कांग्रेसी उसे निशाना बनाते हैं। कांग्रेस हल्की और स्तरहीन राजनीति पर उतर आई है।श्री राठौड़ ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं, जो दलित, वंचित और शोषित वर्ग के उत्थान के लिये निरंतर कार्य कर रहे हैं और इन वर्गों को समाज की मुख्य धारा के साथ जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

मंदिर सभी सनातनियों की आस्था एवं समरसता का केंद्र होना चाहिए : भडाणा

अजमेर, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने कहा है कि मंदिर सभी सनातनियों की आस्था और समरसता का केंद्र होना चाहिए।

अजमेर में शनिवार को देवनारायण सेवा समिति माखुपुरा की ओर से भगवान देवनारायण मंदिर के 223 वर्ष पुराने प्राचीन मंदिर के भव्य भवन निर्माण के लिये आयोजित भूमि पूजन के समारोह में श्री भडाना ने मंत्रोचार के साथ ईंट पूजन करके भवन की नींव रखी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के छठवें अवतार के रूप में लोक कल्याण के लिये अवतरित भगवान देवनारायण का यह स्थान केवल एक मंदिर न होकर हमारे सांस्कृतिक, आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि इस मंदिर में मत्था टेकने पर शांति और सद्भाव का संचार होगा। जिस प्रकार कंस का अंत करने के लिये भगवान श्रीकृष्ण अवतरित हुए इस प्रकार तत्कालीन कंस रूपी राणा के संहार के लिए भगवान देवनारायण प्रकट हुए। उन्होंने कहा की यह मंदिर केवल एक समाज का न होकर सभी सनातनियों की आस्था और समरसता का केंद्र बने।

घोड़े पर सवार होकर मतदान करने आए नवीन जिंदल

चंडीगढ़, 05 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा में कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद नवीन जिंदल घोड़े पर बैठकर मतदान करने पहुंचे। सफेद कुर्ते पाजामे पर नीली जैकेट पहने श्री जिंदल ने मतदान की अपनी तस्वीरें साझा करते हुये सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुए

मतदान किया ताकि हमारा लोकतंत्र और मजबूत हो। आप सभी से आग्रह है कि जायें, वोट दें और सही चुनाव करें। यह निश्चित है कि हरियाणा में भाजपा ही सरकार बनायेगी, इसलिये अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें क्योंकि आपका प्रत्येक मत महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि श्री जिंदल की मां सावित्री जिंदल भी लोकसभा चुनाव से ही पहले भाजपा में शामिल हुई थीं, लेकिन टिकट न मिलने के कारण पार्टी से बगावत कर हिसार से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं।

जदयू की बैठक में 220 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य

भूमिहारों के खिलाफ बोलने वाले मंत्री का हुआ विरोध

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी की आज राज्य कार्यकारिणी की बैठक हुई। 2025 विधानसभा चुनाव को लेकर हुए इस बैठक में सीएम नीतीश कुमार, जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा समेत सभी मंत्री, सांसद और विधायक समेत पार्टी 400 सदस्य शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री और सीएम नीतीश कुमार के करीबी ललन सिंह आज की बैठक में शामिल नहीं हो रहे हुए। बैठक में सीएम नीतीश कुमार करीब आधा घंटा तक अपना संबोधन दिया। सबसे अधिक फोकस आगामी विधानसभा चुनाव पर था।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि एनडीए का लक्ष्य है कि 2025 में 220 सीट से ज्यादा सीटों पर जीत हासिल हो। 2010 में 206 सीटें एनडीए ने जीती थीं। उन्होंने सहयोगी दलों के नेताओं के साथ समन्वय बनाने के लिए संगत-पंगत कार्यक्रम शुरू करने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी हमेशा से कोशिश रही है बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या विशेष आर्थिक सहायता मिले। केंद्र सरकार की तरफ से जो विशेष आर्थिक सहायता दी गई है। इसके लिए नीतीश कुमार ने अपनी कार्य समिति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धन्यवाद किया है।

सूत्रों की मानें तो बैठक में इस बात पर भी मुहर लगी कि आगामी दिनों जदयू की ओर सम्मान संवाद कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इसमें समता पार्टी के दौरान जुड़े रहे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से पार्टी के नेता संवाद करेंगे। जदयू के नेता नीतीश कुमार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएंगे और इस पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया। इधर, भूमिहारों के खिलाफ बोलने के मामले पर जदयू विधायक डॉ. संजीव ने मंत्री अशोक चौधरी का विरोध किया। कहा कि पार्टी के भीतर एक-दो लोग जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करते हैं। भूमिहारों के लिए बयान देते हैं। इसका सख्त विरोध मैं पहले भी करता था और आज भी कर रहा हूं।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भूमिहारों को गाली देने वालों को पार्टी का महासचिव बना दिया जाता है।

इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भारत रत्न देने की मांग फिर से उठने लगी है। जदयू कार्यालय के बाहर सीएम नीतीश कुमार के समर्थकों ने इसको लेकर पोस्टर भी लगाया है। जदयू के महासचिव और सीएम नीतीश कुमार के करीबी छोटू सिंह ने कहा कि बिहार के विकास पुरुष कहे जाने वाले नीतीश कुमार को भारत रत्न मिलना चाहिए। केंद्र सरकार से मांग हैं कि उन्हें भारत रत्न दिया जाए।

राजनीतिक पंडितों का कहना है कि जनता दल यूनाईटेड में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी के अंदर गुटबाजी चल रही है। शीर्ष के कुछ नेताओं के बीच तनाव के है। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि केंद्रीय मंत्री ललन सिंह इस बैठक में शामिल नहीं हो रहे। अब तक उनके पटना आने की जानकारी नहीं है। उनका विभागीय काम से बाहर रहेंगे। बताया जा रहा है कि पार्टी के अंदर की गतिविधियों के कारण ललन सिंह नाराज हैं।

राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने जदयू के प्रदेश कार्यकारिणी के राजनीतिक प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रस्ताव में विरोधाभासी तथ्यों के साथ हीं केवल एक व्यक्ति विशेष के स्तुति गान तक ही सिमटी है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि राजनीतिक प्रस्ताव देखने से तो यही लगता है कि वैचारिक दृष्टिकोण से पार्टी खुद अस्पष्ट और भ्रमित है। पार्टी का एकमात्र लक्ष्य किसी प्रकार की सौदेबाजी कर सत्ता में बने रहना है। प्रस्ताव में जदयू ने अपने को महात्मा गांधी, डॉ अम्बेडकर, लोहिया, जेपी, युसूफ मेहर अली और कर्पूरी जी के वैचारिक विरासत का वाहक होने का दावा किया गया है। पर व्यवहारिक रूप इस दल का आचरण उन पुरुषों के वैचारिक सोच के विपरित हीं रहा है। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर साम्प्रदायिक और विभाजनकारी शक्तियों के साथ हीं प्रभुत्ववादी ताकतों को स्थापित करने में जदयू का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रस्ताव में दावा किया गया है कि यदि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज मिला रहता तो बिहार अबतक विकसित राज्यों की श्रेणी में आ जाता। वहीं यह भी कहा गया है कि प्रधानमंत्री जी की कृपा से विशेष पैकेज मिल भी रहा है। इससे स्पष्ट है कि यदि मुख्यमंत्री की कुर्सी सुरक्षित रहे तो जदयू बिहार के वाजिब हिस्से के लिए भी केन्द्र से कोई मांग नहीं करेगा।

छात्रों ने शिक्षक को बनाया बंधक, स्कूल में भी जड़ा ताला

अवैध वसूली के बावजूद नहीं भरा फॉर्म

पटना (एजेंसियां)।

बेतिया में एक सरकारी विद्यालय में पहुंचकर ग्रामीण और छात्र छात्राओं ने जमकर बवाल किया। ग्रामीण और छात्र-छात्राओं ने शिक्षक को भी बंधक बनाकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला जिले के प्लस टू उच्च विद्यालय कुकुरा का है। अभिभावक व छात्र-छात्राएं मैट्रिक में अवैध रूप से अधिक रूपया लेकर फार्म नहीं भरे जाने को लेकर आक्रोशित थे। फार्म नहीं भरे जाने से नाराज छात्र छात्राएं और उनके अभिभावकों ने जमकर बवाल काटा। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल की ओर से 206 बच्चों को फार्म नहीं भरा गया है। स्कूल में पहुंचे ग्रामीणों ने शिक्षकों के साथ धक्का मुक्की की और उन्हें स्कूल के ही कमरे में बंद कर बाहर से ताल जड़ दिया है तथा कुछ शिक्षकों को चारों तरफ से घेर कर बंधक बना लिया है। शिक्षक कमरे में घंटो से बंधक बने रहे। ग्रामीणों का गुस्सा उस समय भड़क गया जब उन्होंने अनियमितता की शिकायत बीईओ से की और बीईओ की ओर से कहा गया कि अगर आपलोग विद्यालय मे हंगामा बंद नहीं करेंगे तो हम केस कर देंगे। इस बात से ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

ग्रामीण बीईओ की बात पर उग्र हो गये और स्कूल में ताला जड़ एसडीएम व जिला शिक्षा पदाधिकारी के आने की मांग पर अड़ गए। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि बिहार बोर्ड परीक्षा का फार्म भरने के लिए 206 बच्चों से बारह सौ से पंद्रह सौ रुपये की वसूली की गई लेकिन उनका फार्म नहीं भरा गया। पंचायत के सरपंच प्रदीप कुमार, वार्ड सदस्य अनवर अंसारी अभिभावक धनिलाल साह, जैनुल मिया, हफीज शेख, मुस्तका मिया, फरियाद मिया, दीनानाथ राम, नरेश राम, नरेश महतो समेत सैकड़ो की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल के प्रधान शिक्षक मोतिलाल साह पिछले छह माह से स्कूल नही आ रहे।नौवी का जो फार्म बच्चो ने भरा उसका अब तक डम्मी नही आया है। स्कूल भगवान भरोसे चल रहा है। फार्म नहीं भरे जाने से सैकड़ों बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है। इधर, एसडीएम सूर्य प्रकाश गुप्ता ने बताया कि प्लस टू उच्च विद्यालय में हंगामा की सूचना मिली है। मामले में बीईओ को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। मामला गंभीर है जांच करायी जाएगी। दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कार्रवाई तय है। किसी भी सूरत में वैसे लोग माफ नहीं किए जाएंगे।

बिहार में बिना रिश्वत दिए काम नहीं होता: तेजस्वी

पूर्व केंद्रीय मंत्री का वीडियो भी किया शेयर

पटना (एजेंसियां)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव लगातार नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वरीय नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री हुकुमदेव नारायण यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। तेजस्वी यादव ने लिखा कि वरिष्ठ भाजपा नेता, दो बार के केंद्रीय मंत्री, छह बार सांसद, तीन बार विधायक और जिनका पुत्र वर्तमान भाजपा सांसद है वो भाजपा- नीतीश सरकार में बिहार में व्याप्त अफसरशाही एवं जनप्रतिनिधियों की दशा पर व्यक्तव्य दे रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा कि अब आप कल्पना करिए कि थाना और ब्लॉक में आम लोगों को कितनी परेशानियों और भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता है? बिना रिश्वत दिए बिहार में किसी का काम नहीं होता। सार्वजनिक रूप से कोई नहीं कहेगा यहाँ तक की सत्ताधारी विधायक अपने क्षेत्र में मनचाहे अधिकारियों के तबादलों एवं कार्यों के लिए भेंट चढ़ाते है। सांसद-विधायकों को नीतीश कुमार के परम दुलारे अधिकारी प्रणाम करना तो दूर उनका फोन तक नहीं उठाते। कुर्सी खातिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ख़ुद तो बेबस, बेचारे व असहाय बन गए है लेकिन बिहार पर अपनी बेचारगी क्यों थोप रहे है? थके हुए नेता और सेवानिवृत अधिकारी बिहार के सर्वेसर्वा बन बिहार को पीछे धकेल रहे हैं।

इस्तीफा देने वाले आईजी शिवदीप लांडे एक्शन में

थानेदार-एसडीपीओ के खिलाफ कर दी कार्रवाई की सिफारिश

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया आईजी कार्यालय से जारी एक पत्र में तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में लूट की घटना के संबंध में पुलिस की लापरवाही और उदासीनता का खुलासा हुआ है।दो माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी तक लूटे गए ज्वेलरी की बरामदगी नहीं कर पाई है। सिर्फ एक हीरे की अंगूठी की बरामदगी कर बरामदगी के नाम पर खानापूर्ति की है।

लापरवाही को लेकर सहायक खजांची थानाध्यक्ष शशि कुमार भगत सहित अन्य पुलिस कर्मी के

विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की सिफारिश की गई है। वहीं सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार पर अनुशासनिक कार्रवाई करने की सिफारिश की गई है।

पूर्णिया आईजी शिव दीप लांडे के पत्र के अनुसार बीते 26 जुलाई को पूर्णिया शहर के बीचों-बीच स्थित तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में दिनदहाड़े अज्ञात अपराधियों द्वारा लूट की घटना कारित की गई थी। इस घटना में अपराधियों ने तीन करोड़ सत्तर लाख (3.70 करोड़) रुपये के ज्वेलरी और एक स्टाफ का मोबाइल लूट लिया था। आईजी शिवदीप लांडे के पत्र के अनुसार घटना के दो माह से अधिक बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी तक लूटे गए ज्वेलरी की बरामदगी नहीं कर पाई है। सिर्फ एक हीरे की अंगूठी की बरामदगी हुई है, जो बरामदगी के नाम पर खानापूर्ति प्रतीत होती है। इसके अलावा, लूटे गए मोबाइल की भी बरामदगी नहीं हुई है और न ही कांड के मुख्य साजिशकर्ता के विरुद्ध कोई कार्रवाई की गई है।

पूर्णिया आईजी कार्यालय द्वारा थानाध्यक्ष, सहायक थाना और थाने में पदस्थापित सभी पुलिस पदाधिकारी/कर्मी के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर 1, पूर्णिया के विरुद्ध भी अनुशासनिक कार्रवाई की सिफारिश की गई है।पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय शर्मा को जांच और कार्रवाई के लिए निर्देश दिए गए हैं। थानाध्यक्ष और अन्य पुलिस पदाधिकारियों को अपनी रिपोर्ट शीघ्रतम प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोई भी गाड़ी रुकते ही टूट पड़ते हैं बाढ़ पीड़ित

सहरसा में मंत्री-मेयर को घेरा, लूटी राहत सामग्री

सहरसा (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के राजस्व मंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह जिला के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल और पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार बबलू शनिवार को सहरसा जिले के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान सैकड़ों महिलाओं ने उनका घेराव कर दिया। लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि उन लोगों की जिंदगी घर से सड़क पर आ गई है। जन प्रतिनिधि और अधिकारी आते हैं और चले जाते हैं। उन लोगों को अभी तक सरकार के स्तर से सही और समुचित सहयता नहीं मिली है।

बाढ़ पीड़ितों ने कहा कि भोजन भी ससमय नहीं मिलता है और मिलता भी है तो उसकी क्वालिटी अच्छी नहीं होती है। दिन का भोजन दोपहर दो बजे मिलता है, तब तक बच्चे भूख से बिलख जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय छुटभैए नेता के

कारण लोगों को प्लास्टिक शीट भी सभी को नहीं मिली। लोगों ने कहा कि मवेशी चारा के लिए भूखे हैं। महाजन से पैसे लेकर चारा लाते हैं। ये समस्याएं सुनकर पीएचईडी मंत्री ने लोगों को काफी समझाया-बुझाया, लेकिन महिलाएं कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हुईं। उसके बाद प्रशासन ने महिलाओं को किसी तरह वाहन के आगे से हटाकर मंत्री के काफिले को आगे बढ़ाया।

गौरतलब है कि मंत्री शनिवार को महिषी अंचल क्षेत्र के ब्रह्मपुर में संचालित राहत मेगा शिविर का मुआयना करने पहुंचे थे। जहां उन्होंने खुद से पीड़ितों के बीच खाना भी परोसा और खुद भोजन किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में मौजूद महिलाएं और पुरुष राहत सामग्री के लिए टकटकी लगाए थे। जैसे ही मंत्री विदा हुए लोगों ने काफिले को घेर कर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। मौके पर स्थानीय विधायक गुंजेश्वर साह, भाजपा विधायक आलोक रंजन, नगर निगम की महापौर बैन प्रिया, भाजपा नेत्री लाजवंती झा, सदर एसडीओ प्रदीप कुमार झा, सदर एसडीपीओ आलोक कुमार, जलई ओपी प्रभारी ममता कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

महिषी प्रखंड क्षेत्र के ब्रह्मपुर स्थित बाढ़ राहत शिविर से जैसे ही राजस्व मंत्री का काफिला आगे बढ़ा कि पीछे से आ रहे एक पिकअप वाहन पर लदी राहत सामग्री पर लोगों की नजर पड़ी। उसके बाद लोग उस पर टूट पड़े, देखते ही देखते लूट मच गई। दरअसल, काफिले के पीछे चल रही पिकअप पर राहत सामग्री लदी थी, जो भाजपा लिखे झोलों में थी। दर्जनों महिला, बच्चे और बूढ़े राहत सामग्री की बात सुनकर पिकअप पर चढ़ कर उसे लूटने लगे। इस दौरान चालक लोगों से विनती करता रहा, लेकिन किसी ने एक नहीं सुनी। चालक चाह कर भी वाहन लेकर भाग नहीं सकता था, क्योंकि आगे भी महिलाएं और बच्चे थे। देखते ही देखते दस मिनट के अंदर पिकअप पर लदी पूरी राहत सामग्री को लोगों ने लूट लिया, जिसके बाद लोगों ने गाड़ी को छोड़ा। लोगों की परेशानी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसके बाद सड़क पर गिरे राशन को भी लोगों ने नहीं छोड़ा और उसे भी समेट कर अपने साथ ले गए।

लोगों ने कहा कि बाढ़ में उनका घर और फसल सब तो बर्बाद हो ही गया है। लगता है कि भूख से कई की मौत होगी। लोगों को भरपेट भोजन नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने कहा कि भूख से बच्चे और बूढ़े तक परेशान हैं। राहत शिविर में दो समय खाना मिलता जरूर है, लेकिन बच्चों और बूढ़ों को उससे संतुष्टि नहीं मिलती है। बच्चों को दूध और बिस्कुट भी नहीं मिल पा रहा है।

बताया जा रहा है कि राहत सामग्री लूट के दौरान कई महिला और बच्चे हल्के चोटिल भी हुए। लोगों ने कहा कि उन लोगों को उम्मीद थी जो मंत्री आएंगे तो उन लोगों को कुछ राहत मिलेगी, लेकिन नहीं मिला। जबकि पीछे पूरा पिकअप वाहन राहत सामग्री भरा था। कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। लोगों की भीड़ के सामने स्थानीय प्रशासन भी मूक दर्शक बना रहा।

जिले में बाढ़ पीड़ितों की स्थिति काफी बुरी है। भूख मिटाने के लिए वह आने-जाने वाली गाड़ियों की तरफ टकटकी लगाए रहते हैं। जैसे ही कोई वाहन रुकता हैं, लोग उस और दौड़ पड़ते हैं। चूंकि सभी बाढ़ पीड़ित सड़क पर शरण लिए हुए हैं तो राहत सामग्री लेकर आने की बात जैसे ही उन्हें पता चलती है, वे उस गाड़ी की ओर दौड़ पड़ते हैं। इतना ही नहीं इस दौरान उन्हें दुर्घटना की भी चिंता नहीं रहती है। लोग खाद्य पदार्थ के लिए आपस में भी छीना-झपटी शुरू कर देते हैं।

शनिवार को भी ऐसा नजारा देखने को मिला। नगर निगम सहरसा की महापौर बैन प्रिया राहत सामग्री लेकर जैसे ही गंडोल के पास सड़क किनारे रह रहे लोगों के बीच पहुंचीं। लोग उन्हें वाहन से उतरने भी नहीं दे रहे थे और वाहन को घेर लिया। कुछ देर तो महापौर ने वाहन से ही लोगों के बीच राहत सामग्री बांटी।

बिहार पुलिस की मदद करें और तीन लाख रुपए पाएं

इंटरस्टेट 10 कुख्यात नक्सलियों पर इनाम घोषित

गया (एजेंसियां)।

बिहार पुलिस ने इंटरस्टेट 10 कुख्यात नक्सलियों के खिलाफ एक से तीन लाख रुपए का इनाम की घोषणा की है। इनमें दो नक्सली पर तीन-तीन लाख के इनाम घोषित किए गए हैं। सभी इनामी नक्सली लंबे समय से फरार हैं। राज्य के विभिन्न जिलों की पुलिस तलाश रही है। इन नक्सलियों को कोई भी पुलिस या सामान्य नागरिक इसके संबंध में सूचना देकर गिरफ्तारी में सहयोग करेंगे, वैसे लोगों को इनाम की राशि दी जाएगी। पुलिस मुख्यालय से 10 फरार नक्सलियों के खिलाफ इनाम की घोषणा की गई है। मुख्यालय द्वारा जारी लिस्ट में सबसे ज्यादा गया जिले से है। इसके बाद औरंगाबाद झारखंड राज्य और जहानाबाद के नक्सलियों का नाम शामिल है।

इस संबंध में गया के सीनियर एसपी आशीष भारती ने बताया कि झारखंड राज्य के लातेहार जिला अंतर्गत बसिया टोला टेमरार का रहने वाला नक्सली दिनेश गंझु उर्फ मनोहर गंझु उर्फ सोन गंझु उर्फ किशमिश पर 3 लाख और गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र के कचनार गांव का रहने वाला नक्सली अखिलेश सिंह पर तीन लाख का इनाम की घोषणा की गई है। वहीं भदवार थाना के हड़ही गांव के रहने वाला जीवन लाल यादव पर 1 लाख, कोच थाना के नेवधी गांव का रहने वाला राजेश यादव बिहर यादव पर 1 लाख और मऊ थाना के घिरसिंडी गांव का रहने वाला मुन्ना रवानी पर एक लाख का इनाम है। साथ ही औरंगाबाद जिले के गोह गांव का रहने वाला पुरूषोत्तम उर्फ नट बोल्ट उर्फ रंजन जी उर्फ सुधाकर उर्फ राम विनय, जाखिम गांव का सुनिल खन्नी और लंगुराही गांव का रहने वाला सुरेंद्र सिंह भोक्ता उर्फ लोहा पर एक-एक लाख का इनाम घोषित किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com